जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 28 नवम्बर, 2026

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

सोने में मिलावट हो सकती है

जमीन में नहीं।

दैनिक भास्कर

जयपुर 17-11-2026

भास्कर इन्वेस्टिगेशन रिपोर्टर ने चीन से मंगवाया रेनियम, मिलावट कराकर गहना बनवाया, 22 कैरेट की शुद्धता आई, जबकि 20 कैरेट होना था

सोने में अदृश्य मिलावट... 7.8 ग्राम सोने में एक ग्राम रेनियम पाउडर मिलवाया, बढ़कर 8.8 ग्राम हुआ, न हॉलमार्किंग मशीन पकड़ पाई, न ही कोई सुनार

मनीष व्यास | जोधपुर

आप जो सोना खरीद रहे हैं, क्या वह वाकई 100% शुद्ध है? या फिर आपकी गाढ़ी कमाई के गहनों में मिलाया जा रहा है चीन का एक ऐसा 'सीक्रेट पाउडर'... जिसे पकड़ पाना हॉलमार्किंग मशीनों के लिए भी नामुमकिन है? भास्कर ने पड़ताल की तो इसमें मिलावट का खुलासा हुआ। चीन के शेन्जेन शहर के एक चीनी एजेंट से यह पाउडर मंगाया गया।

जोधपुर में एक ज्वैलर्स के सहयोग से सोने में मिलवाकर वजन बढ़वाया। फिर हॉलमार्क सेंटर पर जांच कराई तो मशीन इस पाउडर की मिलावट पकड़ ही नहीं पाई। यानी सोने में जितना यह मिलाया गया, उतना ज्यादा वजन का सोना बता दिया गया। सोने के कारोबार से जुड़ी तीन एसोसिएशन से इस बारे में बात की गई तो उन्होंने भी स्वीकार किया कि चीनी पाउडर रेनियम को मिलाकर देश में सोना बिकने लगा है। ऐसे में ग्राहकों के साथ ठगी हो रही है। बता दें कि हमारे देश में रोज 2 हजार से 2200 किलो सोना बिकता है।

चीनी एजेंट से संपर्क किया तो भारत में ही दलाल बताए



Supplier of rhenium powder (Shenzhen · China)

पाउडर की मिलावट होने पर रिपोर्टर ने चीन के शेन्जेन शहर के एजेंट से बात की। उसने बताया, हमारे यहां रेनियम फैक्ट्री है। सोने में इसे 25% तक मिलाने पर भी यह पकड़ में नहीं आएगा। दाम पूछे तो बताया, दो तरह के रेनियम हैं। एक 3 हजार डॉलर का 100 ग्राम व दूसरा 3400 डॉलर का 100 ग्राम। भारत के कई शहरों में उसके डीलर हैं और यह आसानी से वहां मिल जाएगा।

(चीनी एजेंट के मोबाइल नंबर और उस पर हुई चैट भास्कर के पास है।)

मुंबई से मंगवाया रेनियम

रिपोर्टर ने चीनी एजेंट के बताए अनुसार मुंबई, अहमदाबाद सहित अन्य जगह संपर्क किया। बाद में मुंबई में एक एजेंट से सैंपल के तौर पर एक ग्राम रेनियम ऑर्डर किया। उसने रेनियम के 5 हजार और 300 रुपए कूरियर चार्ज लेकर पैकेट जोधपुर भेजा।

आड बनवाई, मशीन मिलावट नहीं पकड़ पाई



रेनियम मिक्स करते।



रेनियम मिक्स गहना।

रेनियम मिलने के बाद उसे सोने में मिलाने को लेकर प्रयोग कराए। 7.830 ग्राम 24 कैरेट यानी शुद्ध सोने में 1 ग्राम पाउडर मिलवाया। इससे वजन 8.830 ग्राम हो गया। इसका टेस्ट कराया गया तो यह 24 कैरेट सोना निकला। ज्वैलर ने 22 कैरेट की ज्वैलरी बनाने के लिए इसमें 0.75 ग्राम धातु मिक्स की और 9.580 ग्राम की देशी आड (राजस्थानी राजपूती गहना) तैयार कराई।

हॉलमार्क सहित 6 जांच कराई, चांदी-तांबा-जस्ता मिला पर रेनियम नहीं



जांच रिपोर्ट

1 **91.6% हॉलमार्किंग दी :** रेनियम मिक्स ज्वैलरी की जांच कराई। वहां 92K916 का हॉलमार्क जारी हो गया। यह 22 कैरेट सोने के लिए है।

2 **ब्रांडेड शोरूम में 22 कैरेट गोल्ड बताया :** सरदारपुरा बी रोड स्थित एक ब्रांडेड ज्वैलरी शोरूम की मशीन में भी इसे 22 कैरेट की आड बताया। बेचने पर 22 कैरेट के हिसाब से 1.17 लाख रुपए देने और एक्सचेंज कर खरीदारी करने पर 1.23 लाख रुपए का ऑफर दिया।

3 **93.70% सोना और चांदी :** नई सड़क स्थित शोरूम में कैरेट मशीन से जांच कराई। वहां 93.70% सोना, 5.39% चांदी व 0.90% तांबे की पुष्टि हुई। रेनियम का उल्लेख नहीं। शेष | पेज 6

पूरी खबर का वीडियो

देखने के लिए अपने मोबाइल फोन से इस QR कोड को स्कैन करें।

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

10 लाख की छूट

सिर्फ़ 3 दिन बाकी

FLAT STARTS
~~74 Lacs~~ @64 Lacs

KOTHI STARTS
~~1.18 Cr~~ @1.08 Cr

दिसंबर तक 2 करोड़ की होगी कोठी

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	ACTUAL PRICE	CLEARANCE SALE PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	74 Lacs	64 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	84 Lacs	74 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	92.5 Lacs	82.5 Lacs
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.18 Cr	1.08 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.41 Cr	1.31 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.85 Cr	1.75 Cr

KEDIA® | 1800-120-2323

info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

सबसे उत्तम दान यह है कि आदमी को इतना योग्य बना दो कि वह बिना दान के काम चला सके। –तालमुद

सेहत के लिए हानिकारक है बोतल बंद पानी

बोतल बंद पानी सेहत खराब कर सकते हैं। कुछ बोतल बंद पानी में ऐसे बैक्टीरिया पाए जा रहे हैं जो स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। देश के सबसे चर्चित बोतल बंद ब्रांड बिसलेरी के पानी के सैंपल में हानिकारक कैंसरकारक कैमिकल्स पाए जाने से लोग सकते में है। बिसलेरी देश भर में बोतल बंद पानी के रूप में हर जगह सर्व सुलभ है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने बोतलबंद पानी बनाने वाली कंपनी बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के पैकेज्ड पानी को 'असुरक्षित' पाया है। प्राधिकरण ने बिसलेरी के पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर के सैंपल की जांच में पॉलीन्यूक्लियर एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन पाए गए हैं। यह सैंपल तय ब्रोमेट सीमा के अनुसार नहीं पाया गया है। इस जांच के परिणाम काफी चौंकाने वाले हैं क्योंकि लोग बड़े भरोसे के साथ पैकेज्ड ड्रिंकिंग पानी को सुरक्षिंत मान उसका सेवन करते हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह पानी खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत असुरक्षित घोषति किया है। लैब की रिपोर्ट में असुरक्षित खाद्य पदार्थ से जुड़े कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन साबित होने के बाद, FSSAI के इएए एक्ट, 2006 के तहत बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड पर मुकद्दमा चलाने की इजाजत दी है। ब्रोमेट एक रासायनिक यौगिक है जो असल में पानी के शुद्धिकरण के दौरान बनता है। ब्रोमेट पानी में नेचुरली नहीं पाया जाता, बल्कि जब पानी शुद्ध किया जाता है तो यह कीटाणु शोधन का उप-उत्पाद यानी बाय-प्रोडक्ट है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो ये संभावित रूप से कैंसरकारी तत्व- है। एक रिसर्च में दावा किया गया है कि इस पानी में मौजूद छोटे कण सेहत के लिए खतरनाक हो सकते हैं। जर्नल Results in Engineering में प्रकाशित इस रिसर्च में भारत के बाजार में मिलने वाले छह बड़े ब्रांड के बोतलबंद पानी की जांच की गई। रिसर्च के दौरान जब पानी की जांच की गई तो इसमें PET, पॉलीथीन और पॉलीप्रोपाइलीन जैसे प्लास्टिक की मौजूदगी भी मिली जो सेहत के लिए बेहद हानिकारक है।

आजकल बोतल का पानी पीने का रिवाज व्यापक रूप से प्रचलन में है। घर हो या बाहर हर जगह बोतल का पानी सर्व सुलभ है। इस पर अनेकों शोध होकर बोतल बंद पानी को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया गया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कई बार चेताया है प्लास्टिक बोतल से पानी पीना आप की सेहत बिगाड़ सकता है। FSSAI ने पैक्ड मिनरल वाटर को हाई रिस्क फूड की कैटेगरी में शामिल कर दिया है। आजकल यात्रा सहित अन्य मौकों पर प्लास्टिक बोतल का उपयोग आम बात हो गई है। दिसंबर 2024 में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने प्लास्टिक वाटर बोतल और मिनरल वॉटर बोतल को 'हाई-रिस्क फूड' की कैटेगरी में शामिल कर दिया है। इसका मतलब यह है कि अब इन इन प्रोडक्ट्स के निर्माण और बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

हाई-रिस्क फूड श्रेणी में वे खाद्य पदार्थ आते हैं जो आसानी से प्रदूषित हो सकते हैं और स्वास्थ्य के लिए खतरे का कारण बन सकते हैं। इसमें डेयरी उत्पाद, मांस, सीफूड, शिशु आहार, रेडी-टू-ईट फूड्स और अब पैक्ड पानी भी शामिल हैं। एक हालिया अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि पैक्ड पानी में अत्यधिक मात्रा में नैनो-प्लास्टिक पार्टिकल्स पाए जाते हैं। एक अध्ययन के अनुसार एक लीटर बॉटल्ड पानी में औसतन 2,40,000 प्लास्टिक कण होते हैं, जिनमें से 90 प्रतिशत नैनो-प्लास्टिक होते हैं। यह नैनो-प्लास्टिक इतने छोटे होते हैं कि उन्हें माइक्रोस्कोप से भी नहीं देखा जा सकता। ऐसे में जब आप इस पानी को पीते हैं तो शरीर में प्लास्टिक पहुंचता है और खून में मिलकर गंभीर परिणाम को पैदा कर सकते हैं।

हालिया अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि पैक्ड पानी में अत्यधिक मात्रा में नैनो-प्लास्टिक पार्टिकल्स पाए जाते हैं। एक अध्ययन के अनुसार एक लीटर बॉटल्ड पानी में औसतन 2,40,000 प्लास्टिक कण होते हैं, जिनमें से 90 प्रतिशत नैनो-प्लास्टिक होते हैं। यह नैनो-प्लास्टिक इतने छोटे होते हैं कि उन्हें माइक्रोस्कोप से भी नहीं देखा जा सकता।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि प्लास्टिक की बोतलों में पानी पीने से बचें और यदि संभव हो तो ग्लास या स्टेनलेस स्टील की बोतलों का इस्तेमाल करें। लेकिन यदि प्लास्टिक की बोतल का ही चुनाव करना पड़े, तो सुनिश्चित करें कि वह बीपीए-मुक्त हो. इसके अलावा, प्लास्टिक की बोतल को उच्च तापमान से दूर रखें, क्योंकि गर्मी के संपर्क में आने पर बीपीए नामक रसायन पानी में घुल सकता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरे का कारण बन सकता है।

हाल ही में इसे लेकर हुए एक शोध में कई हैरान करने वाले खुलासे हुए। अमेरिका में हुए नए अध्ययन में सामने आया है कि दुकानों में बिकने वाले बोतलबंद पानी में लाखों छोटे-छोटे प्लास्टिक के कण होते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को प्रभावित कर सकते हैं। शोध में स्पष्ट रूप से इस पानी को जहरीला बताया। रिपोर्ट में बताया गया है पानी की बोतल में मिलियन की संख्या में छोटे प्लास्टिक के टुकड़े होते हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों को हानि पहुंचा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने पहली बार दोहरे लेजर का उपयोग करके माइक्रोस्कोप द्वारा पता लगाया है कि बोतलबंद पानी के औसत लीटर में दो मिलियन से अधिक छोटे नैनोप्लास्टिक के अदृश्य टुकड़े होते हैं।

कोलंबिया एंड रटगर्सयूनिवर्सिटीज के शोधकर्ताओं पता लगाया है कि तीन कॉमन बोतलबंद वाटर ब्रांड के प्रत्येक के पांच नमूनों को देखते हुए पाया एक लीटर पानी में 110,000 से 400,000 प्लास्टिक के टुकड़े थे, जो औसतन लगभग 240,000 हैं। ऐसे कण हैं जिनका आकार एक माइक्रोन से भी कम है। एक इंच में 25,400 माइक्रोन होते हैं - जिन्हें माइक्रोमीटर भी कहा जाता है क्योंकि यह एक मीटर का दस लाखवां हिस्सा होता है। एक इंसान का बाल लगभग 83 माइक्रोन चौड़ा होता है। अध्ययनों में थोड़े बड़े माइक्रोप्लास्टिक्स पाए गए थे जिनकी रेंज 5 मिलीमीटर से लेकर एक चौथाई इंच से भी कम, एक माइक्रोन तक है। अध्ययन में पाया गया कि बोतलबंद पानी में माइक्रोप्लास्टिक की तुलना में लगभग 10 से 100 गुना अधिक नैनोप्लास्टिक पाए गए। आज घर-घर में प्लास्टिक ने अपना कब्जा जमा लिया है। एक मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार प्लास्टिक की बोलत में पानी पीने से डायबिटीज सहित शरीर के विभिन्न अंगों में स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या भी हो सकती है। ये बोलतें बाइफिनाइल एक एस्ट्रोजन-मिमिकिंग केमिकल होता है, जो डायबिटीज, मोटापा, प्रजनन संबंधी समस्याएं, व्यवहार संबंधी समस्याएं और लड़कियों में जल्दी प्यूबर्टी का कारण बनता है। बताया जाता है प्लास्टिक से होने वाली हानि से सुरक्षित रहने के लिए प्लास्टिक की बोतल के बजाय तांबे, कांच या स्टेनलेस स्टील की बोतल से पानी पीना अधिक सुरक्षित है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

एमबीबीएस डिग्री हाथ में - बीपी नापना (?), चिकित्सा शिक्षा का नया मॉडल



प्रोफेसर अशोक कुमार

आज देश में चिकित्सा शिक्षा (मेडिकल एजुकेशन) का विस्तार जितनी तेजी से हो रहा है, उसकी गुणवत्ता, प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचे को लेकर उतनी ही गंभीर चिंताएं उभर रही हैं। समाचार पत्रों की सुर्खियां, सरकारी रिपोर्टें और जमीनी हकीकत एक ऐसे विरोधाभास की ओर इशारा करती हैं, जहां इमारतों और सीटों की संख्या तो बढ़ रही है, लेकिन वास्तविक प्रशिक्षण, योग्य शिक्षकों और चिकित्सकीय संवेदनशीलता का अकाल पड़ता जा रहा है।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में वर्तमान में 750 से अधिक मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें एमबीबीएस की कुल सीटें 1.15 लाख के पार पहुंच चुकी हैं। इनमें लगभग 55 प्रतिशत कॉलेज सरकारी (पब्लिक) हैं और शेष 45 प्रतिशत निजी (प्राइवेट) क्षेत्र में हैं। पिछले एक दशक में कॉलेजों और सीटों की संख्या लगभग दोगुनी हुई है। कागजों पर यह एक बड़ी उपलब्धि दिखती है, लेकिन भीतर झांकने पर स्थिति भयावह नजर आती है। केवल भवन खड़े कर देने और सीटों की संख्या बढ़ा देने से सक्षम चिकित्सक तैयार नहीं होते; इसके लिए समृद्ध प्रयोगशालाओं, आधुनिक नैदानिक उपकरणों और अनुभवी शिक्षकों की आवश्यकता होती है, जिनका आज घोर अभाव है।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में संकाय सदस्यों (फैकल्टी) और आधुनिक उपकरणों की भारी कमी एक कड़वा सच है। हालिया आरटीआई और सरकारी आंकड़े चौंकाने वाले हैं-देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान एम्स नई दिल्ली में स्वीकृत 1,306 फैकल्टी पदों में से 524 पद (लगभग 40 प्रतिशत) रिक्त पड़े हैं। नए एम्स संस्थानों की स्थिति और भी भयावह है; एम्स जोधपुर में 46.7 प्रतिशत, एम्स गोरखपुर में 45.5 प्रतिशत, एम्स जम्मू में 44.3 प्रतिशत तथा एम्स कल्याणी और बिलासपुर में 40 प्रतिशत से अधिक शिक्षकों के पद खाली हैं। कुल मिलाकर देश के अधिकांश एम्स में औसतन 36 से 40 प्रतिशत तक फैकल्टी की कमी है।

जब देश के शीर्षस्थ संस्थानों का यह हाल है, तो राज्यों के सरकारी मेडिकल कॉलेजों की स्थिति का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। वहां कई विभाग केवल कागजों पर या अतिथि और अस्थायी शिक्षकों के भरोसे चल रहे हैं। निरीक्षण के समय घोस्ट फैकल्टी (अस्थायी रूप से शिक्षकों को इधर-उधर दिखाना) का खेल आज भी किसी से छिपा नहीं है। इसके अतिरिक्त, नीति आयोग की एक रिपोर्ट यह भी रेखांकित करती है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों का भारी दबाव होने के कारण जो गिने-चुने शिक्षक उपलब्ध हैं, उन्हें भी छात्रों को पढ़ाने और बेडसाइड टीचिंग (मरीज के बिस्तर के पास व्यावहारिक प्रशिक्षण) के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। परिणामस्वरूप, एक मेहनती छात्र, जो कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद सरकारी कॉलेज में प्रवेश पाता है, वहां पहुंचकर खुद को ठगा हुआ महसूस करता है और विद्यार्थियों के सीखने का वास्तविक आउटपुट बेहद कमजोर रह जाता है।

चिकित्सा शिक्षा को भीतर से खोखला करने में एक नया और बेहद खतरनाक चलन पीजी कोचिंग माफिया का भी जुड़ गया है। चिकित्सा विज्ञान केवल किताबों से नहीं, बल्कि अस्पताल के वार्डों में मरीजों के बीच रहकर सीखा जाता है। लेकिन आज एक बेहद चिंताजनक प्रवृत्ति देखी जा रही है। जैसे ही कोई छात्र एमबीबीएस में प्रवेश लेता है, पहले या दूसरे वर्ष से ही ऑनलाइन ऐप्स और कोचिंग संस्थानों का व्यावसायिक जाल उसे घेर लेता है। छात्रों के मन में यह मानसिकता भर दी गई है कि केवल एमबीबीएस की डिग्री से कुछ नहीं होगा, असली सफलता एमडी/एमएस (पीजी) की प्रवेश परीक्षा पास करने में है।

इस अंधी दौड़ का नतीजा यह है कि छात्र मेडिकल कॉलेज की कक्षाओं और अस्पताल के क्लिनिकल वार्डों में जाने के बजाय छात्रावास के कमरों में बैठकर मोबाइल और टैबलेट पर कोचिंग के वीडियो लेक्चर रटते रहते हैं। बिना मरीजों की नब्ज टटोले, बिना उनकी पीड़ा को समझे और बिना व्यावहारिक अभ्यास के डिठी हासिल करने की होड़ लगी है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि कई प्रशिक्षु डॉक्टरों को बुनियादी चिकित्सकीय जांच-जैसे रक्तचाप (बीपी) सही तरीके से मापना, स्टेथोस्कोप का सटीक उपयोग या सामान्य लक्षणों की पहचान करना-तक ठीक से नहीं आता। मोटी-मोटी संदर्भ पुस्तकें केवल मोबाइल फोन टिकाने के काम आ रही हैं और व्यावहारिक अनुभव शून्य होता जा रहा है। जब बुनियाद ही इतनी कमजोर होगी, तो भविष्य में ये डॉक्टर किस प्रकार के इलाज करेंगे, इसकी कल्पना मात्र से सिहरन होती है।

निजी कॉलेजों की बेतहाशा फीस और खाली सीटों का विरोधाभास

दूसरी ओर, निजी मेडिकल कॉलेजों का हाल यह है कि वहां एमबीबीएस की पढ़ाई आम आदमी की पहुंच से कोसों दूर हो चुकी है। एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार के लिए अपने बच्चे को निजी कॉलेज से डॉक्टर बनाना असंभव सा है, क्योंकि वहां की पूरी पढ़ाई का खर्च 50 लाख रुपये से लेकर 2 से 2.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस बेतहाशा महंगाई का परिणाम एक अजीबोगरीब विरोधाभास के रूप में सामने आ रहा है। एक तरफ नीट जैसी परीक्षा में 20 से 24 लाख युवा एक-एक सीट के लिए दिन-रात जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ निजी मेडिकल कॉलेजों की महंगी सीटों और सुपर-स्पेशियलिटी की सैकड़ों सीटें हर साल खाली रह जाती हैं। यह स्पष्ट करता है कि चिकित्सा शिक्षा अब मानव सेवा का माध्यम न रहकर शुद्ध रूप से पूंजी का खेल बन गई है, जहां योग्यता पर धनबल भारी पड़ रहा है।

शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट का एक बड़ा कारण परीक्षा प्रणाली में बाहरी और राजनीतिक हस्तक्षेप भी है। उच्च शिक्षा के अन्य क्षेत्रों की तरह अब मेडिकल कॉलेजों में भी अनुत्तीर्ण न करने का अघोषित दबाव बढ़ता जा रहा है। यदि कोई छात्र पढ़ाई या व्यावहारिक परीक्षा में कमजोर रहता है और परीक्षक या शिक्षक उसे अनुत्तीर्ण (फेल) करने का साहस दिखाते हैं, तो तुरंत राजनीतिक दबाव, घेराव और धरना-प्रदर्शन का दौर शुरू हो जाता है।

प्रशासनिक और राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते अंततः कमजोर छात्रों को भी कृपांक देकर या दबाव में उत्तीर्ण कर दिया जाता है। यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि एक सामान्य विषय में यदि कोई छात्र बिना पर्याप्त ज्ञान के पास हो जाए, तो समाज को होने वाला नुकसान सीमित होता है; लेकिन यदि एक अधकचरा डॉक्टर समाज में भेजा जाता है, तो वह सीधे तौर पर मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है।

आगे की राह और नीतिगत सुधार -चिकित्सा शिक्षा के इस गिरते स्तर को रोकने के लिए कठोर, पारदर्शी और दूरगामी कदम उठाने होंगे। सर्वप्रथम, किसी भी नए मेडिकल कॉलेज को खोलने या सीटों की वृद्धि की अनुमति तभी दी जानी चाहिए जब वहां 100 प्रतिशत स्थायी शिक्षक, पूरी प्रयोगशालाएं, आधुनिक उपकरण और सुसज्जित अस्पताल मौजूद हों। केवल भवन निर्माण के आधार पर मान्यता देना तत्काल बंद होना चाहिए।

दूसरे, एमबीबीएस के दौरान क्लिनिकल वार्डों और कक्षाओं में छात्रों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य की जाए तथा पीजी प्रवेश परीक्षा के पैटर्न में ऐसा आमूलचूल बदलाव हो कि बहुविकल्पीय प्रश्न रटने के बजाय व्यावहारिक और क्लिनिकल ज्ञान की परख हो सके। तीसरे, निजी कॉलेजों की फीस पर एक तार्किक और पारदर्शी नियंत्रण आवश्यक है ताकि प्रतिभाशाली छात्रों को आर्थिक अभाव में पीछे न हटना पड़े। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेडिकल कॉलेजों की परीक्षाओं और मूल्यांकन प्रणाली को हर प्रकार के राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव से पूरी तरह मुक्त रखा जाए। देश को केवल डॉक्टरों की भारी संख्या नहीं, बल्कि ऐसे सक्षम, संवेदनशील और प्रशिक्षित चिकित्सकों की आवश्यकता है, जिनके हाथों में समाज का जीवन सुरक्षित रह सके।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर एवं
गोरखपुर विश्वविद्यालय

एक ज्वलंत विषय : परिसीमन



प्रो. कैलाश सोडाणी

इस समय देश में जनगणना और परिसीमन को लेकर राजनैतिक एवं संवैधानिक स्तर पर काफी उथल-पुथल चल रही है। सीटों की नई गणित और जुगलबन्दी के मध्य सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी-अपनी रणनीति में जुट गये है। परिसीमन से देश के राजनैतिक भूगोल में बदलाव होगा। परिसीमन का आधार जनसंख्या है। 1971 में देश की 55 करोड़ की आबादी के आधार पर तत्कालीन परिसीमन से लोकसभा की 543 सीटें निर्धारित की गयी थी। 55 वर्ष बाद 2027 में जब देश की आबादी लगभग 148 करोड़ होने का अनुमान है, तदपश्चात होने वाले परिसीमन के परिणामों को हम समझ सकते है।

इस पूरी चर्चा-परिचर्चा में लोकसभा सीटों में वृद्धि, आरक्षित सीटों का निर्धारण, बढ़ी हुई सीटों को लेकर उत्तर-दक्षिण राज्यों में असन्तुलन और 33 प्रतिशत महिला आरक्षण मुख्य विषय है।

भारत में विधायी निकायों (लोकसभा एवं विधानसभा) के चुनावी क्षेत्रों की भौगोलिक सीमाओं का निर्धारण या पुनर्निर्धारण करना ही परिसीमन (Delimitation) है। जनसंख्या तो घटती-बढ़ती रहती है, इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए परिसीमन किया जाता है कि हर निर्वाचन क्षेत्र (constituency) में मतदाताओं की संख्या लगभग समान रहे, जिससे हर नागरिक के वोट का मूल्य बराबर बना रहे। प्रजातंत्र का आधार है- एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य। समय के साथ जन्म दर, शहरीकरण और प्रवासन के कारण कुछ क्षेत्रों की आबादी बहुत बढ़ जाती है और कुछ की कम हो जाती है। परिसीमन इस असन्तुलन को ठीक करता है। आबादी के अनुसार ही आरक्षित सीटों का निर्धारण किया जाता है। परिसीमन यह सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है कि कोई भी जनप्रतिनिधि (एमपी या एमएलए) बहुत बड़े या बहुत छोटे जनसमूह का असमान रूप से प्रतिनिधित्व न करें।

भारत में यह कार्य एक स्वतंत्र और शक्तिशाली संस्था "परिसीमन आयोग" (Delimitation Commission) द्वारा किया जा रहा है। आयोग के आदेश को कानून के समान दर्जा प्राप्त है। आयोग के फैसलों को किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती एवं संसद एवं विधानसभाएं भी किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं कर सकती हैं। भारत में अब तक चार बार 1952, 1963, 1973 एवं 2002 में परिसीमन आयोग का गठन किया गया।

परिसीमन के परिणामस्वरूप लोकसभा सीटों की संख्या 1951 की जनगणना के बाद 489 से बढ़कर 494 हो गई। 1961 की जनगणना से बढ़कर 522 हो गई और 1971 की जनगणना के बाद यह बढ़कर मौजूदा संख्या 543 तक पहुँच गयी फिर संख्या को स्थिर कर दिया गया।

1976 में 42वें संविधान संशोधन द्वारा लोकसभा सीटों की संख्या को 1971 की जनगणना के आधार पर स्थिर कर दिया गया। 2001 में 84वें संशोधन द्वारा इस रोक को वर्ष 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना तक बढ़ा दिया गया। मेरा मानना है कि लोकसभा की सीटों को स्थिर करने का निर्णय प्रजातान्त्रिक भावनाओं के अनुरूप नहीं था। परिसीमन तो जनगणना के साथ-साथ निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। आज परिसीमन को लेकर जो विवाद हो रहा है उसका कारण भी लंबे समय से परिसीमन को स्थगित करना ही है। 2002 में गठित आयोग ने 2001 की जनगणना के आधार पर 543 की संख्या को स्थिर रखते हुए केवल निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं को फिर से निर्धारित किया।

स्वतंत्रता के बाद 7वीं बार राष्ट्रीय जनगणना 2011 में आयोजित की गयी। अगली जनगणना 2021 में होनी तय थी लेकिन कोविड महामारी के कारण सम्भव नहीं हो पायी। लम्बे इन्तजार के बाद जनगणना (2026-27) की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। यह जनगणना पूर्ण रूप से डिजिटल जनगणना होगी।

पहली बार जातिगत डेटा भी एकत्र किये जायेंगे। 2027 में होने वाली जनगणना के पश्चात सम्भावित परिसीमन का मतदान और चुनावी समीकरणों पर गहरा और व्यापक असर पड़ेगा। परिसीमन के चलते कई संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक सीमाएँ बदल जायेंगी। लोकसभा की मौजूदा 543 सीटें बढ़कर लगभग 816 से 850 के बीच हो सकती हैं। 106वें संविधान संशोधन के अन्तर्गत महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभाओं में मिलने वाला 33 प्रतिशत आरक्षण इसी नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू होगा।

उत्तर भारत के राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश और राजस्थान जैसे अधिक जनसंख्या वाले राज्यों में लोकसभा की सीटों में भारी वृद्धि होने की संभावना है। दक्षिण के केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक जैसे राज्यों में जनसंख्या नियंत्रण पर बेहतर काम हुआ है, उनकी सापेक्षिक रूप से राजनीतिक हिस्सेदारी में कमी आ सकती है। इस स्थिति से बचने की दृष्टि से केन्द्र सरकार सभी राज्यों के मौजूदा प्रतिनिधित्व को सुरक्षित रखने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। 131वाँ संविधान संशोधन विधेयक 2026 के अनुसार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन को मंजूरी देना। जिससे लोकसभा की वर्तमान संख्या को 850 करने का प्रस्ताव था। 131वें विधेयक का उद्देश्य इस लम्बी देरी को खत्म करना था, ताकि 2029 के आम चुनावों से ही 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को लागू किया जा सके। लोकसभा में यह विधेयक आवश्यक दो तिहाई बहुमत के अभाव में गिर गया। विपक्ष और विशेषकर दक्षिणी राज्यों के दलों के विरोध का कारण जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्गठन को लेकर है।

दक्षिण भारत का राजनीतिक महत्व कम होने की आशंका को दूर करने की दृष्टि से सरकार ने आश्वस्त किया कि किसी भी राज्य की सीटें कम नहीं की जायेंगी। दक्षिण भारत की सीटें भी लगभग 50 प्रतिशत बढ़ाकर 129 से 195 की जा सकती हैं। साथ ही केन्द्र सरकार की राज्यों एवं क्षेत्रीय दलों के साथ व्यापक विचार विमर्श से परिसीमन को लेकर जो आशंकाएं हैं, यथाशीघ्र समाधान की सम्भावना है। जिससे देश के प्रत्येक मतदाता के मत का समान महत्व बना रहेगा।

–प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान
महावीर खुला विवि., कोटा

राशिफल शनिवार 28 नवम्बर, 2026



पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीष मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत-2083, पुर्नवसु नक्षत्र दिन 12:50 तक, शुक्ल योग रात्रि 8:18 तक, कौलव करण सायं 5:19 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 7:23 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-सिंह, बुध-तुला, गुरू-सिंह, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज महापात योग सायं 6:20 से रात्रि 11:40 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- शुभ 8:19 से 9:37 तक, चर 12:14 से 1:33 तक, लाभ अमृत 1:33 से 4:10 तक।

राहुकाल- 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 7:00, सूर्यास्त 5:29

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अपने मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मनःस्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।`

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कुंभ
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

मीन
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

लोक कलाकारों की थाप पर धड़के राजस्थान, नई पीढ़ी से जुड़ें संस्कृति के तार



डॉ. लीलाधर दोचानिया

राजस्थान की पहचान केवल उसके भव्य किलों, महलों, रंग-बिरंगे परिधानों और रेतीले धोरों तक सीमित नहीं है। इस धरती की असली आत्मा उसके लोकगीतों, लोकनृत्यों, लोकवाद्यों, लोकदेवताओं की गाथाओं और उन कलाकारों में बसती है, जिन्होंने पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपनी कला को जीवित रखा है। मांड के मधुर सुर, घूमर की लय, कालबेलिया नृत्य की मोहक मुद्राएँ, कठपुतलियों का जीवंत संसार और ढोलक-खड़ताल की थाप राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को विशिष्ट बनाते हैं। लेकिन आज एक महत्वपूर्ण सवाल हमारे सामने है-क्या राजस्थान की यह समृद्ध सांस्कृतिक विरासत नई पीढ़ी तक उसी आत्मीयता के साथ पहुँच रही है, जिस आत्मीयता से पिछली पीढ़ियों ने इसे सँजोया था?

राजस्थान के लोक कलाकार केवल मनोरंजन नहीं करते, बल्कि वे इतिहास, परंपरा, जनजीवन और सामूहिक स्मृतियों को अपनी कला के माध्यम से आगे बढ़ाते हैं। उनके गीतों में प्रेम है, विरह है, वीरता है, भक्ति है और जीवन के संघर्षों से जूझने की प्रेरणा भी है। उनकी प्रस्तुतियों में गाँवों की खुशबू, मरुस्थल की संवेदना और जनमानस का अनुभव एक साथ दिखाई देता है। मांड गायन की मिठास हो या मांगणियार और लंगा समुदायों की संगीत परंपराएँ, इन कलाओं में वर्षों की साधना और पीढ़ियों का अनुभव समाहित है। इसी प्रकार कालबेलिया नृत्य, चंग की थाप, गवरी जैसी लोक नाट्यय परंपराएँ और कठपुतली कला राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता को अभिव्यक्त करती हैं।

इन परंपराओं को जीवित रखने वाले कलाकारों का सम्मान केवल मंच पर तालियाँ बजाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनकी कला को उचित अवसर, नियमित मंच, आर्थिक संबल और समाज में सम्मान मिलना भी आवश्यक है। आज की नई पीढ़ी डिजिटल तकनीक, सोशल मीडिया और वैश्विक मनोरंजन की दुनिया से गहराई से जुड़ी हुई है। उसकी रुचियाँ बदली हैं, अभिव्यक्ति के माध्यम बदले हैं और मनोरंजन के साधन भी बदल गए हैं। यह परिवर्तन स्वाभाविक है। समस्या आधुनिकता नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों से अनजान होते जाना है। यदि किसी युवा को विदेशी संगीत की जानकारी है, लेकिन वह अपने प्रदेश के लोकगीतों और लोकवाद्यों से परिचित नहीं है, तो यह सोचने का विषय अवश्य है। इसका समाधान नई पीढ़ी की रुचियों को नकारना नहीं, बल्कि राजस्थान की लोककला को उसके समय और माध्यम के अनुरूप प्रस्तुत करना है।

लोकगीतों की आकर्षक डिजिटल रिकॉर्डिंग, लोक कलाकारों के जीवन पर लघु वृत्तिचत्र, विद्यालयों और महाविद्यालयों में सांस्कृतिक संवाद तथा सोशल मीडिया पर प्रामाणिक प्रस्तुतियाँ युवाओं को इस विरासत से जोड़ सकती हैं। बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम परिवार और शिक्षा हो सकते हैं। परिवारों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। दादा-दादी और नाना-नानी से सुनी लोककथाएँ, विवाह और त्योहारों पर गाए जाने वाले पारंपरिक गीत तथा गाँवों की सांस्कृतिक स्मृतियाँ बच्चों के मन में अपनी मिट्टी के प्रति आत्मीयता पैदा करती हैं। जब परिवार स्वयं अपनी परंपराओं को महत्व देगा, तभी बच्चे भी उनसे जुड़ाव महसूस करेंगे।

किसी भी लोककला का भविष्य उसके कलाकारों के भविष्य से अलग नहीं हो सकता। यदि पारंपरिक कलाकारों को पर्याप्त काम नहीं मिलेगा, उनकी प्रस्तुतियों के लिए उचित पारिश्रमिक नहीं होगा और उनकी कला सीखने वालों को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा, तो कई परंपराएँ धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकती हैं। समाज, सांस्कृतिक संस्थाओं, आयोजकों, शिक

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 117 प्रभात जयपुर, शनिवार 28 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT



A Piece Of Collectible Art

He just started picking up old radios from random sources and replacing the inner circuits with locally available Bluetooth speakers until he ran short of radios

The Hidden Meaning Behind the Rhythmic Syllables

डीलिमिटेशन पर बहस काफी क्रोधपूर्ण व कटुता युक्त होगी संसद में

पर, इसके बावजूद, भाजपा यह विधेयक पारित करा लेगी सदन में

- जब राहुल गांधी को इस तथ्य से अवगत कराया गया तो उन्होंने जोशीला जवाब दिया, चाहे सदन में हमारे सांसदों की संख्या कुछ भी हो, हम इस विधेयक का पूरे जोर से विरोध करेंगे।
- तमिलनाडु सबसे पहले डीलिमिटेशन का विरोध करने वालों में से था। पर, राहुल गांधी ने स्वयं तमिलनाडु में डीएमके का साथ छोड़कर, विजय की पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन किया। राहुल गांधी से बदला लेने की दृष्टि से स्टालिन अब डीलिमिटेशन के मुद्दे पर मोदी के साथ व समर्थन में खड़े हैं। हालांकि, वे जानते हैं कि डीलिमिटेशन उनके लिए घातक साबित हो सकता है।
- डीलिमिटेशन के बाद, तमिलनाडु में सांसदों की संख्या चालीस से बढ़कर साठ हो जाएगी तथा यूपी में निर्वाचित सांसदों की संख्या 80 से बढ़कर 120 हो जाएगी।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। नरेन्द्र मोदी सरकार परिसीमन विधेयक (डीलिमिटेशन बिल) पारित कराने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रही है। इसमें सरकार को शरद पवार की एनसीपी, डीएमके, तृणमूल कांग्रेस के उन 20 गैर-मान्यता प्राप्त सांसदों, जिन्होंने पार्टी छोड़ दी है, और कुछ अन्य छोटे दलों के सांसदों का समर्थन मिल सकता है।

अमित शाह इस संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश में पूरी ताकत से लगे हुए हैं।

कांग्रेस ने आज शाम अपनी रणनीति पर चर्चा के लिए एक बैठक की और मतदान पर चर्चा करने के लिए कल सुबह इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ एक बड़ी बैठक होगी।

बताया जाता है कि राहुल गांधी ने कहा है कि वे इस विधेयक का पूरी ताकत से विरोध करेंगे, लेकिन भाजपा इसका राजनीतिक फायदा उठाना और राजनीतिक अंक हासिल करना चाहती है। जयराम रमेश ने बैठक में सांसदों की संख्या का पूरा ब्योरा दिया, जिस पर राहुल गांधी ने कहा कि संख्या चाहे जो भी हो, कांग्रेस इस लड़ाई को लड़ेगी।

सबसे पहले डीएमके ने निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर आपत्ति जताई थी, लेकिन कांग्रेस द्वारा डीएमके का साथ छोड़कर विजय की टीवीके के साथ गठबंधन करने के फैसले के फलस्वरुप, स्टालिन अब राहुल गांधी और कांग्रेस को सबक सिखाने के लिए मोदी का समर्थन कर रहे हैं।

हालाँकि वे भली भाँति जानते हैं कि परिसीमन दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के राजनीतिक दलों के लिए अस्तित्व का संकट बन सकता है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी को अधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी है। यह एनसीपी और डीएमके की मांग थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है।

राहुल गांधी ने कहा कि तमिलनाडु और पुडुचेरी की कुल 40 सीटें बढ़कर 60 हो जाएंगी, जबकि उत्तर प्रदेश की 80 सीटें बढ़कर 120 हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि कोई भी इस बारे में बात नहीं कर रहा है कि इससे तमिलनाडु और दक्षिण भारत के अन्य राज्यों को कितना नुकसान होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा सीटें 50 प्रतिशत बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली, 27 नवंबर। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में केन्द्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है।

इसी को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सेवातीर्थ में केंद्रीय मंत्रिमंडल की विशेष बैठक हुई।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में परिसीमन विधेयक को मंजूरी दी गई

- केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने परिसीमन विधेयक को मंजूरी दी।

है। इसके तहत सभी राज्यों में लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत तक बढ़ ोतरी की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, विधेयक में सीटों के पुनर्निर्धारण के लिए साल 2011 की जनगणना को आधार बनाने का प्रावधान किया गया है।

सूत्रों के अनुसार, प्रस्ताव का उद्देश्य परिसीमन के बाद किसी भी राज्य की राजनीतिक हिस्सेदारी कम होने की आशंका को दूर करना है।

इसके साथ ही राज्यों के बीच लोकसभा सीटों के मौजूदा अनुपात को वर्ष 2051 तक स्थिर रखने का प्रस्ताव भी किया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि 30 नवंबर से लोकसभा और 2 दिसंबर से राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होगी। 3 दिसंबर को सत्रावसान होगा।

बाँग्लादेश के स्पीकर की बयानबाजी से तनाव फैला व अचम्भा हुआ

स्पीकर हाफिज़उद्दीन अहमद ने, 1971 के बाँग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में भारत की भूमिका पर सवाल उठाए

- स्पीकर महोदय का कहना था कि भारत की बाँग्लादेश की आज़ादी में कोई रूचि नहीं थी। भारत तो पाकिस्तान के दो टुकड़े करवाने और पाकिस्तान को कमज़ोर करने की दृष्टि से "मुक्ति आंदोलन" में कूदा था।
- मजे की बात यह भी है कि स्पीकर हाफिज़उद्दीन अहमद प्रारम्भ में पाकिस्तान की सेना के कैप्टन थे, "मुक्ति आंदोलन" से जुड़ने से पहले तथा बाँग्लादेश के "मुक्ति आंदोलन" में प्रशंसनीय भूमिका निभाने पर उन्हें बाँग्लादेश का प्रतिष्ठित अवॉर्ड, "बीर बिक्रम" पुरस्कार भी मिला था।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। बांग्लादेश की संसद के स्पीकर हाफिजुद्दीन अहमद ने 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की भूमिका पर सवाल उठाकर, कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का समर्थन करके और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में बने रहने को लेकर, अंतर्राष्ट्रीय कानूनी कार्यवाही की चेतावनी देकर दक्षिण एशिया में कूटनीतिक बेचैनी पैदा कर दी है।

23 से 29 नवंबर तक अपनी संसदीय यात्रा के दौरान इस्लामाबाद में दिए गए अहमद के ये बयान, ढाका की पिछली सरकारों द्वारा भारत-पाकिस्तान के मुद्दों पर बरती जाने वाली पारंपरिक संयम की नीति से बिल्कुल अलग हैं। सन् 1971 में, भारत की भूमिका को देखते हुए बांग्लादेश की आज़ादी को लेकर उनकी टिप्पणियां विशेष रूप से संवेदनशील हैं।

पाकिस्तान के संसद भवन में पत्रकारों से बात करते हुए अहमद ने कहा कि भारत ने 1971 में बंगालियों की मदद नहीं की थी, बल्कि पाकिस्तान को कमज़ोर करने की कोशिश की थी। उनका यह दावा ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत है। भारतीय सेना ने मुक्ति वाहिनी के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी थी, जबकि पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई से बचकर भागे करीब एक करोड़ शरणार्थियों को भारत ने शरण दी थी।

यह युद्ध 16 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान के आत्मसमर्पण के साथ समाप्त हुआ और बांग्लादेश एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आया। पिछले पांच दशकों से अधिक समय से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में भारत का योगदान अहम रहा है।

अहमद ने आरोप लगाया कि शेख हसीना के 15 साल के शासनकाल में बांग्लादेश एक "भारतीय उपनिवेश" बन गया था। इसके साथ ही, उन्होंने नई दिल्ली पर जरूरत से ज्यादा प्रभाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने बड़ी होशियारी से विपक्ष के "डीलिमिटेशन" के विरोध को नाकाम किया

विपक्ष के कुछ दलों की आशंकाओं को शांत किया अपने तर्कों से

- कुछ को राजनीतिक सौदेबाज़ी से, विरोध की जिद छोड़ने की प्रेरणा दी।
- पर, यह भी सच है, भाजपा ने अपने राजनीतिक हितों को सर्वोच्च नहीं मान कर, काफी लचीलेपन का रवैया रखा।

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। विशेष संसद सत्र में परिसीमन से जुड़े महिला आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को लेकर सरकार की नई कोशिश का विरोध करने की इंडिया गठबंधन की रणनीति अभी स्पष्ट नहीं है। डीएमके, और शरद पवार की एनसीपी सहित, कुछ क्षेत्रीय दलों द्वारा इस विधेयक का समर्थन करने के संकेत मिल रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 27 नवंबर को संशोधित विधेयक को मंजूरी दे दी। इसमें सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में एक समान 50 प्रतिशत बढ़ोतरी और राज्यों के बीच मौजूदा सीटों के अनुपात (जो वर्ष 1971 की जनगणना पर आधारित है) को 2051 तक यथावत् बनाए रखने का प्रावधान किया गया है। इससे तमिलनाडु सहित, दक्षिण भारत के राज्यों की चिंताओं का समाधान होने की संभावना है।

इस विधेयक को संसद के विशेष सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। संसद का यह विशेष सत्र 30 नवम्बर से लोकसभा में तथा 2 दिसम्बर से राज्यसभा में शुरु होने जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बडोदरा के पास जैश का आतंकी गिरफ्तार

वडोदरा, 27 नवंबर। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोप में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। उसे हालोल-वडोदरा हाईवे पर गोल्डन चौकड़ी के पास से पकड़ा गया। उसके कब्जे से एक एके-47 राइफल और 23

- उसके पास एके -47 राइफल और 23 जिंदा कारतूस मिले।

जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी वडोदरा एयरफोर्स स्टेशन को निशाना बनाने के इरादे से आया था। आरोपी की पहचान असम के करीमगंज जिले के मूल निवासी मोहम्मद शाहरुख इस्लाम कबीरूद्दीन के रूप में हुई है। उसके मदरसे में पढ़ाई करने की जानकारी भी सामने आई है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, वह असम से ट्रेन के जरिए भोपाल और फिर वहां से बस से वडोदरा पहुंचा था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अखिलेश यादव इतनी जल्दबाजी में क्यों है, यूपी के चुनाव की तैयारी में?

उनका मानना है कि गठबंधन (सीटों का बंटवारा आदि) फाइनल करने में जितना विलंब होगा, उससे गठबंधन में मतभेद की चर्चाओं से दोनों पार्टियों (सपा व कांग्रेस) की सार्वजनिक छवि को उतनी ही हानि होगी

- इसीलिए, उन्होंने पाँच सीटों पर अपने उम्मीदवारों की एकतरफा घोषणा कर कांग्रेस पर दबाव बनाने का प्रयास किया है।

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। उत्तर प्रदेश में राजनीतिक मुकाबले की तस्वीर लगभग तय होती दिखाई दे रही है। राज्य में एनडीए, इंडिया गठबंधन और छोटे सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के संभावित तीसरे मोर्चे के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने के आसार हैं। हालांकि, राजनीतिक समीकरण अभी भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। लेकिन, समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनावी एजेंडा तय करने में शुरुआती बढ़त बना ली है। उन्होंने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है और अपनी चुनावी टीम को सक्रिय कर दिया है।

अखिलेश यादव की रणनीति में सबसे खास बात उनकी तैयारियों की तेज रफ्तार है। सपा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। दोनों पार्टियां कितनी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगी, इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। गठबंधन की ओर से मतदाताओं से किये जाने वाले बड़े वादों और चुनाव प्रचार की रणनीति पर भी अभी फैसला नहीं हुआ है। इसके बावजूद, अखिलेश बातचीत पूरी होने का इंतजार किए बिना अपनी तैयारियों में जुट गए हैं।

उनके इन शुरुआती कदमों ने राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा छेड़ दी है। क्या यह उनके बढ़े हुए आत्मविश्वास का संकेत है? या फिर सपा प्रमुख जानबूझकर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कांग्रेस की वजह से उनकी चुनावी तैयारियां प्रभावित न हों?

राजनीतिक जानकारों और सूत्रों के अनुसार, अखिलेश यादव 2027 के चुनाव में नए आत्मविश्वास के साथ उतरने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव, 2024 के लोकसभा चुनाव और हाल ही में हुए बिहार में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के अनुभव से भी सबक लिया है।

अखिलेश यादव के नए आत्मविश्वास के पीछे सबसे बड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई पेपर लीक का दो साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 27 नवम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में दो साल से फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी आरोपी श्रीराम विश्नोई उर्फ अतुल विश्नोई को गिरफ्तार किया है। आरोपी जगदीश विश्नोई ओमप्रकाश ढाका गिरोह का

- एसओजी ने उस पर दस हजार का ईनाम घोषित किया हुआ था।

सदस्य बताया जा रहा है। एसओजी ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे 30 नवंबर तक पुलिस अभिरक्षा रिमांड पर सौंप दिया गया।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि एसओजी थाने में दर्ज प्रकरण में जांच के दौरान सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी श्रीराम विश्नोई उर्फ अतुल विश्नोई (28) निवासी भीनमाल जिला जालौर ने दो अभ्यर्थियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टाटा ग्रुप के कंट्रोल को लेकर झगड़े कोई नई बात नहीं है, पहले भी इस मुद्दे पर काफी झड़पें हुई हैं

हालांकि, इस बार स्थिति काफी जटिल है, पर, फिर भी अंततोगत्वा मालिकों की ही चलेगी तथा "प्रौफैशनल्स" को जाना ही पड़ेगा, पर, देश के शीर्षस्थ औद्योगिक समूह को भी काफी नुकसान होगा, जिसकी भरपाई होने तक कहीं टाटा ग्रुप ज्यादा ही नहीं लड़खड़ा जाए

- इस झगड़े की जड़ में कहीं न कहीं, रतन टाटा स्वयं भी जिम्मेवार हैं। उन्होंने अपने रिश्ते में सौतेले भाई नोएल टाटा को कभी महत्वपूर्ण पद पर नहीं बैठने दिया था और अब नोएल टाटा व उनकी संतानें, इस ग्रुप पर अपना नियंत्रण बनाना चाहती हैं।
- जब, रतन टाटा को इस ग्रुप के हैड के रूप में बिठाया गया था तो पुराने दिग्गज व प्रौफैशनल, जो टाटा समूह की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ चला रहे थे, ने इस नई व्यवस्था का विरोध किया था तथा रतन टाटा इस समूह पर पूर्ण कंट्रोल तब ही कर पाए थे, जब पुराने दिग्गज रिटायर हो गए।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह पर नियंत्रण हासिल करने के लिए चल रही लड़ाई कभी देश के सबसे सम्मानित औद्योगिक घरानों में शामिल रहे टाटा समूह के भविष्य को नुकसान पहुंचा रही है।

यह लड़ाई मूल रूप से टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा और टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के प्रमुख एन. चंद्रशेखरन के बीच है। टाटा संस इस ग्रुप की होल्डिंग कंपनी है, जिसके पास टाटा समूह की दर्जनों कंपनियों में हिस्सेदारी है।

फिलहाल एन. चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन के रूप में दोबारा नियुक्त किए जाने को लेकर कानूनी लड़ाई चल रही है। टाटा संस मुख्य होल्डिंग कंपनी है, जिसकी विभिन्न कंपनियों में हिस्सेदारी है। टाटा परिवार से जुड़े नोएल टाटा चाहते हैं कि नियंत्रण फिर से परिवार के हाथों में आए और चंद्रशेखरन अपना पद छोड़ दें।

एक तरह से देखा जाए तो उत्तराधिकार की यह लड़ाई और नियंत्रण वापस हासिल करने की कोशिश टाटा समूह के लिए नई बात नहीं है। जब जेआरडी टाटा के अचानक निधन के बाद रतन टाटा को समूह का प्रमुख बनाया गया था, तब टाटा स्टील, टाटा केमिकल्स और टाटा टैटली जैसी कंपनियों के कई प्रमुखों ने विद्रोह कर दिया था। टाटा टैटली विभिन्न खाद्य कंपनियों का प्रतिनिधित्व करती थी।

उन्होंने अपनी इकाई का नियंत्रण ग्रुप की उस होल्डिंग कंपनी को सौंपने से इनकार कर दिया था, जो उस समय रतन टाटा के नेतृत्व में थी। काफी समय बाद ही समूह की कंपनियों के शक्तिशाली प्रमुखों, जो अपने आप में किसी साम्राज्य की तरह थे, को धीरे-धीरे हटाया जा सका और रतन टाटा को पूरा नियंत्रण मिल पाया।

हालांकि, इस नुकसान पहुंचाने वाली लड़ाई से भारत का सबसे विविध मैनुफैक्चरिंग दिग्गज समूह बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इन कंपनियों के बेहद जटिल कारोबार को सही दिशा देने के लिए वर्षों की योजना और बहुत बारीकी से काम करने की जरूरत होती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय कॉरपोरेट समूहों में टाटा समूह की एक अलग पहचान है, क्योंकि इसकी कंपनियां ही मुख्य रूप से भारतीय उद्योगों में मैनुफैक्चरिंग इकाइयाँ हैं। घरेलू मैनुफैक्चरिंग के मामले में भारत पिछड़ा हुआ है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घर के बाहर धूप सेक रहे बुजुर्ग को कार ने कुचला

जयपुर, 27 नवम्बर। जवाहर नगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बेकाबू कार ने घर के बाहर कुर्सी पर बैठकर धूप सेक रहे एक बुजुर्ग को कुचल दिया। हादसे में बुजुर्ग की मौत हो गई। इसके बाद कार ने सड़क किनारे खड़े एक ठेले को भी जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से ठेला

- घायल मोहनलाल की एसएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

करीब 10 फीट दूर जाकर पलट गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने कार चालक का पीछा किया, लेकिन भीड़ को इकट्ठा होते देखकर चालक कार सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शुक्रवार दोपहर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

थानाधिकारी सरला यादव ने बताया कि हादसे में मोहन लाल (66) पुत्र हंसराज निवासी सिंधी कॉलोनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सार-समाचार

पुरस्कार वितरण समारोह में खिलाड़ियों का सम्मान

भरतपुर (निसं)। लोहागढ़ स्टेडियम, भरतपुर में आयोजित 71वीं राजस्थान राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2026 के अंतर्गत आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न वर्गों के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राहुल सैनी, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, भरतपुर रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. राकेश सोलंकी, वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ एवं निदेशक, सोलंकी हॉस्पिटल तथा अंकित गर्ग एवं प्रिया गर्ग, प्रख्यात व्यवसायी उपस्थित रहे। इस अवसर पर राजस्थान टेबल टेनिस संघ के सचिव संजय गहलोत, जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र सारस्वत, सचिव एवं आयोजन सचिव बन्नो ए. एंथनी, स्वागत समिति के अध्यक्ष राजेश चौधरी, संसाधन जुटाव समिति के अध्यक्ष रवि चौधरी, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र कुंतल तथा आयोजन समिति के सदस्य राजेन्द्र गोयल ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया। आयोजन सचिव बैन्नो एन्थौनी ने बताया कि समारोह में अंडर-19 बालक एवं बालिका टीम वर्ग तथा अंडर-17 बालक एवं बालिका व्यक्तिगत वर्ग के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफियां प्रदान की गईं। प्रतियोगिता के प्रमुख परिणाम अंडर-19 बालिका टीम वर्ग, प्रथम स्थान - जयपुर, द्वितीय स्थान - कोटा, तृतीय स्थान - भरतपुर एव बीकानेर , अंडर-19 बालक टीम वर्ग, प्रथम स्थान -जयपुर, द्वितीय स्थान - कोटा, तृतीय स्थान बीकानेर एवं चूरू ने प्राप्त किया। वही अंडर-17 बालक व्यक्तिगत मुकाबलो में प्रथम स्थान पर तुषार रामचंदानी (जयपुर), द्वितीय स्थान हिमांशु राठौड़ (चूरू) व तृतीय स्थान युवान बांकलीवाल एवं नैतिकवीर यादव (जयपुर) ने प्राप्त किया। इस प्रकार अंडर-17 बालिका व्यक्तिगत वर्ग मे प्रथम स्थान स्मृद्धि व्यास (जयपुर), द्वितीय स्थान राधिका सोनी (जयपुर) व तृतीय स्थान प्रियांशी शर्मा (कोटा) एवं आरना सहानी (जयपुर) ने हासिल किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार, 25 नवम्बर को पुरुष युगल, महिला युगल एवं मिश्रित युगल वर्ग के मुकाबले आयोजित किए जा रहे हैं। इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. गौरव कपूर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भरतपुर होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सचिन्द्र चतुर्वेदी, रजिस्ट्रार, सोसायटी, भरतपुर उपस्थित रहेंगे।

फुलेरा-सांभर जिला बनाने की मांग चर्चाओं से भी गायब

फुलेरा । फुलेरा-सांभर को जिला बनाने की मांग कभी पूरे क्षेत्र का बड़ा जनआंदोलन बन गई थी। सडकों पर हजारों लोगों का हुजूम, धरने-प्रदर्शन, बाजार बंद और जनप्रतिनिधियों की बुलंद आवाज ने सरकार तक यह संदेश पहुंचाया था कि क्षेत्र की जनता अब जिला गठन से कम पर मानने वाली नहीं है। लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि जिस मांग को लेकर कभी पूरा क्षेत्र एकजुट नजर आता था, वही मुद्दा अब सियासी गलियारों और सार्वजनिक चर्चाओं से लगभग गायब होता दिखाई दे रहा है। सबसे बडा सवाल यह है कि आखिर फुलेरा-सांभर को जिला बनाने की मांग का क्या हुआ? क्या आंदोलन के दौरान किए गए वादे और संकल्प केवल भीड़ जुटाने तक सीमित थे? कभी इस मांग के समर्थन में आगे आने वाले जनप्रतिनिधि अब इस मुद्दे पर खुलकर बोलने से क्यों बच रहे हैं? जनता को आखिर कौन बताएगा कि जिला गठन की फाइल किस स्तर पर है और सरकार के सामने अब तक कितनी प्रभावी पैरवी की गई है । जिला गठन की मांग केवल राजनीतिक प्रतिष्ठा का विषय नहीं, बल्कि क्षेत्र के भविष्य और विकास से जुड़ा सवाल है। जिला बनने से प्रशासनिक कामकाज में सुविधा, सरकारी कार्यालयों तक पहुंच और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। ऐसे में वर्षों से इस मांग को लेकर संघर्ष कर रहे लोगों के मन में निराशा बढ़ना स्वाभाविक है। क्षेत्रवासियों का सवाल है कि यदि जिला बनाने की मांग आज भी जीवित है तो फिर इसके लिए कोई संगठित प्रयास क्यों नजर नहीं आ रहा? क्या जनप्रतिनिधियों ने सरकार के सामने कोई नया प्रस्ताव रखा है? क्या मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों तक क्षेत्र की भावनाएं पहुंचाई गई हैं? यदि प्रयास जारी हैं तो उनकी जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही? अब समय आ गया है कि जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ें और जनता को वास्तविक स्थिति से अवगत कराएं। जरूरत पड़ने पर सभी राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों को एक मंच पर आकर फिर से आवाज बुलंद करनी चाहिए।

भंदे बालाजी में 4 दिसंबर को भव्य भजन संध्या

फुलेरा। भंदे बालाजी में 4 दिसंबर को आयोजित होने वाली विशाल भजन संध्या की तैयारियों को लेकर गुरुवार को आयोजन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं एवं आयोजन को भव्य बनाने के संबंध में विस्तार से चर्चा कर जिम्मेदारियां सौंपी गईं। आयोजक रौनक एवं तुषार शर्मा ने बताया कि भजन संध्या का आयोजन ग्राम पंचायत शार्दूलपुरा के खातियों की ढाणी निवासी बाबूलाल शर्मा एवं कांता शर्मा के सानिध्य में होगा । कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भजन गायक महावीर सांखला (नागौर), टी-सीरीज गायक कमलेश शर्मा, सुश्री अंकिता शर्मा एवं ब्रह्मवादिनी कंचन दीदी द्वारा भजनों की मधुर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस दौरान भंदे बालाजी का आकर्षक एवं अनुपम दरबार सजाया जाएगा। आयोजन को लेकर समिति के सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं।

केंद्रीय कारागार सेवर की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

भरतपुर (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने शुक्रवार को केंद्रीय कारागार सेवर का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र एवं बंदियों की बैरकों की सुरक्षा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की गहन समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान एसपी ने कारागार के प्रवेश एवं निकास द्वार पर होने वाली जांच व्यवस्था, परिसर में निगरानी तंत्र, बंदी बैरकों की निगरानी तथा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों का अवलोकन किया। उन्होंने जेल प्रशासन से सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी भी प्राप्त की। पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए।

मैड़-कुंडला व विराटनगर में कांग्रेस का प्रधान पद पर कब्जा

पावटा। विराटनगर पंचायत समिति प्रधान पद के चुनाव में कांग्रेस ने शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए मैड-कुंडला और विराटनगर दोनों पंचायत समितियों में जीत का परचम लहरा दिया। दोनों ही जगह कांग्रेस प्रत्याशियों ने भाजपा प्रत्याशियों को 7-7 मतों के अंतर से करारी शिकस्त देकर प्रधान की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया। खास बात यह रही कि दोनों पंचायत समितियों में चुनाव परिणाम पूरी तरह एक जैसे रहे। कांग्रेस प्रत्याशियों को 11-11 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशियों को महज 4-4 वोटों से संतोष करना पडा। दोनों जगह जीत के बाद कांग्रेस खेमे में उत्साह और जश्न का माहौल देखने को मिला। मैड़-कुंडला पंचायत समिति में प्रधान पद के लिए कांठोस की ओर से मीनाक्षी देवी और भाजपा की ओर से मनफूली देवी चुनाव मैदान में थीं। पंचायत समिति के कुल 15 सदस्यों ने मतदान प्रक्रिया में भाग लिया। मतगणना के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी देवी को 11 वोट प्राप्त हुए, जबकि भाजपा प्रत्याशी मनफूली देवी को 4 वोट मिले। इस तरह मीनाक्षी देवी ने 7 मतों के बड़े अंतर से जीत दर्ज करते हुए प्रधान पद पर कब्जा जमा लिया। वहीं विराटनगर पंचायत समिति में भी कांठोस ने अपना दबदबा कायम रखा। यहां प्रधान पद के लिए कांठोस ने सुनीता यादव को प्रत्याशी बनाया था, जबकि भाजपा की ओर से मीरा यादव चुनाव मैदान में थीं। मतदान के बाद हुई मतगणना में कांठोस प्रत्याशी सुनीता यादव को 11 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी मीरा यादव के पक्ष में 4 वोट आए। इस प्रकार सुनीता यादव ने भी 7 मतों के अंतर से जीत हासिल कर प्रधान की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया।

मैड-कुंडला और विराटनगर दोनों पंचायत समितियों में कुल 15-15 सदस्य हैं और दोनों जगह मतदान का परिणाम भी बिल्कुल समान रहा। कांठोस ने 11 वोट हासिल कर अपनी मजबूत स्थिति का प्रदर्शन किया, वहीं भाजपा को दोनों स्थानों पर 4-4 वोट ही मिल सके। प्रधान पद के चुनाव को लेकर सुबह से ही दोनों पंचायत समिति मुख्यालयों पर राजनीतिक सरगर्मियां तेज रहीं। प्रत्याशियों और समर्थकों में चुनाव परिणाम को लेकर उत्सुकता बनी रही। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा। परिणाम घोषित होते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने खुशी जाहिर की नवनिर्वाचित पावटा प्रधान पायल यादव, नवनिर्वाचित विराटनगर प्रधान सुनीता यादव, नवनिर्वाचित मैड कुंडला प्रधान मीनाक्षी, पावटा नगरपालिका चेयरमैन मीना अजय सैना को बधाई दी।



मैड-कुंडला और विराटनगर में कांग्रेस के प्रधान बनने पर जुलूस निकाल स्वागत किया।

- दोनों जगह कांग्रेस ने 11-4 के अंतर से भाजपा को शिकस्त दी, मीनाक्षी देवी और सुनीता यादव प्रधान बनीं

देवली पंचायत समिति में महादेव मीणा प्रधान बनी

देवली । पुलिस की कड़ी व्यवस्था के बीच देवली पंचायत समिति प्रधान पद के लिए शुक्रवार की दोपहर को चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई । देवली पंचायत समिति के प्रधान चुनाव में 18 सदस्यों ने कांग्रेस प्रत्याशी महादेव मीणा के समर्थन में मतदान किया। तो वहीं भाजपा प्रत्याशी धर्मराज मीणा को

कुल 6 सदस्यों का मत प्राप्त हुआ। एक सदस्य ने नोटा मे मतदान किया। ऐसे मे 18 सदस्यों का मत प्राप्त करके कांठोस प्रत्याशी महादेव मीणा देवली पंचायत समिति के प्रधान पद पर विजय घोषित हुए। इसी के साथ दूसरी बार कांग्रेस ने देवली पंचायत समिति में प्रधान पद पर अपना कब्जा बरकरार बनाए रखा। पंचायत प्रधान चुनाव में देखने वाली बात तो यह रही की मतदान प्रक्रिया के दौरान निर्दलीय एवं आरएलपी के निर्वाचित सदस्य सबसे पहले मतदान करने पहुंचे। इसी के साथ कुछ ही देर बाद भाजपा के निर्वाचित सदस्य मतदान करने पहुंचे। तत्पश्चात दोपहर साढे तीन बजे कांग्रेस के सभी निर्वाचित सदस्य और समर्थक एक साथ बस मे सवार होकर पंचायत समिति परिसर में पहुंचे।

इस दौरान ठामीण और शहरी कांग्रेस नेताओं के चेहरे पहले से ही खिले हुए दिखाई दिए। देवली नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ जिंदल और युवा नेता राहुल बलसोरा के साथ कांग्रेस कमेटी के अन्य सदस्य और कांठोसी नेताओ मे पहले से खुशी बनी हुई दिखाई दे रही थी। इसी के साथ देखा गया।

- 25 में से 18 सदस्यों ने कांग्रेस के महादेव मीणा को प्रधान चुना

चंदलाई बांध से नहरों में पानी छोड़ा

टोंक। बिसलपुर बांध परियोजना के कमांड क्षेत्र में स्थित चंदलाई बांध से रबी की फसलों की सिंचाई के लिए नहरों में पानी छोड़ा गया।

इससे क्षेत्र के किसानों को राहत मिलेगी। नहरी पानी से करीब 846 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई की सुविधा मिलेगी। लंबे समय से पानी का इंतजार कर रहे किसानों में नहरों में पानी पहुंचने से खुशी है। इससे रबी की फसलों की समय पर सिंचाई हो सकेगी और कृषि उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है।

चंदलाई बांध से नहरों में पानी छोडे जाने से कमांड क्षेत्र की करीब 846 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इससे किसानों को रबी की फसलों की सिंचाई के लिए पानी मिल सकेगा। क्षेत्र में लंबे समय से सिंचाई के लिए पानी का इंतजार कर रहे किसानों को नहरों में पानी पहुंचने से राहत मिली है।

उमरैण में कांग्रेस की जीत पर फूलबाग में जश्न, लड्डू बांटे

अलवर। उमरैण में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। जीत की खुशी में फूलबाग में जश्न मनाया गया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह और राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। दोनों नेताओं ने कार्यकर्ताओं के साथ मिठाई बांटकर जीत की खुशी साझा की। वहीं टीकाराम जूली ने गाना गाकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह ने उमरैण की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की तानाशाही के बावजूद जनता ने कांग्रेस का साथ दिया है। यह जीत सरकार के लिए एक बड़ा संदेश है। वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने चुनाव के दौरान पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान पुलिस की मौजूदगी में जिस तरह के हालात बने हुए थे, उन्हें लेकर उन्होंने पहले ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया था, लेकिन इसके बावजूद उचित इंतजाम नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों के बावजूद जनता ने कांग्रेस का समर्थन किया और पार्टी को जीत दिलाई।

जूली ने कहा कि जनता का यह समर्थन आने वाले समय में कांग्रेस की मजबूती का संकेत है। उन्होंने दावा किया कि आगामी समय में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी।

फूलबाग में आयोजित जश्न के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। मिठाई वितरण, नेताओं के स्वागत और जूली के गीत ने कार्यक्रम को उत्सवी माहौल में बदल दिया।

- टीकाराम जूली ने गाना गाकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया, नेताओं ने जीत को बताया जनता के विश्वास का परिणाम

आचार्य सुन्दरसागर का निवाई में मंगल प्रवेश

टोंक। निवाई में शुक्रवार को युवाचार्य सुन्दरसागर महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश हुआ, जहां सकल दिगम्बर जैन समाज ने जुलूस निकालकर उनका स्वागत किया। महाराज चातुर्मास के बाद सिद्ध चक्र महामंडल विधान के लिए निवाई पहुंचे हैं। मीडिया प्रभारी ने बताया कि आचार्य की अगवानी के लिए सुबह से ही श्रावक पहुंचने लगे थे। निवाई की सीमा पर जैन समाज की कमेटी और श्रावकों ने उनका स्वागत किया। इंद्र नितिन सपना छाबड़ा ने आचार्य को श्रीफल भेंट किया।

किशनगढ़ बास को मिली पहली मुस्लिम युवा महिला प्रधान

किशनगढ़ बास। पंचायत समिति किशनगढ़ बास की राजनीति में शुक्रवार को एक नया अध्याय जुड़ गया। प्रधान पद के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सकुनत के सामने एक भी नामांकन दाखिल नहीं हुआ और उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। इसके साथ ही किशनगढ़ बास पंचायत समिति के इतिहास में पहली बार एक मुस्लिम महिला प्रधान की कुर्सी पर बैठी है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे मेवात में खुशी का माहौल है। निर्वाचन अधिकारी एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव ने नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद कांठोस प्रत्याशी सकुनत को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया । पंचायत समिति के 19 वार्डों में हुए चुनाव में कांठोस को 19 में से 10 वार्डों पर जीत हासिल हुई। भाजपा को 6, निर्दलीय दो और बसपा से एक प्रत्याशी को जीत मिली थी। स्पष्ट बहुमत होने पर प्रधान चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के सामने किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। कांठोस का बहुमत साफ था, इसलिए विपक्ष ने पर्चा ही नहीं भरा और सकुनत निर्विरोध प्रधान बन गईं। सकुनत पंचायत समिति के वार्ड 14 से सदस्य का चुनाव जीती हैं। 26 वर्षीय सकुनत बीएससी, एमएससी एठीकल्चर से हैं। पढी-लिखी, युवा और खेती-किसानी को समझने वाली प्रधान के रूप में क्षेत्र को उनसे काफी उम्मीदें हैं। सकुनत के पिता जमशेद दो बार क्षेत्र से सरपंच रहे हैं। पिता की सियासी विरासत और जनता के बीच पकड़ को सकुनत ने आगे बढ़ाया है। परिवार में सियासत नई नहीं है, लेकिन प्रधान की कुर्सी पर बैठना परिवार के लिए भी बड़ी उपलब्धि है। प्रधान पद पर निर्वाचित होने के बाद सकुनत सहित परिवारजनों एवं समर्थकों ने विधायक कार्यालय पर विधायक दीपचंद खेरिया व कांग्रेस पार्टी का आभार व्यक्त किया। इसके बाद विधायक दीपचंद खेरिया के साथ अलवर फूल बाग पहुंचकर जितेंद्र सिंह का गुलदस्ता भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। सकुनत के निर्विरोध प्रधान बनने की खबर फैलते ही समर्थकों में उत्साह छा गया। लोगों ने कहा कि युवा और शिक्षित प्रधान के आने से पंचायत समिति में विकास को नई गति मिलेगी।



एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव ने किशनगढ़ बास में प्रधान पद पर निर्वाचित सकुनत को प्रमाण पत्र सौंपा।

- मेवात में खुशी का माहौल
- 26 साल की एमएससी एग्रीकल्चर सकुनत कांठोस टिकट पर निर्विरोध चुनी गई, सामने नहीं आया एक भी नामांकन

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांकः4777 जाहिर आम-सूचना दिनांकः20.11.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में फ्लैट संख्या 8/SA/1107 (11-F) (EWS), (एरिया 11.550 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती अतरो देवी पत्नी श्री बत्तू राम को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 4379 दिनांक 13.06.2025 को जारी किया गया। श्रीमती अतरो देवी की मृत्यु दिनांक 20.10.2025 को हो जाने के कारण अपंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर इनके उत्तराधिकारी श्री ओम प्रकाश पचेरवाल पुत्र श्री लादू राम पचेरवाल द्वारा उक्त फ्लैट को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री ओम प्रकाश पचेरवाल पुत्र श्री लादू राम पचेरवाल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय, सम्पदा प्रबन्धक वृत-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
निम्नलिखित कार्य/कार्यो हेतु कार्यपालक इंजीनियर (कारखाना) लोको-अजमेर के कार्यालय से ई निविदा आमंत्रित की जा रही हैं। निविदा सं. : 07-वर्कशाप-अजमेर-2026-27 कार्य का नाम : अजमेर-रिनोवेशन ऑफ कैरिज ग्राउंड फॉर प्रोवाइडिंग फैसिलिटीज टू द स्पोर्ट्स रिलेटेड एक्टिविटीज फॉर स्टाफ ऑफ कैरिज वर्कशॉप। अनुमानित लागत : रु. 17942189.83 धरोहर राशि/बिड सिक्यूरिटी : रु. 358900.00 निविदा की अंतिम तिथी : 18.12.2026 को 15.00 बजे तक उपरोक्त ई निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी रेलवे की वैबसाइट www.ireps.gov.in पर तथा इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध हैं । 1685-DI/26
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

आम सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री संदीप सिंह (आयु 47 वर्ष, आधार नं. 8697386440 17) तथा श्रीमती सोनू (आयु 44 वर्ष, आधार नं. 511337890406),अपने पुत्र आर्यन पंवार (आयु 20 वर्ष, आधार नं. 429064422933) से उसके आचरण एवं हमारे कहने में न चलने के कारण असंतुष्ट हैं। अतः हम उसे अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल करते हैं। भविष्य में उसे हमारी किसी भी संपत्ति में कोई अधिकार, हिस्सा, दावा अथवा हित नहीं होगा। कोई भी व्यक्ति उसके नाम पर हमारी संपत्ति से संबंधित कोई कार्य करे तो वह अपने जोखिम एवं व्यय पर होगा।
मनोज कुमार सिंह (एडवोकेट)
राज. हाईकोर्ट जयपुर मो. 7742189421

नाम परिवर्तन
मैं मेरा नाम अनिता कुमारी से बदलकर अनिता कुमारी ढेवा पुत्री श्री शिश राम, निवासी दक्षिणी रोही, जमावय माता गेट, ढेवा धानी, पोसना, जिला झुंझुनू (राज) -333022 रख रही हूँ भविष्य में मुझे मेरे उक्त नये नाम से ही जाना जावे
मैंने अपने पुत्र का नाम ऋत्विज से बदलकर ऋत्विज मिठारवाल पुत्र ओम प्रकाश मिठारवाल रख लिया है। भविष्य में इसे इसी नाम से जाना जावें। पताः- ग्राम- पोस्ट खतेहपुरा, जिला- झुंझुनू (राज.)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 67/2026
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता ने पंजीकृत प्रन्यास सनातन भारत जागृति ट्रस्ट, 663 जयलाल मुंशी का रास्ता, हनुमान मंदिर के पास पहला चौराहा चांदपोल बाजार, जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 163/जयपुर/2024 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रपत्र-8 प्रस्तुत किया। प्रन्यास की मीटिंग दिनांक 21.06.2026 में लिये गये निर्णय के अनुसार श्री सुभाषचन्द सेन द्वारा त्याग पत्र देने तथा श्री मनोज कुमार सिंह, श्रीमती ललिता गुप्ता का नाम दर्ज अभिलेख में दर्ज करने हेतु प्रपत्र-8 में आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10.11.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 14.12.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय नगर परिषद, शाहपुरा, जयपुर (राज.)
Phone No. 01422-272066 Email Id. shahpura.jaipur@gmail.com
क्रमांक :- न.प.शा/2026-27/1812 आपत्ति आमंत्रण सूचना दिनांक-27/11/2026
सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियो द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन हेतु पट्टा एकीकरण हेतु आवेदन किया गया है। किसी को भी इस बाबत् आपत्ति हो तो 07 दिवस मे मय सबूत लिखित मे अधोहस्ताक्षरकर्ता को पेश करे। बाद अवधि विचार संभव नही होगा।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	स्थित भवन/भूमि का मौहल्ला रास्ता	खसरा नं.	कुल क्षेत्रफल (वर्गगज)	विशेष विवरण
1	श्री प्रभु दयाल, सरदार मल, हनुमान सहाय पुत्रान सेडुराम जाट, प्रहलाद सहाय चौधरी पुत्र श्री प्रभुदयाल चौधरी	एन.एच. 48 पलसानिया जयपुर पेराटाइज शाहपुरा	2222 (4016)	865.65 वर्गगज	पट्टा एकीकरण हेतु

आयुक्त, नगरपरिषद, शाहपुरा (जयपुर)

कृषि महाविद्यालय
(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर) खैमरी, बसेड़ी, धौलपुर 328027
क्रमांक :- प. ()/भण्डार/कृमब/2026/1142 दिनांक :- 25/11/2026
खुली निविदा सूचना
कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी के वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान शैक्षणिक भ्रमण के लिए बस की आवश्यकता हेतु संबंधित खुली निविदा प्रपत्र वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in and www.sknau.ac.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं देखा जा सकता है। पूर्ण रूप से भरी हुई निविदाए दिनांक 01.12.2026 समय दोपहर 12:00 बजे तक जमा करवायी जा सकती है, प्राप्त निविदाए दिनांक 01.12.2026 को दोपहर बाद 2.00 बजे टैण्डर समिति द्वारा खोली जावेगी। NIB CODE : SKN2627A0285, UBN : SKN2627SSOB00316
राज.संवाद/सी/26/13715 अधिष्ठाता

प्रपत्र संख्या 7 देखिए नियम 21
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त संबंधित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 309/2026
चूंकि श्री अजीत सिंह बापना, निवासी बापना हाउस, जे 91, 92, हीराबाग, रामसिंह रोड़, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास हीयरिंग इम्प्रेयर्ड रिहैबिलिटेशन असिस्टेंस फाउण्डेशन, फ्लेट नम्बर 901, द पार्क सेन्ट्रल, जे 91, 92, हीराबाग, सवाई रामसिंह रोड़, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 10/11/26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 13/1/27
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर प्रथम

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुतफरिक) वाद सं. 1/26
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थीगण के नाम व विवाद स्थान श्रीमती मीनू पत्नि स्व. श्री जय प्रकाश, आयु 46 वर्ष, निवासी-14ए, तिरुपति बालाजी नगर, जयपुर, सांगानेर, राजस्थान।
मृतक स्वर्गीय श्री जयप्रकाश पुत्र स्व. श्री हीरा लाल की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक 28/11/26
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम श्री जयप्रकाश पुत्र स्व. श्री हीरा लाल, निवासी-(पुराना वार्ड नं. 22) नया वार्ड नं. 31, सतवाली ढाणी, तहसील चाकसू, जयपुर, राजस्थान के नाम प्रार्थना पत्र में वर्णित बीमा राशि के बाबत उत्तराधिकारी स्वीकार कर उनके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रदान किया जावे।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 28.11.26 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 19.11.26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-शरिस्तेदार
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश
मोहर चाकसू, जयपुर महानगर प्रथम

भिवाड़ी इंटीग्रेटेड विकास प्राधिकरण
एच-5, भगत सिंह कॉलोनी, भिवाडी, अलवर
दूरभाषः 01493230819 ई-मेलःbida.bhiwadi@rajasthan.gov.in
क्रमांकः बीडा/आयोजना/2026/00235/4316/26 दिनांक : 27-11-26
सार्वजनिक विज्ञिप्त
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै0 इनसन इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड इवलपर्स प्रा0 लि0 जरिये निदेशक संजय यादव पुत्र श्री बलवन्त सिंह पता ग्रा

हाउसिंग बोर्ड के तीन संविदा कार्मिक 70 लाख के भूखंड की धोखाधड़ी में गिरफ्तार

आरोपियों ने कमीशन के लालच में रचा था फर्जी पट्टा-लीज डीड बनाने का षड्यंत्र

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जवाहर सर्किल पुलिस ने राजस्थान आवासन मंडल (हाउसिंग बोर्ड) के तीन संविदा कार्मिकों को भूखंड की धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेचान करने के षड्यंत्र में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कंप्यूटर ऑपरेटर, पीओन और गार्ड शामिल हैं। पुलिस के अनुसार तीनों ने कमीशन के लालच में करीब 70 लाख रुपये मूल्य के भूखंड का फर्जी पट्टा और लीज डीड तैयार करवाने की साजिश में भूमिका निभाई।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रवीण उज्जैनिया (32), अशोक कुमार बैरवा (43) और विकास कुमार (30) के रूप में हुई है। तीनों हाउसिंग बोर्ड के मालवीय नगर स्थित कार्यालय में संविदा पर कार्यरत थे। गिरफ्तार प्रवीण उज्जैनिया हाउसिंग बोर्ड कार्यालय में संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर, अशोक कुमार बैरवा संविदा पीओन और विकास कुमार संविदा गार्ड के पद पर कार्यरत था। प्रवीण जयपुर के करतारपुरा स्थित टैगोर नगर, अशोक झालाना डूंगरी की जेडीए कॉलोनी और विकास झुंझुनूं जिले की खेतड़ी तहसील के हरडिया गांव का निवासी है।



जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने हाउसिंग बोर्ड के तीन संविदा कार्मिकों को भूखंड की धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज बनाने के मामले में गिरफ्तार किया।

जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चन्द्र के अनुसार,परिवादी नरेन्द्र कुमार गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि राजस्थान आवासन मंडल ने उन्हें आवासीय भूखंड संख्या 5/73 आवंटित किया था। उन्होंने भूखंड की निर्धारित राशि नियमित रूप से और एकमुश्त जमा कराई थी। आरोप है कि इसके बावजूद उनके जाली हस्ताक्षर और पुरानी फोटो का दुरुपयोग कर फर्जी इकरारनामा, मुख्त्यारनामा और वसीयतनामा तैयार किए गए।

- **पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से षड्यंत्र में शामिल अन्य लोगों और धोखाधड़ी से जुड़े तथ्यों के संबंध में पूछताछ कर रही है।**

इसके बाद झूठे गवाहों और मंडल के कर्मचारियों की मिलीभगत से भूखंड का नियमितीकरण करवाकर फर्जी पट्टा और लीज डीड अपने नाम कराई गई तथा भूखंड का बेचान कर दिया गया। इस संबंध में 13 मई 2026 को जवाहर सर्किल थाने में प्रकरण दर्ज किया गया था।

इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए गोपाल लाल मीणा और विक्रम सिंह से पूछताछ के दौरान तीनों संविदा कार्मिकों की भूमिका सामने आई। इसके बाद पुलिस ने साक्ष्यों और आसूचना के आधार पर तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। संलिप्तता प्रमाणित होने पर उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से षड्यंत्र में शामिल अन्य लोगों और धोखाधड़ी से जुड़े तथ्यों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

'शहर की आवासीय कॉलोनियों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों की जांच होगी'

- **सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानी के निगमों व नगरपालिकाओं को अपने-अपने क्षेत्र में व्यापक जांच के निर्देश दिए हैं।**
- **इस आदेश के मुताबिक नगर निगम आयुक्त को अपने क्षेत्राधिकार में आवासीय भूखंडों के व्यावसायिक उपयोग की पड़ताल करानी होगी**

जयपुर । आवासीय कॉलोनियों में व्यावसायिक गतिविधियों के बढ़ते चलन और बिना स्वीकृति निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। न्यायालय ने देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानी के नगर निगमों और नगरपालिकाओं को अपने-अपने क्षेत्र में व्यापक जांच करने के निर्देश दिए हैं। इस आदेश के मद्देनजर जयपुर नगर निगम को भी अपने क्षेत्राधिकार में यह पता लगाना होगा कि आवासीय उपयोग के लिए निर्धारित क्षेत्रों में कहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि संबंधित नगर निगम और नगरपालिकाएं ऐसे मामलों की विस्तृत सूची तैयार करें और आयुक्तों की ओर से व्यक्तिगत रूप से सत्यापित शपथपत्र के माध्यम से न्यायालय में प्रस्तुत करें। जांच का दायरा केवल मुख्य आवासीय कॉलोनियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें ग्रुप हाउसिंग सोसायटियां, विकसित और विकासाधीन क्षेत्र तथा निगम या नगरपालिका क्षेत्र से घिरे ऐसे हिस्से भी शामिल होंगे, जो तकनीकी रूप से उनकी सीमा से बाहर बताए जाते हैं।

जयपुर में इस विषय के साथ जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की भूमिका भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि शहर के विकास, भू-उपयोग और भवन नियमन से जुड़े मामलों में उसका क्षेत्राधिकार है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के 23 नवंबर के आदेश में जेडीए का नाम अलग से नहीं लिया गया है और न ही उसे इस आदेश के तहत सीधे पक्षकार बनाया गया है। आदेश में राजधानी के नगर निगमों और नगरपालिकाओं को निर्देश दिए गए हैं।

न्यायालय ने कहा कि आवासीय कॉलोनियों में मकान और भूखंडों का अनधिकृत व्यावसायिक उपयोग कानून और जनहित के विपरीत है। इससे वहां रहने वाले लोगों को असुविधा होती है और पर्यावरण तथा नागरिक सुविधाओं पर भी गंभीर असर पड़ता है। कोर्ट ने भवन निर्माण उपनियमों और भू-उपयोग नियमों के खुले उल्लंघन पर चिंता जताते हुए कहा कि कई बार निर्माण पूरा होने के बाद अधिकारियों को उल्लंघन का पता चलता है। बिना स्वीकृत नक्शे के निर्माण होने और बाद में कार्रवाई किए जाने की स्थिति नगर निकायों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने नगर निकायों की जिम्मेदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि 74वें संविधान संशोधन के तहत शहरी नियोजन, भूमि उपयोग का नियमन और भवन निर्माण नियंत्रण उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में शामिल हैं। न्यायालय ने राज्य सरकारों से भी सुझाव मांगे हैं।

संबंधित नगर निगमों को राज्य के शहरी विकास विभाग के सचिव अथवा नगर निगम आयुक्त के साथ समन्वय करना होगा, ताकि राज्य सरकार की ओर से आवश्यक शपथपत्र प्रस्तुत किया जा सके। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 6 जनवरी 2027 को दोपहर 2 बजे तय की है।

देश-विदेश के वैज्ञानिक सिपेट जयपुर में जुटेंगे

जयपुर । केंद्रीय पेट्रो रसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) जयपुर की ओर से 28 से 30 नवंबर तक 17वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "एपीएम-2026" का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन का मुख्य विषय 'विकसित भारत-2047 के लिए उन्नत पेट्रोरसायन सामग्री, सुरक्षा एवं सतत विकास' रखा गया है। इसमें देश-विदेश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, शिक्षाविद और उद्योग विशेषज्ञ हिस्सा लेकर पेट्रोरसायन तकनीक, औद्योगिक सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करेंगे। सिपेट के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) शिशिर सिन्हा ने बताया कि सम्मेलन में पद्म विभूषण से सम्मानित प्रो. एम.एम. शर्मा, पद्म भूषण एवं पद्मश्री सम्मानित डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, पद्मश्री प्रो. गणपति डी. यादव और प्रो. आशुतोष शर्मा सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होंगी। सम्मेलन के दौरान शोध पत्र और पोस्टर प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। इनमें उन्नत पॉलिमर सामग्री, औद्योगिक सुरक्षा, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, पुनर्चक्रण और पर्यावरण अनुकूल तकनीकों जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इस कार्यक्रम के तहत नए उद्यमों की बैठक, विद्यार्थी नवाचार प्रतियोगिता और युवा भारत नवाचार प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं व उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को विचार और तकनीकी नवाचार साझा करने का अवसर मिलेगा।

भूखंडों पर अवैध कब्जा करने वाला इनामी भूमाफिया दबोचा

जयपुर । जामडोली थाना पुलिस ने भूखंडों पर अवैध कब्जे और विवादित भूमि से जुड़े पांच मामलों में वांछित दस हजार रुपए के इनामी भूमाफिया अजीत सिंह उर्फ जीतू को गिरफ्तार किया है। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए करीब एक साल से अपने ठिकाने बदल-बदलकर फरारी काट रहा था।

जामडोली थानाधिकारी रतन सिंह कविया के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अजीत सिंह उर्फ जीतू (33) निवासी बस्सी जयपुर है। उसके खिलाफ जामडोली थाने में सुमेल रोड स्थित महेश विहार कॉलोनी में भूखंडों पर अवैध कब्जे के संबंध में पांच प्रकरण दर्ज हैं। इन मामलों में वांछित होने के चलते पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व की ओर से उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार महेश विहार कॉलोनी के नाम से सृजित कॉलोनी की करीब 1500 वर्गगज विवादित भूमि की जानकारी होने के बावजूद आरोपी ने अपने लाभ के लिए इसे दूसरे व्यक्ति से क्रय किया था। इस संबंध में जामडोली थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ अभियोग में जुर्म प्रमाणित पाए जाने पर उसे गिरफ्तार किया गया है।



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जनसुनवाई की

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज सिविल लाइंस स्थित आवास पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग अपनी विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे और उपमुख्यमंत्री को अपनी पीड़ा से अवगत कराया। इस दौरान लोगों ने सड़क, पानी, बिजली, अतिक्रमण सहित विभिन्न जनसमस्याओं को उपमुख्यमंत्री के सामने रखा। दिया कुमारी ने प्रत्येक परिवादी की समस्या को गंभीरता से सुना और मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आमजन की शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए उनका जल्द निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सार-समाचार

पशुपालन कार्मिकों को हर सप्ताह एक घंटे का ऑनलाइन प्रशिक्षण अनिवार्य

जयपुर । पशुपालन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से निदेशालय के सभागार में शुक्रवार को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीना ने की। डॉ. सुरेश चंद मीना ने कहा कि प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और सुगम बनाने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का निरंतर कौशल विकास आवश्यक है। आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल सरकारी कार्मिकों को कार्य आवश्यकताओं के अनुरूप ज्ञान और कौशल अर्जित करने का प्रभावी मंच उपलब्ध करा रहा है। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर प्राप्त ज्ञान का उपयोग कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने में करना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने अधीनस्थ स्टाफ का पोर्टल पर शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने और नियमित रूप से पाठ्यक्रम पूरा करवाने के निर्देश दिए, ताकि विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़े। प्रशिक्षण की नियमित मॉनिटरिंग के लिए भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। प्रशिक्षण में राज्य के सभी जिलों से आए जिला स्तरीय अधिकारियों और संभाग स्तर के अतिरिक्त निदेशकों (क्षेत्र) ने भाग लिया। मास्टर ट्रेनर डॉ. लल्लू राम मीना एवं डॉ. भवानी सिंह ने प्रतिभागियों को पोर्टल के उपयोग, पंजीकरण और ऑनलाइन प्रशिक्षण की प्रक्रिया समझाई। सत्र में सीसीए नियम, कार्यालय प्रबंधन और प्रशासनिक कार्यप्रणाली से संबंधित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई।

220 किलो वजन वाली महिला की सर्जरी

जयपुर (कासं)। सोनीपत निवासी 220 किलो वजन की महिला बेबी रानी की जयपुर के एपेक्स हॉस्पिटल में सफल बेरियाट्रिक सर्जरी की गई। अत्यधिक वजन के कारण उन्हें चलने-फिरने, सांस लेने और रोजमर्रा के काम करने में काफी परेशानी हो रही थी। परिजन उन्हें उपचार के लिए जयपुर लेकर पहुंचे, जहां रोबोटिक एवं बेरियाट्रिक सर्जन डॉ. रजनीश ने उनकी लेप्रोस्कोपिक बेरियाट्रिक सर्जरी की। करीब ढाई घंटे चली सर्जरी के बाद महिला की स्थिति में सुधार हुआ और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। डॉ. रजनीश ने बताया कि दूरबीन तकनीक से की गई इस सर्जरी में पेट का आकार अंदर से छोटा किया जाता है। इससे मरीज को कम भोजन करने पर भी पेट भरा हुआ महसूस होता है और धीरे-धीरे वजन कम होने लगता है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 35 से अधिक है और वे मधुमेह से पीड़ित हैं, उनके लिए बेरियाट्रिक सर्जरी लाभकारी हो सकती है। इससे वजन कम करने के साथ मधुमेह और सांस संबंधी परेशानियों में भी सुधार हो सकता है। उन्होंने बताया कि सर्जरी के बाद शुरुआती 15 दिनों तक मरीज को तरल आहार दिया जाता है। इसके बाद धीरे-धीरे सामान्य भोजन शुरू कराया जाता है। सर्जरी के बाद पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए विटामिन लेने की आवश्यकता होती है। चिकित्सकों के अनुसार, निर्धारित खानपान और नियमित फॉलोअप से मरीज धीरे-धीरे सामान्य दिनचर्या में लौट सकता है। बेबी रानी और उनके परिजनों ने सफल सर्जरी के लिए एपेक्स हॉस्पिटल के चिकित्सकों और पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

ई-चालान के नाम पर 1.57 लाख रु. ठगे

जयपुर । राजधानी जयपुर में ट्रैफिक पुलिस के ई-चालान के नाम पर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने मोबाइल पर फर्जी ई-चालान का संदेश भेजकर एक व्यक्ति के बैंक खाते से करीब 1.57 लाख रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने चालान की जानकारी लेने के लिए संदेश में दिए गए लिंक पर क्लिक किया था। इसके बाद मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड हो गई और साइबर ठगों ने मोबाइल को हैक कर बैंक खाते में सेंध लगा दी। मामले में एयरपोर्ट थाना पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि जगतपुरा के पुरुषार्थ नगर-सी निवासी दीपक माहेश्वरी (46) ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़ित के अनुसार, 22 नवंबर को उनके मोबाइल पर ट्रैफिक पुलिस की ओर से ई-चालान भेजे जाने का टैक्स्ट संदेश (एसएमएस) आया था। संदेश में चालान की जानकारी प्राप्त करने के लिए एक लिंक दिया गया था। ई-चालान कटने के संबंध में जानकारी लेने के लिए दीपक ने संदेश में दिए गए लिंक पर क्लिक किया। लिंक खोलते ही उनके मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड हो गई। इसके बाद साइबर ठगों ने मोबाइल हैक कर बैंक खाते से करीब 1.57 लाख रुपए निकाल लिए। कुछ देर बाद बैंक खाते से रकम निकाले जाने का संदेश मोबाइल पर आने पर उन्हें ठगी का पता चला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार साइबर ठगों ने ट्रैफिक पुलिस के नाम का इस्तेमाल कर फर्जी ई-चालान लिंक भेजा और उसके जरिए मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित की शिकायत पर एयरपोर्ट थाना पुलिस ने आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस साइबर ठगी के तरीके और आरोपियों के संबंध में जांच कर रही है।

उत्कृष्ट सेवाओं पर सम्मानित होंगे जवान

जयपुर । राजस्थान पुलिसकर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा एवं सराहनीय कार्यों के लिए मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक एवं डीजीपी डिस्क प्रशस्ति रोल से सम्मानित किया जाएगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध शाखा) बिपिन पांडेय द्वारा जारी आदेश के अनुसार मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक के लिए शान्तनु कुमार सिंह (उप महानिरीक्षक पुलिस) का चयन किया गया है। इसी प्रकार डीजीपी डिस्क प्रशस्ति रोल के लिए पांच पुलिसकर्मियों का चयन किया गया है। इनमें सहायक निदेशक अभियोजन भंवर कुलदीप राठौड, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अदिति कांवत, पुलिस उप अधीक्षक निसार खान, उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार शर्मा एवं हेड कांस्टेबल शाहिद अली शामिल हैं। इन्हें 14 दिसंबर को सुबह 11 बजे पुलिस मुख्यालय में सम्मानित किया जाएगा।

व्हाट्सऐप अकाउंट बैन करने पर हाईकोर्ट नाराज

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने "व्हाट्सऐप अकाउंट" बैन करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायालय ने कहा कि किसी भी अकाउंट को बंद करने के आदेश में स्पष्ट कारण बताना आवश्यक है। बिना यह बताए कि सेवा की किन शर्तों का उल्लंघन हुआ है, अकाउंट पर प्रतिबंध लगाना अस्पष्ट और गैर-पारदर्शी कार्रवाई है।

न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने करौली निवासी सौरभ कुमार खंडेलवाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। याचिकाकर्ता का व्हाट्सऐप अकाउंट 10 अक्टूबर 2026 को प्रतिबंधित कर दिया गया था। अधिवक्ता आदर्श सिंघल ने पक्ष रखते हुए कहा कि अकाउंट बंद करने से पहले कोई कारण बताओ नोटिस नहीं दिया गया और शिकायत करने के बावजूद डेढ़ महीने तक कोई समाधान नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान व्हाट्सऐप की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक रेड्डी ने दलील दी कि याचिकाकर्ता पर गंभीर धोखाधड़ी और सेवा शर्तों के उल्लंघन के आरोप हैं। न्यायालय ने व्हाट्सऐप के 10 अक्टूबर के आदेश का अवलोकन किया, जिसमें केवल इतना कहा गया था कि हालिया अकाउंट गतिविधियां सेवा की शर्तों के अनुरूप नहीं हैं और समीक्षा का अनुरोध उपलब्ध नहीं है। कोर्ट ने कहा कि आदेश में न तो उल्लंघन की प्रकृति बताई गई और न ही कोई ठोस कारण दर्ज किया गया। ऐसे अस्पष्ट आदेश के खिलाफ अपील का विकल्प भी प्रभावी नहीं रह जाता। पीठ ने केंद्र सरकार को सात दिन के भीतर जवाब पेश करने तथा व्हाट्सऐप अकाउंट प्रतिबंधित करने के निर्णय की प्रक्रिया से संबंधित रिकॉर्ड न्यायालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ऋषभ खंडेलवाल ने पैरवी की।

साइबर सुरक्षा हैकाथॉन आज से

जयपुर । साइबर अपराधियों के नए-नए तरीकों पर अंकुश लगाने और पुलिस जांच को तकनीक से अधिक प्रभावी बनाने के लिए राजस्थान पुलिस और राजस्थान साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर (आर4सी) की ओर से साइबर सिक्योरिटी हैकाथॉन-2026 आयोजित किया जाएगा। राजस्थान पुलिस अकादमी में 28 और 29 नवंबर को होने वाले इस हैकाथॉन में देशभर से चयनित 37 टीमें 24 घंटे लगातार काम कर साइबर अपराधों से निपटने के लिए तकनीकी समाधान और डिजिटल टूल विकसित करेंगी। हैकाथॉन का उद्घाटन 28 नवंबर को सुबह 10 बजे पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा और अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत करेंगे। समापन समारोह 29 नवंबर को शाम 4 बजे होगा, जिसमें मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर क्राइम) वी.के. सिंह ने इस बारे में जानकारी दी।

"धरती आबा" अभियान में पूरे देश में अव्वल बना राजस्थान

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "वंचितों को वरीयता" के विजन को साकार करने के लिए शुरू किए गए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के क्रियान्वयन में राजस्थान ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में मिशन मोड पर चल रहे अभियान के तहत प्रदेश के 37 जिलों के 208 ब्लॉकों के 6 हजार 19 गांवों में जनजातीय विकास को गति दी जा रही है।

अभियान के तहत आश्रम छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों के निर्माण, उन्नयन एवं सुधार के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2026-27 तक 335 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी की गई हैं। इनमें 277 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं। भारत सरकार से 177 करोड़ रुपये से अधिक की मूल स्वीकृति भी मिल चुकी है।

- **6019 गांवों में विकास कार्यों को गति, 335 करोड़ रु. के कार्यों को प्रशासनिक मंजूरी**

उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, बारां और सिरोही में छह जनजातीय बहुउद्देशीय विपणन केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से जनजातीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़कर आय एवं आजीविका के अवसर बढ़ाए जाएंगे।

आदि कर्मयोगी अभियान के प्रथम चरण में 26 जिलों के 5 हजार 978 गांवों को शामिल किया गया। इसके तहत 162 जिला मास्टर ट्रेनर्स, 1 हजार 82 ब्लॉक मास्टर ट्रेनर्स और 1 लाख 16 हजार 670 ग्राम स्तरीय आदि कर्मयोगियों एवं आदि सहयोगियों को प्रशिक्षण दिया गया है। इस राष्ट्रीय अभियान में 17 मंत्रालयों की 25 गतिविधियां शामिल हैं। मार्च 2029 तक संचालित होने वाले अभियान में 26 राज्यों और चार केंद्रशासित प्रदेशों के 2 हजार 911 ब्लॉकों के 63 हजार 843 जनजातीय गांवों को लक्षित किया गया है। इसके माध्यम से लगभग पांच करोड़ जनजातीय लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी सुविधाओं और आजीविका के अवसरों से लाभान्वित करने का लक्ष्य है।

'भारतीय परंपराओं में समकालीन समस्याओं के समाधान की अंतर्दृष्टि'

राजस्थान विवि. में भारतीय दार्शनिक कांग्रेस के 101वें सत्र का उद्घाटन

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय में शुक्रवार को भारतीय दार्शनिक कांग्रेस के 101वें सत्र का समारोहपूर्वक उद्घाटन हुआ। इस वर्ष अधिवेशन का केंद्रीय विषय सतत विकास तथा भारतीय संस्कृति का मूलस्वर रखा गया है। उद्घाटन सत्र में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत प्रो. निर्माल्य नारायण चक्रवर्ती मुख्य अतिथि तथा जापान के टोक्यो विश्वविद्यालय के प्रो. नोबोरु नोटोमी सारस्वत अतिथि रहे।

अधिवेशन के अध्यक्ष एवं उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के प्रो. रघुनाथ घोष ने दर्शन की प्रासंगिकता पर व्याख्यान देते हुए भारतीय दर्शन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने शास्त्र परंपरा से प्रमाण प्रस्तुत करते हुए सतत विकास के प्रमुख तत्वों को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि समकालीन समस्याओं के समाधान के लिए भारतीय परंपरा में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि निहित है। भारतीय दार्शनिक कांग्रेस के महासचिव प्रो. पत्तीरसेल्वम ने विषय प्रवर्तन किया। विभागाध्यक्ष एवं आयोजन सचिव डॉ. अनुभव वार्ष्णेय ने स्वागत भाषण देते हुए जयपुर और राजस्थान की दार्शनिक परंपरा पर प्रकाश डाला।



राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए भारतीय संस्कृति के शाश्वत तत्वों और उपजीव्यत्व पर विचार रखे। उन्होंने विश्वविद्यालय के अनेक प्रोफेसर दार्शनिकों के कृतित्व का उल्लेख करते हुए भारतीय संस्कृति के लिए भारतीय दर्शन के महत्व को बताया।

टोक्यो विश्वविद्यालय के प्रो. नोबोरु नोटोमी ने विश्व दर्शन और जापान के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डालते हुए सतत विकास में बौद्ध दर्शन की भूमिका स्पष्ट की। उन्होंने वर्ष 2028 में होने वाली विश्व दर्शन कांग्रेस के उद्देश्यों और रूपरेखा की जानकारी भी दी। मुख्य अतिथि प्रो. निर्माल्य नारायण चक्रवर्ती ने दर्शनशास्त्र की प्रविधि पर विचार रखे।

- **चार दिन में 20 से अधिक सत्रों में 500 से ज्यादा शोधपत्रों का वाचन होगा**

अधिवेशन के प्रथम दिन अमेरिका के हवाई विश्वविद्यालय के प्रो. अरिंदम चक्रवर्ती, भारतीय दार्शनिक कांग्रेस के अध्यक्ष प्रो. एसके सिंह, इस्त्राइल विश्वविद्यालय के प्रो. डैनियल रावेह, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. बालगणपति, सागर विश्वविद्यालय के प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, दार्जिलिंग के प्रो. लक्ष्मीकांत पाढ़ी, कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रो. दिलीपकुमार महंत, केरल विश्वविद्यालय की प्रो. श्रीकला नायर, नेहु शिलांग विश्वविद्यालय के प्रो. माओ, चेन्नई के संत दार्शनिक स्वामी श्रीहरिप्रसाद, संस्कृत विश्वविद्यालय के शास्त्री कोसलेन्द्र दास और डॉ. देवेंद्र शर्मा सहित कई विद्वान शामिल हुए। अधिवेशन के आगामी तीन दिनों में 20 से अधिक सत्र आयोजित होंगे, जिनमें 500 से अधिक शोधपत्रों का वाचन किया जाएगा।

निगम में दो उपायुक्तों पुनः उसी कुर्सी पर लगाए

जयपुर (कासं)। जयपुर नगर निगम में बुधवार को जिन 11 वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला किया गया था, उनमें से दो अधिकारियों को पुनः उन्हीं विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें मोनिका सोनी को उपायुक्त उद्यान और करणी सिंह को पशु प्रबंधन शाखा का उपायुक्त लगाया गया है। आदेश में 2 अफसरों के जोन बदले गए हैं, जबकि सिविल लाइंस जोन उपायुक्त को इसी जोन में राजस्व अधिकारी बनाया गया है।

संशोधित आदेश के तहत मनोहर लाल जाट को झोटवाड़ा और वैशाली नगर जोन, निहारिका शर्मा को सिविल लाइंस जोन, गीता करनानी को किशनपोल जोन और सीमा शर्मा को हवामहल-आमेर जोन का उपायुक्त बनाया गया है। दुर्गा कुमारी को उपायुक्त मुख्यालय और संतलाल मक्कड़ को उपायुक्त एनयूएलएम और कच्ची बस्ती का कार्य सौंपा गया है।

सिविल लाइंस जोन के उपायुक्त रहे सुनील बैरवा को इसी जोन में राजस्व अधिकारी बनाया गया है। जबकि विद्या सैन को झालाना और जगतपुरा जोन का राजस्व अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जयपुर में "विटामिन-ए" अभियान 30 नवंबर से

जयपुर । बच्चों में विटामिन-ए की कमी से होने वाले कुपोषण, रतौंधी और आंखों से संबंधित समस्याओं की रोकथाम के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से विटामिन-ए अभियान का 51वां चरण 30 नवंबर से 30 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत जयपुर जिले में 9 माह से 5 वर्ष तक की आयु के 6 लाख 19 हजार 20 पात्र बच्चों को विटामिन-ए सिरप पिलाई जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत और कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. सुरेन्द्र गोयल ने बताया कि विटामिन-ए बच्चों के शारीरिक विकास, आंखों के स्वास्थ्य और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी कमी से बच्चों में रतौंधी सहित कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार की ओर से प्रतिवर्ष विटामिन-ए अनुपूरण कार्यक्रम के दो चरण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 9 से 12 माह तक की आयु के बच्चों को आधी चम्मच यानी 1 एमएल तथा 1 वर्ष से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को एक चम्मच यानी 2 एमएल विटामिन-ए सिरप पिलाई जाएगी। यह खुराक निर्धारित छह माह के अंतराल पर दी जाती है। अभियान के दौरान बच्चों के नियमित टीकाकरण की स्थिति की भी जांच की जाएगी। निर्धारित टीकों से वंचित बच्चों को आवश्यक टीकाकरण सेवाओं से जोड़ा जाएगा।

- **जिले में 6.19 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी खुराक**

उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) जयपुर प्रथम डॉ. धर्मेन्द्र कराड़िया और जयपुर द्वितीय डॉ. सौरभ आर्य ने बताया कि अभियान की सफलता के लिए ब्लॉक स्तर पर चिकित्सा संस्थान प्रभारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ), एएनएम, आशा सहयोगिनियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित किया जाएगा।

ARBiT
it happens here...



It is National French Toast Day!

One amazing blend of foods is perfectly able to make a morning fantastic, and it's a blending of eggs, milk, and cinnamon with bread dipped in. There's something about the savory-sweet smell of it, and the anticipation of having it painted with butter and drizzled with syrup, with a side of breakfast sausage or bacon and a tall glass of orange juice. The promise of this deliciousness will help to get a person out of bed on even the worst of days. National French Toast Day is one that honours this amazing breakfast delight and encourages everyone to enjoy it for breakfast (or lunch, or even dinner!) either alone or with a few friends or family members.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
28 November 2026
A-B





A Piece Of Collectible Art



Vikram Joshi
Textile Technologist & Historian

The building was pulled down/demolished by its previous owners. Instead of letting the material disappear with the building, he turned it into something new. The wood he salvaged carried memories of the past in scratches, stains, and variations that, according to him, were not imperfections but part of the history.

When I first met Diwik Singh Chhalani at a party at 'Vanasharaya,' it wasn't the speakers he makes that caught my attention, but the story behind them. Diwik doesn't talk about speakers as objects; he talks as if they are friends. Here was someone who connected the two worlds: he took the idea of old, charming vintage radios from a forgotten era to rebuild a speaker using the latest modern sound technology, which he imports from the most advanced sound machine company. This immediately intrigued me as I have spent much of my working life with local artisans, reviving old, forgotten traditional technologies. One thing I have learnt is that the most innovative ideas begin with curiosity: looking at an old forgotten object of no use or some disappearing skill and asking a simple question: what if?

This is probably how Diwik discovered an old grandfather's radio lying somewhere forgotten and non-functional. He tried repairing it but couldn't find the components and, most importantly, someone who could fix it. The easiest way to bring it back to life was to replace the old technology of Valves and analogue components with Bluetooth technology and modern speakers compatible with newer technology, and it worked. This not only played the music but also hit the cord. He just started picking up old radios from random sources and replacing the inner circuits with locally available Bluetooth speakers until he ran short of radios, but not of ideas.

This is where he sought the help of local talented artisans and technicians to start building his signature-styled speakers. He was fortunate enough to find a carpenter, Manoj Suttar and Mainuddin, who became his trusted team and understood the passion and devotion required to take this project forward.

Bikaner is full of artisans, old havelis and mansions, which nurtured Diwik's creative sensibility. He started sourcing old wood because he thought his speakers could sense more by using recycled wood. He found a large amount of old wood from an old mansion called 'Kastur Niwas,' which stood opposite his childhood home.



#BY PARTS



It isn't a factory where you can see thousands of identical speakers, but a piece of collectible art for a customer who is a conventional music lover. This is why Diwik takes one year to deliver the speakers to his/her customers, with whom he builds a bond that stays tuned for years.

This building was pulled down/demolished by its previous owners. Instead of letting the material disappear with the building, he turned it into something new. The wood he salvaged carried memories of the past in scratches, stains, and variations that, according to him, were not imperfections but part of the history. The same philosophy extends to the people who work with him. The making of a Diwiks speaker involves craftsmen whose knowledge has been acquired through generations of working with wood and traditional techniques.

Diwik's work opens up other possibilities where the technology can remain invisible, allowing the skills and the human touch of the craftsmen to remain visible. Diwik's speakers, called 'Diwiks,' may carry the most sophisticated modern technology circuits and speakers, but the outer body consists of the warmth of human touch. This is why each speaker is custom-made, allowing customers to decide the material, colour, proportions, finish, and most importantly, a special space for the speaker in their home.



It isn't a factory where you can see thousands of identical speakers, but a piece of collectible art for a customer who is a conventional music lover. This is why Diwik takes one year to deliver the speakers to his/her customers, with whom he builds a bond that stays tuned for years. He is interested in making speakers that his customers live with for a long time in an era where the old is usually replaced when it becomes outdated. Diwik seems to be working in the opposite direction; his speakers take the prime spot in the room, become part of the house, and eventually, a very important part of the family story.

This is what Diwik Speaks

The shift from restoring radios to designing our own sound systems gave me the freedom to think about the speaker as a whole, rather than just the electronics inside it. We use Norwegian coaxial drivers, custom made for us, with carefully matched amplification and hand assembled crossovers using high quality components, including air core inductors and carefully selected capacitors and resistors. The enclosure is equally important. Its volume, internal bracing and port geometry are worked out in relation to the drivers because even the finest components cannot compensate for a cabinet that has not been properly designed.

For me, this is where the engineering becomes interesting. The crossover, the enclosure and the materials all influence one another, and the final sound comes from getting those relationships right.

At Diwiks, I want to bring the best of these elements together without making the technology the centre of attention. The components matter enormously, but I see them as part of the design process rather than features to be displayed. The real achievement is when all that technical thought disappears into the finished object, leaving you with something that is as considered in its form as it is in its sound.

rajeshsharma1049@gmail.com





#RISHAB RIKHIRAM SHARMA

The Hidden Meaning Behind the Rhythmic Syllables

The origins of tarana are traditionally associated with Amir Khusro, the celebrated thirteenth-century poet, musician and Sufi mystic who lived from 1253 to 1325

Some music speaks through words. Other music reaches us through rhythm, repetition and sound. In Chanakya, sitarist and composer Rishab Rikhiram Sharma explores the powerful relationship between Indian classical music, rhythmic vocalisation and spiritual expression.

The track opens with an intense, rhythmic vocal chant. Rapid syllables rise and fall over the music, creating a sound that feels almost like a language of its own. To a listener unfamiliar with Indian classical traditions, these sounds might appear to be meaningless phrases. But rhythmic syllables have a long and fascinating history in Indian music, where sound itself can become an instrument of expression.

One musical form that helps explain this tradition is the tarana.

What Is a Tarana?

A tarana is a form of Hindustani classical vocal composition that uses rhythmic syllables instead of conventional lyrical sentences. Rather than telling a story through ordinary words, a singer performs combinations of sounds such as tanana, dare, tadeem and yalali, arranging them into intricate rhythmic patterns.

These syllables are not necessarily intended to communicate a literal sentence. Their beauty lies in how they interact with melody, rhythm and musical phrasing. The voice becomes almost like a percussion instrument, producing patterns that complement the tabla and other instruments.

This is one reason tarana can sound so mesmerising. The listener does not need to understand a language to experience the energy, precision and emotion of the performance. Indian film music has also drawn on tarana-like vocal patterns and classical rhythmic syllables. Songs such as *Ghar More Pardesiya* demonstrate how classical vocal techniques can be incorporated into contemporary cinematic arrangements, although the song itself is not simply a traditional tarana.

Amir Khusro and the Birth of Tarana

The origins of tarana are traditionally associated with Amir Khusro, the celebrated thirteenth-century poet, musician and Sufi mystic who lived from 1253 to 1325.

One popular historical account tells of Khusro listening to the celebrated musician Nayak Gopal perform complex compositions at a royal court. Unable to understand the language of the original performance, Khusro supposedly reproduced its musical patterns using rhythmic syllables of his own. This story is often told as an explanation for the emergence of tarana, although historians caution that the details are disputed.

Whether or not the story happened exactly as tradition describes, it captures something essential about this musical form: music can communicate beyond the boundaries of language.



A listener may not understand the words, but can still feel the movement of a melody, the excitement of a rhythm and the emotional intensity of a voice. Khusro is also remembered for bringing Persian and Indian cultural influences into conversation. His legacy is deeply connected with the development of Indo-Persian poetry and Sufi musical traditions, even though the precise origins of individual musical forms remain debated.

Ustad Amir Khan: Looking for Meaning in the Syllables

The story takes another fascinating turn with Ustad Amir Khan (1912-1974), one of the most influential vocalists in Hindustani classical music. Khan devoted considerable attention to tarana and advanced the idea that at least some of its apparently nonsensical syllables might preserve words or phrases derived from Arabic and Persian, with possible spiritual meanings. His interpretations gave listeners another way to approach the form: not merely as rhythmic virtuosity, but as a potential expression of devotion. In interpretations associated with Ustad Amir Khan, certain syllables are given meanings such as these:

"O Dani" - interpreted as a reference to the one who knows.

"Tu Dani" - interpreted as "You know."

"Yala" - associated with "Ya Allah."

"Yali" - associated with "Ya Ali."

"Tanan Dar Aa" - interpreted in this tradition as "Enter my body."

These translations are not universally accepted linguistic explanations for every tarana syllable. Many syllables function primarily as rhythmic sounds, and researchers disagree about how many can reliably be traced to Persian or Arabic words. Nevertheless, Khan's interpretations offer a compelling spiritual reading of the form. Under this interpretation, the voice becomes a form of prayer. The performer is not simply arranging sounds to entertain an audience; the sounds can be understood as expressing surrender, longing and a desire for union with the divine.



"Come Inside My Body and Make Me Yours"

Consider the interpretation of Tanan Dar Aa as an invitation to enter the body. Read through a Sufi spiritual lens, this can suggest something far deeper than a physical request. It evokes the longing of a seeker who wishes to dissolve the boundaries between the self and the divine. The body becomes a vessel. The heart becomes a place of devotion. Music becomes the means through which the individual reaches towards something greater than the individual self.

In this reading, repeated syllables such as dheem, ta, dare and tana are not necessarily a literal sentence with a single agreed translation. Instead, their repetition and musical intensity can reinforce the feeling of spiritual longing. The idea is beautiful: sometimes, a person cannot fully express devotion through ordinary language. Rhythm, breath and melody can communicate emotions that words struggle to contain. That is the spiritual possibility explored by this interpretation of tarana, not a universally established translation, but a way of hearing rhythmic music as a conversation between the human soul and the divine.

How This Connects to Chanakya

Returning to Chanakya by Rishab Rikhiram Sharma, the opening rhythmic chant invites us to listen beyond the surface.

The force of the voice, the repetition of syllables and their interaction with the instrumental arrangement can create a sense of urgency, discipline and intensity. These qualities suit a composition bearing the name *Chanakya*, which evokes strategy, intellect and political wisdom in Indian history.

It is important, however, to distinguish the musical effect from a verified translation: without an authoritative explanation from Sharma or the track's creators, we cannot conclude that every syllable in Chanakya carries the specific Sufi meanings attributed to some traditional tarana syllables.

What we can appreciate is the larger musical connection. Indian classical traditions have long used rhythmic vocalisation to transform the human voice into an instrument. Such sounds can carry emotional, aesthetic, and sometimes, devotional significance, even when they do not form an ordinary sentence. This is one of the remarkable strengths of Indian music. It can draw on ancient techniques while presenting them in a contemporary form, allowing new audiences to experience traditions that have evolved over centuries.

The Deeper Message: Music Beyond Words

The next time you hear a tarana or a rhythmic chant in a composition such as Chanakya, listen carefully.

Notice how the syllables rise and fall. Listen to the spaces between the sounds, the precision of the rhythm and the way the voice becomes inseparable from the music. Some syllables may have linguistic origins. Others may exist primarily for their rhythmic beauty. Some performers may interpret them spiritually, while others may focus on musical expression.

All these possibilities can coexist without requiring every sound to have a hidden translation.

Perhaps, that is the most interesting lesson: music does not always need to tell us something in words to make us feel that it means something. In the world of tarana, the voice can become rhythm, rhythm can become emotion, and emotion can become devotion. And when a contemporary composition draws on these traditions, it creates an opportunity to hear an old musical language with fresh ears.

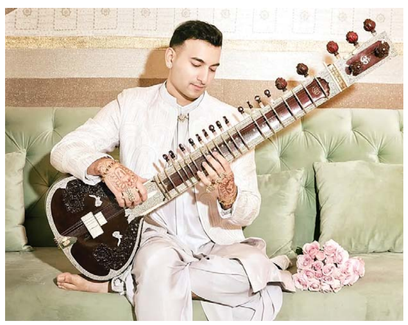

THE WALL

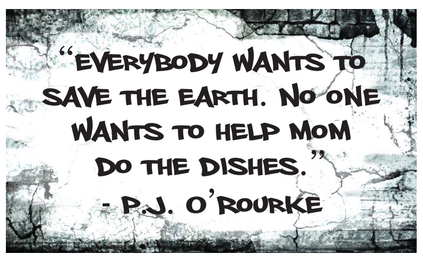

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



कोटा में 13 किलो डोडा-चूरा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

अवैध मादक पदार्थ को ट्रॉली बैग में छिपाकर ले जा रहे थे

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में गश्त व चेकिंग के दौरान रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने इलाके में कार्यवाही करते हुए 13 किलो 690 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। मामले में सामने आया कि मादक पदार्थ तस्कर पुलिस से बचने के लिये अवैध मादक पदार्थ को ट्रॉली बैग में छिपाकर सप्लाई के लिये ले जा रहे थे।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने मय जाप्ता इलाके में गश्त एवं आकस्मिक चेकिंग के दौरान रंगपुर पुलिया के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को ट्रॉली बैग लेकर जाते हुए देखा, जो पुलिस टीम को देखकर अपना रास्ता बदलकर जाने लगे। पुलिस टीम ने दोनों को रोका और पूछताछ की संदेह होने पर दोनों को डिटेन कर उनके पास मौजूद ट्रॉली बैग की तलाशी ली गई तो तलाशी के दौरान ट्रॉली बैग में छिपाकर रखा गया 13 किलो 690 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए जिला हनुमानगढ़ निवासी अशोक एवं जिला बूंदी निवासी विशाल गुर्जर को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी जब्त किये गये हैं। मामले मे अनुसंधान भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामविलास मीणा को सौंपा गया है। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।



रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये तस्करों में आरोपी अशोक जिला हनुमानगढ़ का एवं आरोपी विशाल गुर्जर जिला बून्दी का निवासी है जो अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के उद्देश्य से बून्दी से अफीम डोडा-चूरा प्राप्त कर उसे ट्रॉली बैग में छिपाकर रेल मार्ग से वाया कोटा होते हुए लेकर जाने की फिराक में थे जो ट्रेन के इन्तजार में आरपीएफ व जीआरपी पुलिस की निगाह से बचने के लिए स्टेशन के बाहर खाली इलाकों में घूम रहे थे। आरोपियों ने पुलिस चेकिंग से बचने के लिए मादक पदार्थ को ट्रॉली बैग में प्लास्टिक के कट्टे में छिपाकर रखा गया था। मादक पदार्थ की खरीद, परिवहन एवं सप्लाई से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में अनुसंधान जारी है।

ऋण वसूली अधिकरण की विशेष लोक अदालत चार दिसम्बर को

जयपुर। बैंक ऋण से जुड़े पुराने विवादों के निस्तारण और ऋणकर्ताओं को राहत दिलाने के लिए ऋण वसूली अधिकरण (डीआरटी) जयपुर में 4 दिसंबर को तीसरी विशेष लोक अदालत आयोजित होगी। इसमें करीब 4 हजार प्रकरण सुनवाई के लिए रखे जाने की तैयारी है। लोक अदालत के माध्यम से लगभग 400 करोड़ रुपए की वसूली होने की संभावना जताई गई है। खास बात यह है कि इस पहल से लंबे समय से बैंक ऋण संबंधी मामलों में उलझे किसानों और अन्य ऋणकर्ताओं को आपसी सहमति से विवाद सुलझाने का अवसर मिलेगा। डीआरटी जयपुर और डीआरटी बार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत का शुभारंभ ऋण वसूली अपीलीय अधिकरण, दिल्ली के अध्यक्ष न्यायमूर्ति डॉ. सुधीर कुमार जैन करेंगे।

- **तीसरी विशेष लोक अदालत में चार हजार मामलों के निस्तारण की तैयारी**
- **किसानों और अन्य ऋणकर्ताओं को मिलेगी राहत, 400 करोड़ रुपए की वसूली का लक्ष्य**



डीआरटी जयपुर के पीठासीन अधिकारी विमल गुप्ता प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी।

डीआरटी जयपुर के पीठासीन अधिकारी विमल गुप्ता ने बताया कि पिछली दो विशेष लोक अदालतों की सफलता और ऋणकर्ताओं की मांग को देखते हुए तीसरी लोक अदालत आयोजित करने का निर्णय किया गया है। विमल गुप्ता ने बताया कि डीआरटी जयपुर में पहली विशेष लोक अदालत 14 नवंबर 2025 को आयोजित हुई थी। वहीं दूसरी विशेष लोक अदालत 8 मई 2026 को हुई थी। दोनों आयोजनों में कुल 750 से अधिक प्रकरणों का समाधान हुआ और बैंकों को करीब 750 करोड़ रुपए की वसूली में सफलता मिली। इस बार इससे बड़े स्तर पर आयोजन की तैयारी की जा रही है।

विशेष लोक अदालत समन्वय समिति के संयोजक अनिल शर्मा ने बैंकों, वित्तीय संस्थानों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों से ऐसे वरिष्ठ अधिकारियों को भेजने की अपील की है, जिन्हें ऋणकर्ताओं को अतिरिक्त रियायत देने और भुगतान के लिए 31 मार्च 2027 तक का समय मंजूर करने का अधिकार हो। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के दिन पक्षकारों की सहायता के लिए करीब 100 वॉलंटियर तैनात रहेंगे। जिन मामलों में उसी दिन समझौता नहीं हो पाएगा, उनमें भी बातचीत आगे समाधान का रास्ता तैयार करेगी। डीआरटी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कीर्ति कपूर और महासचिव राजकुमार ने भी अधिक से अधिक मामलों को लोक अदालत में रखने की अपील की है।

भीलवाड़ा में तीन दिन से लापता युवक का शव नहर के किनारे मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। गांधी नगर थाना क्षेत्र के मालोला गांव में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब तीन दिन से लापता 35 वर्षीय युवक का शव गांव के पास ही नहर किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव मिलने की सूचना फैलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। परिजनों ने युवक की हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका व्यक्त करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

- **परिजनों ने युवक की हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई**

जानकारी के अनुसार, मालोला निवासी कमल सिंह रावणा राजपूत (35) पुत्र तेजू सिंह बीते 24 नवंबर से संदिग्ध हालात में लापता था। कमल सिंह खेती-बाड़ी और मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। परिजन पिछले तीन दिनों से उसकी लगातार तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने मालोला गांव में नहर के पास एक युवक का शव पड़ा देखा। इसकी सूचना तुरंत3 पुलिस और लापता कमल सिंह के परिजनों को दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने मृतक की शिनाख्त कमल सिंह के रूप में की। शव को संदिग्ध अवस्था में देख परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों का आरोप है कि कमल सिंह की हत्या की गई है। सूचना मिलते ही गांधी नगर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है।

भांकरी में वन्यजीव की दस्तक

पावटा, (निसं)। ग्राम भांकरी में इन दिनों वन्यजीव की आवाजाही ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। गांव के श्याम मंदिर के पास वार्ड नंबर 32 में देर रात एक हायना (लकड़बग्घा) दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। रात के अंधेरे में हायना नजर आने की सूचना से लोगों में हलचल मच गई। वन्यजीव की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में भय और असुरक्षा की भावना बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम भांकरी में श्याम मंदिर के समीप रात के समय हायना दिखाई दिया। वन्यजीव की दस्तक से ग्रामीण सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

प्रधान चुनाव में बाधा डालने पर विधायक अशोक चांदना सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बूंदी, (निसं)। पंचायत समिति नैनवां में प्रधान पद के चुनाव के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ कथित अभद्रता, धक्का-मुक्की और राजकार्य में बाधा डालने के मामले में हिंडोली-नैनवां विधायक अशोक चांदना सहित अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मामले में एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(वीए) भी लगाई गई है।

- **पंचायत समिति नैनवां में प्रधान पद के चुनाव के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ कथित अभद्रता, धक्का-मुक्की और राजकार्य में बाधा डालने का मामला**
- **आरोप है कि विधायक के साथ आए लोगों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को डराया-धमकाया, उनके साथ अभद्रता की**

पुलिस के अनुसार, करवर थाना प्रभारी सहदेव सिंह पुलिस जाप्ते के साथ प्रधान चुनाव के मद्देनजर चुंगी नाका नैनवां की तरफ पंचायत समिति कार्यालय के सामने देई रोड पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने की ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान विधायक अशोक चांदना अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे। आरोप है कि विधायक के साथ आए लोगों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को डराया-धमकाया, उनके साथ अभद्रता और धक्का-मुक्की की। साथ ही जबरन बैरिकेड्स ऊंचे कर अपनी गाड़ी सहित पंचायत समिति परिसर में प्रवेश करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिस जाप्ते ने उन्हें रोक दिया। घटना का वीडियो भी वायरल होने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया है। प्रकरण का अनुसंधान सीआईडी-सीबी, पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, विधायक अशोक चांदना के साथ हंसराज गुर्जर निवासी बोरदा, सद्दाम हुसैन निवासी नैनवां, तुलसीराम सांगोदा निवासी देई, आसुतोष नागर निवासी नैनवां, साहिद खान निवासी नैनवां, बलराम उर्फ बाबा गुर्जर निवासी नैनवां तथा 5-6 अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

हादसे में बाइक सवार की मौत

अलवर, (निसं)। लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के मोलिया गांव के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल युवक को पहले लक्ष्मणगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत नाजुक होने पर उसे अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान विष्णु कुमार सेन (35) पुत्र हरसाय सेन निवासी मोलिया के रूप में हुई है। वह गांव में ही एक निजी संस्था में काम करता था।

जानकारी के अनुसार काम खत्म करने के बाद वह बाइक से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

अलवर की मंडी में प्याज के उचित भाव नहीं मिलने पर किसानों में रोष

अलवर, (निसं)। अलवर की प्याज मंडी में प्याज की फसल के उचित भाव नहीं मिलने से नाराज किसानों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साए किसानों ने मंडी का गेट बंद कर दिया और मंडी प्रशासन के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई। किसानों ने आरोप लगाया कि मंडी में उनकी प्याज की उपज के अच्छे दाम नहीं मिल रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

- **गुस्साए किसानों ने मंडी का गेट बंद कर मंडी प्रशासन के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई**
- **किसानों ने नाराजगी जताते हुए प्रशासन से प्याज के उचित भाव दिलाने और समस्याओं का समाधान करने की मांग की**

प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना था कि वे दिन-रात मेहनत कर प्याज की फसल तैयार करते हैं। इसके बाद जब अपनी उपज बेचने मंडी पहुंचते हैं तो उन्हें उम्मीद के मुताबिक भाव नहीं मिलते। ऐसे में लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। किसानों ने मंडी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

किसानों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब मंडी में फसल के उचित दाम ही नहीं मिलेंगे तो वे अपनी उपज लेकर कहां जाएंगे। उन्होंने प्रशासन से प्याज के उचित भाव दिलाने और किसानों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की।

प्रदर्शन के चलते मंडी में कुछ समय के लिए गेट बंद रहा। किसानों ने चेतावनी दी कि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन तेज किया जा सकता है।

नकबजनी के आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। कुंवारिया थाना क्षेत्र के समीपवर्ती कुरज गांव में घर से सोने व चांदी के जेवर चुराने के प्रकरण में पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार किया है। प्रकरण में सबसे रौचक बात यह रही कि पुलिस ने फरियादी को घर पर पहुंचकर बताया था कि उनके घर पर चोरी की घटना हुई है, उसके बाद में घर मालिक को चोरी की घटना की जानकारी हुई थी।

पुलिस ने बताया कि 23 नवंबर को प्रार्थी कुरज निवासी महेश कुमार पिता सत्यनारायण लावटी ने पुलिस थाने में इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई कि मैं स्वयं बडौदा गुजरात में रहता हूं तथा मेरे माता-पिता वृद्ध है जो कि कुरज गांव में पुस्तैनी मकान में रहते हैं। उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व मेरी मां ने बताया कि अपने घर पर चोरी की घटना हो गयी है। जिस पर में गांव कुरज मेरे माता पिता के पास आया तथा घर में पलंग में रखे गहनों की जांच पडताल कि तो सोने व चांदी के आभूषणों को चोरों ने घर में प्रवेश कर वारदात को अंजाम दिया गया।

कोटा के नए अस्पताल में उपचार के दौरान गर्भवती की मौत

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में शुक्रवार को एक और गर्भवती के मौत का मामला सामने आया है। गर्भवती की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा हो गया। वह साढ़े तीन महीने की गर्भवती थी और उसके गर्भ गर्भस्थ शिशु की मौत भी हो गई थी, जिसके बाद उसका इलाज मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में चल रहा था। उसे रक्त भी चढ़ाया गया था। बीच में वह दिखाने के लिए निजी अस्पताल भी चली गई थी। हालांकि उसकी लगातार तबियत बिगड़ी रही और आखिर में उसकी मौत हो गई है। इस घटना के बाद मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में हंगामा हो गया।

- **गर्भवती की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा हो गया**

मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष शालिनी गौतम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे। वहां परिजनों ने डॉक्टर और स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। साथ ही जमकर हंगामा किया है। वहीं मृतक का के शव को भी मोर्चरी में शिफ्ट नहीं करने दिया।

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे महावीर नगर थाने के सब इंस्पेक्टर घमंडी लाल ने बताया कि नयागांव निवासी 26 वर्षीय मीनाक्षी पत्नी प्रह्लाद की मौत हुई है। परिजनों से समझाइश की जा रही है। उसके शव को फिलहाल मोर्चरी में शिफ्ट नहीं किया जा सका है। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आशुतोष शर्मा का कहना है कि 24 नवंबर को मेडिसिन में मीनाक्षी को एडमिट किया गया था। उसके गर्भस्थ शिशु की मौत की जानकारी दे दी गई थी। उसको ब्लड कम होने से इंजेक्शन लगाया और रक्त भी चढ़ाया गया। इसके बाद परिजन 25 तारीख को अस्पताल से ले गए थे। वह लामा (लेफ्ट अगेंस्ट मेडिकल एडवाइस) हो गई थी। उसे निजी अस्पताल में दिखाया था जहां से वह 26 नवम्बर को वापस गायनी विभाग डिपार्टमेंट के अधीन भर्ती हुई थी। जहां पर उसे पूरी हाई रिस्क बता दी गई थी और अबॉर्शन (गर्भपात) की जानकारी दी थी। इसके बाद शुक्रवार को दोपहर 3:30 बजे मृत नवजात को अलग किया गया था। बाद में यह कुछ घण्टे बाद कॉलेप्स हो गई है। परिजनों को पूरी हाई रिस्क के संबंध में जानकारी दी थी। वह पूरी तरह से एनीमिक थी और उसका हीमोग्लोबिन 6.9 था।

इस पूरे घटनाक्रम पर मौके पर पहुंची महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष शालिनी गौतम का कहना है कि लापरवाही अस्पतालों में बरती जा रही है। इसीलिए महिलाओं की मौत हो रही है। प्रसूता और गर्भवती ही इसका शिकार हो रही है। यहां तक की इलाज की प्रॉपर सुविधा नहीं है। प्रबंधन भी इसमें लापरवाही बरत रहा है। इस मामले में मांग करते हैं कि जितने भी डॉक्टर इलाज में थे, उन सब पर कार्रवाई की जाए।

महिला पर हमला, अलवर रेफर

अलवर, (निसं)। खैरथल के वार्ड नंबर 43 स्थित हनुमान पहाड़ी रोड पर 52 वर्षीय महिला पर हथौड़ी से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में विमला देवी के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें खैरथल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया। घटना 26 नवंबर शाम करीब 4:30 बजे की है। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें एक युवक पीछे से दौड़कर आता है और महिला पर हथौड़ी से हमला करता दिखाई दे रहा है।

महिला के बेटे राम ने खैरथल थाने में दर्ज रिपोर्ट में आरोप लगाया कि लड्डू नामक व्यक्ति ने उनकी मां पर हथौड़ी से ताबड़तोड़ वार किए। पीड़ित परिवार का आरोप है कि करीब एक महीने पहले कचरे को लेकर हुए विवाद के बाद दूसरे पक्ष के सात लोगों ने उनके घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ की थी।

मत्स्य उत्सव : हेरिटेज वॉक में अलवर की ऐतिहासिक विरासत दिखी

पारंपरिक लोकनृत्यों और वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र बनीं

अलवर, (निसं)। मत्स्य उत्सव-2026 के तीसरे दिन शुक्रवार को अलवर में ऐतिहासिक विरासत और लोक संस्कृति के रंग देखने को मिले। जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित चार दिवसीय उत्सव के तहत होप सर्कस से मूसी महारानी की छतरी तक हेरिटेज वॉक निकाली गई। वहीं होप सर्कस से सागर जलाशय तक सांस्कृतिक शोभायात्रा का आयोजन हुआ। दोनों आयोजनों में महिलाओं, युवाओं, स्कूली विद्यार्थियों सहित शहर के विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि हेरिटेज वॉक के माध्यम से लोगों को अलवर की ऐतिहासिक धरोहरों, स्थापत्य कला और गौरवशाली इतिहास से रूबरू होने का अवसर मिला। इसका उद्देश्य आमजन को अपनी विरासत से जोड़ने के साथ ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण और पर्यटन के प्रति जागरूक करना था। हेरिटेज वॉक के दौरान कच्छी घोड़ी नृत्य ने विशेष आकर्षण पैदा किया और प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध किया। मत्स्य उत्सव की सांस्कृतिक शोभायात्रा का शुभारंभ जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने नगाड़ा बजाकर किया।



मत्स्य उत्सव के तीसरे दिन जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग की ओर से हेरिटेज वॉक निकाली गई।

शोभायात्रा में मयूर, कालबेलिया, चकरी, सहरिया और गैर नृत्य की प्रस्तुतियों ने लोक संस्कृति की छटा बिखेरी। इसके अलावा भपंग वादन, बम रसिया, पद दंगल, कच्छी घोड़ी, रो बिले और अलगोजा वादन ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं की भागीदारी ने आयोजन की रौनक बढ़ाई। इस दौरान एडीएम द्वितीय बीना महावर, एडीएम शहर अंबालाल मीणा, यूआईटी भूमि अवाप्ति अधिकारी जितेंद्र सिंह नरूका, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे।

आज होंगे समापन के कार्यक्रम :-मत्स्य उत्सव के समापन दिवस 28 नवंबर को सुबह 10 बजे कंपनी बाग में फ्लावर शो आयोजित होगा। सुबह 10:30 बजे इसी स्थान पर अलवर पेट शो के तहत डॉग, कैट, बर्ड और एग्जोटिक एनिमल्स की प्रदर्शनी के साथ फोटो प्रदर्शनी भी लगेगी। इसके बाद दोपहर 1 बजे भानगढ़ में लोक कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

- **मत्स्य उत्सव की सांस्कृतिक शोभायात्रा का शुभारंभ जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने नगाड़ा बजाकर किया**
- **हेरिटेज वॉक के दौरान कच्छी घोड़ी नृत्य ने विशेष आकर्षण पैदा किया और प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध किया**

तीन साल से फरार शातिर चोर गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। राजनगर थाना पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों में फरार चल रहे 15 हजार रुपये के इनामी शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब तीन साल से फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था।

जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के निर्देश पर राजनगर थानाधिकारी ओंकार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। राजनगर पुलिस, कांटैक्ट मशीन टीम तथा डूंगरपुर जिले के सदर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने तलाश करते हुए आरोपी मनीष मीणा पुत्र शंकर मीणा निवासी दांथली नाका, लिंबेरदार, नेवा तलाई, थाना जावर माइंस, सलूंबर को उसके ससुराल मुतली, जिला डूंगरपुर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी राजनगर थाने के प्रकरण के तहत वांछित था। न्यायालय द्वारा उसे स्थायी वारंटी घोषित किया जा चुका था। पुलिस के अनुसार आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए दुर्गम पहाड़ियों में अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने बदलकर रह रहा था। वह अपनी पहचान भी बदलता रहता था। पुलिस लगातार उसके निवास स्थान पर दबिश दे रही थी, लेकिन शातिराना तरीके से ठिकाने बदलने के कारण वह पकड में नहीं आ रहा था। आखिरकार संयुक्त पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

भीलवाड़ा के गायत्री नगर क्षेत्र में दस साल से पेयजल संकट

भीलवाड़ा, (निसं)। मालोला रोड स्थित गायत्री नगर में विवेकानंद स्कूल के पीछे के इलाके में पेयजल संकट को लेकर लोगों का सब्र टूट गया। हैरान करने वाली बात यह है कि क्षेत्र में पिछले करीब 10 साल से पीने का पानी नहीं आ रहा है, इसके बावजूद जलदाय विभाग की ओर से लोगों को नियमित रूप से पानी के बिल भेजे जा रहे हैं। इसी दोहरी मार से नाराज क्षेत्रवासियों ने शुक्रवार को मटकी फोड़कर प्रदर्शन किया और समस्या का जल्द समाधान न होने पर सड़क खुदाई की चेतावनी दी।

- **जलदाय विभाग की ओर से लोगों को नियमित रूप से पानी के बिल भेजे जा रहे हैं**
- **दोहरी मार से नाराज क्षेत्रवासियों ने मटकी फोड़कर प्रदर्शन किया और समस्या समाधान की मांग की**

प्रदर्शन के दौरान स्थानीय निवासी बद्रीलाल ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जब बीते एक दशक से नलों में पानी की एक बूंद भी नहीं आई, तो वे आखिर किस बात का बिल भरें? ग्रामीणों का आरोप है कि दिवाली के आसपास पानी की सप्लाई बहाल करने के प्रयास तो किए गए थे, लेकिन किसी ने पानी का रुख दूसरी तरफ मोड़ दिया। बीते दिन सड़क खुदाई के दौरान पाइपलाइन कटने से सड़क पर पानी बहता रहा, लेकिन लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच सका।

क्षेत्रवासियों के मुताबिक, गायत्री नगर में स्कूल और सांवरमल सुनार की दुकान के आसपास की इस पेयजल समस्या को लेकर वे करीब 20 बार शिकायत दर्ज करा चुके हैं और जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों को मौके पर बुला चुके हैं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। फिलहाल प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि क्षेत्र में जल्द से जल्द पेयजल आपूर्ति सुचारू की जाए और बिना पानी दिए भेजे जा रहे बकाया बिलों को माफ किया जाए।

तीन दिवसीय ''बूंदी महोत्सव'' का भव्य शुभारंभ

महोत्सव में बूंदी का सांस्कृतिक वैभव छलका, शहर में लोक संस्कृति की छटा बिखरी



परिषद सभापति भरत शर्मा, एसपी अवनीश कुमार व वंशवर्धन सिंह ने महोत्सव का शुभारंभ किया।



''बूंदी महोत्सव'' के दौरान साफा बांध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

बूंदी, (निसं)। हाड़ौती के पर्यटन पर्व ''बूंदी महोत्सव'' का भव्य शुभारंभ शुक्रवार को ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी छोटी काशी बूंदी में लोक सांस्कृतिक रंगों के बीच हुआ। नगर परिषद सभापति भरत शर्मा, पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा व वंशवर्धन सिंह ने गढ़ पैलेस में मंगल वाद्य यंत्रों की ध्वनि के बीच मंत्रोच्चार, शंखनाद, गणपति पूजन वंदन और झंडारोहण के साथ महोत्सव का शुभारंभ किया। इसके तुरंत बाद, भरत शर्मा ने गढ़ पैलेस में ही कैनवास पेंटिंग वर्कशॉप का उद्घाटन किया।

शुक्रवार के आयोजनों का मुख्य आकर्षण नवल सागर से शुरू हुई भव्य शोभायात्रा रही। शाही लवाजमे के साथ निकली इस यात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे विभिन्न समुदायों के लोगों, लोक कलाकारों, और सजे हुए ऊंट-घोड़ों ने बूंदी की सड़कों पर हाड़ौती की समृद्ध लोक संस्कृति के रंग बिखेरे। शोभायात्रा के दौरान शहर के बाजारों में बोहरा समाज, कौमी एकता, होटल व्यवसायी, जैन समाज, सिख समाज, रोटरी क्लब सहित अन्य समाजों द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। यह भव्य शोभायात्रा पुलिस परेड ग्राउंड पहुंचकर सम्पन्न हुई। महोत्सव के तहत निकाली गई शोभायात्रा में जन सैलाब उमड़ पड़ा। लोक संस्कृति के रंगों का निहारने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे और छतों नजर आए।

■ शाही लवाजमे के साथ निकली शोभायात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे विभिन्न समुदायों के लोगों, लोक कलाकारों, और सजे हुए ऊंट-घोड़ों ने बूंदी की सड़कों पर हाड़ौती की समृद्ध लोक संस्कृति के रंग बिखेरे

गढ़ गणेश की पूजा अर्चना के बाद भव्य शोभायात्रा गढ़ परिसर से रवाना हुई। शोभायात्रा में लोक कलाकारों ने संगीत, धुनों के बीच कच्छी घोडी नृत्य कर समां बांधा। वहीं परम्परागत लोक वाद्यों की धुनें गुंजायमान रही। गढ़ की पड्स से आरंभ होकर शोभायात्रा पुरानी बूंदी की विरासत को निहारती हुई मुख्य बाजार होकर खेल संकुल परिसर पहुंची। महोत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में देशी विदेशी पर्यटक बूंदी पहुंचे हैं। शोभायात्रा में नृत्य करते लोक कलाकारों ने फिजां में उत्सवी रंग घोल दिए। वहीं विभिन्न विभागों की ओर से संदेश बोधक झांकियां भी आमजन के आकर्षण का केन्द्र बनी रही। इसके बाद, पुलिस परेड ग्राउंड पर सुबह से पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का रोमांच शुरू हुआ। जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित रस्सा-कस्सी, ऊंट दौड़, घुडदौड़, मूंछ प्रतियोगिता, साफा बांधना और पणिहारी दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं में स्थानीय निवासियों के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों ने भी उत्साह से भाग लिया और अपना दमखम दिखाया। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलैक्टर एचडी सिंह, जिला परिषद् की मुख्य कार्यकारी अधिकारी चारू, अतिरिक्त जिला कलैक्टर (सीलिंग) रमेश देव, उपखण्ड अधिकारी लक्ष्मीकांत मीणा, उपसभापति संजय भूटानी, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक शरद व्यास सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

बोलेरो कैंपर ने बाइक को टक्कर मारी, एक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बनाड़ स्थित थबूकड़ा गांव में बोलेरो चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बुरी तरह घायल बाइक सवार की अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। घटना को लेकर मृतक के भतीजे की तरफ से बनाड़ थाने में रिपोर्ट दी गई।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि खेड़ापा स्थित बिराईराम चौकी के पास रहने वाले महेंद्र पुत्र सुखाराम सोनी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके चाचा मनोहरलाल सोनी बाइक लेकर बनाड़ के थबूकड़ा गांव से निकल रहे थे।

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-F.32 (B) (After Policy 2026-27)/EX/L/2026-06481-9018219/484 दिनांक-यथाहस्ताक्षर

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचनाः-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा क्रमांक प.4 (1) वित्त/आब/2026 दिनांक 27 जनवरी, 2026 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 में संशोधन के प्रावधानानुसार मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिये विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती हैः-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	01.12.2026	प्रातः 11.00 बजे से सांय 4.00 बजे तक

1. ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in से अपने SSO ID के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रकियानुसार दिनांक एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर ''Citizen'' केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।
2. नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम पांच घण्टे की होगी एव उसके पश्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार (indefinite extension) तक जारी रहेगी।
3. बोलीदाता को कम से कम रू. 10,000/- अथवा रू. 10,000 के गुणांक मे बढाकर बोली लगानी होगी।
4. बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राइस/पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।
5. कलस्टर का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।
6. ऑनलाईन नीलामी में SSO ID के माध्यम से भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा कलस्टर का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक https://iems.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हो जानी चाहिये। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या अन्यथा तकनीकी कारणों से निर्धारित राशियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नही ले पाने के लिये आवेदक स्वंय जिम्मेदार होगा।
7. प्रत्येक कलस्टर के लिये ऑनलाईन निलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित न्यूनतम रिर्जव प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि (Dynamic Earnest Money) भी जमा करानी होगी।
8. सफल बोलीदाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-नीलामी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तों, जो विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी।
9. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा-धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
10. वर्ष 2026-27 के पात्र अनुज्ञाधारियों को वर्ष क्रमशः 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तों पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
11. बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 एवं नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा समस्त दिशा-निर्देश, प्रक्रिया एवं शर्तों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लिया जाना चाहिये।
12. मदिरा कलस्टर के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-नीलामी में भाग ले सकेंगे, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
13. ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेंगे।

DIPR/C/_____/2026 आबकारी आयुक्त, राजस्थान

आपसी विवाद में मारपीट

जोधपुर, (कासं)। मथानिया के स्थित बालरवा गांव में एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने और उसकी स्कार्पियो के कांच फोड़े जाने का केस दर्ज हुआ है। पीड़ित की रिपोर्ट पर नामजद सहित अन्य के खिलाफ जांच आरंभ की गई है। पुलिस ने बताया कि बालरवा गांव निवासी पुखराज माली की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वह अपनी स्कार्पियो लेकर बालरवा से निकल रहा था। तब शक्तिसिंह आदि ने उसका रास्ता रोका और मारपीट की। उसकी स्कार्पियो के कांच फोड़ दिए गए। पुलिस के अनुसार इनके बीच आपसी विवाद चल रहा है।

किशनगढ़ से लौट रहे चाचा-भतीजे की सड़क हादसे में मौत

अजमेर, (निसं)। किशनगढ़ में एक परिचित की शादी समारोह में शामिल होकर पुष्कर लौट रहे चाचा-भतीजे की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। अजमेर-पुष्कर बाईपास पर कायड़ तालाब की पुलिया के पास तेज रफ्तार कार ने उनके स्कूटर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद कार चालक मौके से

■ किशनगढ़ में शादी समारोह से पुष्कर लौट रहे थे

वाहन सहित फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजनों में चीख-पुकार मच गई। एक ही परिवार के दो सदस्यों की असमय मौत से पुष्कर के माली मोहल्ले में शोक की लहर छा गई।

जानकारी के अनुसार पुष्कर के माली मोहल्ला निवासी हुकुमचंद दगदी और यश दगदी आपस में चाचा-भतीजे थे। दोनों किशनगढ़ में अपने एक परिचित के विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। शादी समारोह में शामिल होने के बाद दोनों स्कूटर से वापस पुष्कर लौट रहे थे। इसी दौरान अजमेर-पुष्कर बाईपास पर कायड़ तालाब की पुलिया के समीप तेज रफ्तार कार ने उनके स्कूटर को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक कार लेकर फरार हो गया।

गैंगस्टर रोहित गोदारा का साथी नरेश विश्नोई गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर की कोटगेट थाना पुलिस ने गैंगस्टर रोहित गोदारा के सहयोगी अपराधी नरेश विश्नोई को गिरफ्तार किया है। नरेश विश्नोई गैंगस्टर रोहित गोदारा का मुख्य सहयोगी बताया जा रहा है। इसके खिलाफ कई आपराधिक केस दर्ज हैं। संगठित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। नरेश विश्नोई लंबे समय से गैंग बनाकर संगठित अपराध को अंजाम देने में एक्टिव था। पुलिस ने तकनीकी सबूत जुटकार, सूचना के आधार पर दबिश देकर उसे दबोचा। बीकानेर सहित राजस्थान के अन्य जिलों में नरेश के खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक नरेश विश्नोई (27) पुत्र ओमप्रकाश बीकानेर में वार्ड नंबर 43, रानीसर बास, विनोबा बस्ती का निवासी है। उसके खिलाफ गैंग बनाकर मर्डर की कोशिश, रंगदारी, फिरौती वसूली, फायरिंग कर डराने-धमकाने जैसे संगीन अपराधों के कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार नरेश विश्नोई गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग का मुख्य सक्रिय और प्रथम श्रेणी का अपराधी है। वह गैंग बनाकर लगातार आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी से विस्तार से पूछताछ कर रही है और मामलों की जांच कर रही है। उसके नेटवर्क और अन्य आपराधिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

हॉस्टल की खिड़की से गिरने से कोचिंग छात्र की मौत

कोटा, (निसं)। कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रहे कोचिंग छात्र की हॉस्टल बिल्डिंग से नीचे गिरने से मौत हो गई। छात्र ओल्ड जवाहर नगर के एक हॉस्टल में अपने दोस्तों से मिलने आया था। यहां हॉस्टल की खिड़की से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर घायलावस्था में छात्र को मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कोचिंग छात्र के हॉस्टल से नीचे गिरने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

जवाहर नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 7 बजे हॉस्टल से एक छात्र के नीचे गिरने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां घायल छात्र इटावा निवासी अमन मीणा (22) को मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इमरजेंसी में चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू किया जहां इलाज दौरान छात्र ने दम तोड़ दिया। थानाधिकारी ने बताया कि छात्र नीट की तैयारी कर रहा था, जिस हॉस्टल में घटना हुई है, एक महीने पहले वह वहीं रहता था। वर्तमान में वह हॉस्टल के नजदीक दूसरी जगह पर रह रहा था, उन्होंने बताया कि छात्र सुबह हॉस्टल पहुंचा था। हादसे के बाद छात्र के परिजनों को सूचना दी गई सूचना पाकर परिजन कोटा पहुंचे। मृतक छात्र के शव को पोस्टमार्टम कराया।

युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में बालाडिट के पास बाइक की टक्कर से पैदल जा रहे रामलाल पटेल की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

कोतवाली थाने के एएसआई नारायणलाल ने बताया कि बोरी निवासी भगवान पटेल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा रामलाल घर से बालाडिट जाने के लिए सड़क किनारे कच्चे रास्ते पर पैदल जा रहा था। बालाडिट में नंदूलाल कलाल के घर के पास सामने से आई बाइक गलत साइड में पहुंची और रामलाल को टक्कर मार दी। टक्कर से रामलाल गिर गया।

कार्यालय नगर पालिका भवानीमण्डी, जिला झालावाड़, राजस्थान

क्रमांक :– न.पा.भ./स्टोर/2026/2475 दिनांक :– 18.11.2026

–: ई निविदा सूचना –1/2026–27 :–

नगर पालिका भवानीमण्डी के सक्षम श्रेणी में पंजिकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा पद्धति से दिनांक 23/11/2026 से दिनांक 15/12/2026 तक 01 कार्यो की ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत / निविदा से संबंधित परिपत्र डाउनलोड, अपलोड करने की तिथि व निविदा की शर्ते व अन्य जानकारी वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

NIB Code – DLB2627A9894
UBN NO. DLB2627GLOB24850

अध्यक्ष नगर पालिका भवानीमण्डी | अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका भवानीमण्डी

राज.संवाद/सी/26/13803

DIRECTOR WORKS (EO)
Rajasthan University Of Veterinary & Animal Science, Bikaner

क्रमांक : F( )/DW(EO)/RAJUVAS/2026-27/578 - 91 दिनांक :- 25/11/2026

निविदा सूचना संख्या 06 वर्ष 2026-2027

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदकों से ई–टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट www.rajuvas.org, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No.: VAU2627WSOB00092

निदेशक कार्य राजुवास, बीकानेर

राज.संवाद/सी/26/13727

कार्यालय नगर पालिका मण्डल वजीरपुर जिला-सवाई माधोपुर (राज0)

क्रमांक :–न.पा.व/2026–27/2169 दिनांक 18.11.2026

ई–निविदा सूचना

नगरपालिका वजीरपुर में खुली बोली/कार्य की निविदा यूबीएन नं.निम्न प्रकार है।

1. **यूबीएन नं DLB2627SLOB24935**

उक्त ई–निविदा आमंत्रित की गई है। ई निविदा सूचना एवं शर्ते राजस्थान लोक उपापन पोर्टल की वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in and http:/eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका वजीरपुर

राज.संवाद/सी/26/13755

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

अल्पकालीन निविदा सूचना-05/2026-27

विश्वविद्यालय द्वारा ई–निविदा सूचना क्रमांक 11065 दिनांक 23.11.2026 के तहत Annual rate contract for maintenance of Plants and Trees at Campus of MGSU, Bikaner (निविदा राशि रू. 25.00 लाख) हेतु निविदा जारी की गई है, जिसकी एनआईबी GSU2627A0033 एवं यूबीएन GSU2627SLRC00033 है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in एवं स्टेट प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/13725 सम्पदा अधिकारी

कार्यालय नगर निगम जयपुर

(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लाल कोठी, टोंक रोड़, जयपुर–15)

क्रमांक :– जसअ/2026/317 दिनांक: 23.11.2026

–: : ई–निविदा सूचना संख्या 11 से 21 एवं 23 से 61/2026–27 : :–

नगर निगम जयपुर की ओर से विद्युत कार्य हेतु नगर निगम जयपुर में व अन्य विभागों में नये नियमों के अनुसार श्रेणीवार EWSD श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in पर निम्न UBN No. JMC2627WSOB00809, JMC2627WSOB00810, JMC2627WSOB00811, JMC2627WSOB00812, JMC2627WSOB00813, JMC2627WSOB00814, JMC2627WSOB00815, JMC2627WSOB00816, JMC2627WSOB00817, JMC2627WSOB00818, JMC2627WSOB00819, JMC2627WSOB00820, JMC2627WSOB00821, JMC2627WSOB00822, JMC2627WSOB00823, JMC2627WSOB00824, JMC2627WSOB00825, JMC2627WSOB00826, JMC2627WSOB00827, JMC2627WSOB00828, JMC2627WSOB00829, JMC2627WSOB00830, JMC2627WSOB0031, JMC2627WSOB00832, JMC2627WSOB00833, JMC2627WSOB00834, JMC2627WSOB00835, JMC2627WSOB00836, JMC2627WSOB00837, JMC2627WSOB00838, JMC2627WSOB00839, JMC2627WSOB00840, JMC2627WSOB00841, JMC2627WSOB00842, JMC2627WSOB00843, JMC2627WSOB00844, JMC2627WSOB00845, JMC2627WSOB00846, JMC2627WSOB00847, JMC2627WSOB00848, JMC2627WSOB00849 JMC2627WSOB00850 JMC2627WSOB00851, JMC2627WSOB00852, JMC2627WSOB00853, JMC2627WSOB00854, JMC2627WSOB00855, JMC2627WSOB00856, JMC2627WSOB00857, JMC2627WSOB00858 पर देखा जा सकता हैं। इच्छुक संवेदकों को ई–निविदा में भाग लेने हेतु वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक हैं।

अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत) नगर निगम जयपुर

राज.संवाद/सी/26/13792

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, उदयपुर

क्रमांक : प.आब/वाहन निलामी/2026-27/1448 दिनांकः- 27.11.2026

जब्तशुदा वाहनों की नीलामी सूचना

इच्छुक बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी उदयपुर/राजसमंद/डूंगरपुर/चित्तौड़गढ़/बांसवाड़ा द्वारा राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 के तहत राजसात किये गये 199 वाहनों की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 08.12.2026 व 09.12.2026 को प्रातः 10:00 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, नगर निगम उदयपुर, टाउन हॉल लिंक रोड़, उदयपुर पर रखी गई है। नीलामी किये जाने वाले वाहनों का विस्तृत विवरण (यथा वाहन का प्रकार, अमानत राशि इत्यादि) विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

(प्रभा गौतम) RAS
जिला आबकारी अधिकारी, उदयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण

ई-नीलामी दिसम्बर, 2026

294 आवासीय/व्यावसायिक एवं अन्य भूखण्ड



93 व्यावसायिक भूखण्ड

01 खसरा नं. 288 ग्राम चैनपुरा, जवाहर सर्किल तहसील सांगानेर, जयपुर (एयरपोर्ट के नजदीक)

10 आदिनाथ सरोवर-ए योजना, जयपुर | 01 अनिरूद्ध एनक्लेव योजना जयपुर | 03 चेतन विहार, जयपुर | 09 दीनदयाल नगर, जयपुर | 01 डायमण्ड सिटी योजना जयपुर | 01 गनक एन्क्लेव योजना, जयपुर

01 गोविंदपुरा करधनी डी-ब्लॉक स्कीम, जयपुर | 02 हनुमान नगर एच जयपुर | 01 हनुमान वाटिका ए-1 योजना, जयपुर | 05 हरित विहार, योजना, जयपुर | 03 हर्ष वाटिका योजना, जयपुर | 01 रामचन्द्रपुरा योजना तह. सांगानेर ERCP योजना, जयपुर | 01 आकृति एन्क्लेव-ए योजना, जयपुर | 02 खुशी संसार योजना, जयपुर | 07 कृष्णा सिटी, जयपुर | 01 नाथू लाल करोल एन्क्लेव योजना, जयपुर | 01 गोल्डन रेजीडेंसी स्कीम, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/2595

03 रियासत निर्वाणा (निजी खातेदार) योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/497 | 04 संतोष विला ब्लॉक-बी स्कीम, जयपुर | 01 शौर्य नगर योजना, जयपुर | 02 श्रीनाथ एन्क्लेव तहसील-बस्सी जयपुर | 01 दी ग्रेटर जगतपुरा योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2024/2926 | 02 दी रिंग एवेन्यू ब्लॉक-बी स्कीम, जयपुर | 02 दी रियासत रेजीडेंसी योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/2033 | 01 टाईम्स ईस्टेट फेज-।।, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2024/3671 | 21 वेस्ट वे हाईटस (जेडीए योजना), जयपुर | 04 यमुना विहार जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2025/3622 | 01 गोविंदम आश्रम योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2024/3315

68 मिश्रित उपयोग भूखण्ड

03 रिंग रोड परियोजना ग्राम - खण्डवास जयपुर | 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - सिरोली जयपुर | 05 रिंग रोड परियोजना ग्राम - गोनेर जयपुर | 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - लखेसरा जयपुर | 04 रिंग रोड परियोजना ग्राम - खटवाडा जयपुर | 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - विमनपुरा जयपुर | 02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - पीपला जयपुर | 08 रिंग रोड परियोजना ग्राम - मुहाना जयपुर | 02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - अबरावाला जयपुर | 05 रिंग रोड परियोजना ग्राम - अभयपुरा जयपुर

09 रिंग रोड परियोजना ग्राम - बदनपुरा जयपुर | 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - मनोरियावाला जयपुर | 08 रिंग रोड परियोजना ग्राम - सीतारामपुरा जयपुर | 02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - खेडी गोकुलपुरा जयपुर | 04 रिंग रोड परियोजना ग्राम - खेतपुरा जयपुर | 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - लक्ष्मीपुरा जयपुर | 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - सूरजपुरा जयपुर | 03 रिंग रोड परियोजना ग्राम - श्यामपुरा बुहारिया जयपुर | 03 रिंग रोड परियोजना ग्राम - अजयराजपुरा जयपुर | 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - प्रहलादपुरा जयपुर

01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - दादिया जयपुर | 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - बुरथल जयपुर | 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - शिवदासपुरा जयपुर

88 आवासीय भूखण्ड

57 अभिनव विहार विस्तार, जयपुर | 03 आदित्य विहार योजना, जयपुर | 01 आनन्द विहार जयपुर | 02 आनन्द लोक-1 जयपुर | 01 अनुपम विहार योजना, जयपुर | 01 अटल योजना जयपुर | 01 बगरू ग्रीन योजना जयपुर

15 ग्रुप हाउसिंग

04 अनुपम विहार योजना, जयपुर | 11 हरित विहार योजना, जयपुर

11 दीनदयाल नगर योजना जयपुर | 01 फ्लेटेड हाउसिंग योजना मनोहरपुरा, जयपुर | 01 पटेल नगर योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/2588 | 01 पत्रकार कॉलोनी, जयपुर | 01 स्वर्ण विहार जयपुर | 02 विप्र विहार जयपुर | 05 यस विहार जयपुर

सर्विस यार्ड गोदाम | **07 निर्मित दुकान** | **06 दुकान भूखण्ड** | **संस्थानिक भूखण्ड** | **रेस्टोरेंट/कैफे**

04 ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, जयपुर | 10 ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, जयपुर | 04 अण्डपास, (एस.एम.एस. अस्पताल से ट्रोमा सेंटर) जयपुर | 03 विद्याधर नगर सेक्टर-1 जयपुर | 01 आनन्द विहार योजना जयपुर | 03 विद्याधर नगर सेक्टर-8 जयपुर | 02 ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, जयपुर | 02 रामचन्द्रपुरा योजना, जगतपुरा जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2019/937 | 01 निलय कुज फेस-2, जयपुर

भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें: 0141-2570678, 2569696, Ex.-7021, 7226, 1128

नीलामी की नियम व शर्तों के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in

RERA Website : http://rera.rajasthan.gov.in

राज.संवाद/सी/26/13811

इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर- 302004

गोविंदराम मेघवाल पर कार्रवाई को लेकर कांग्रेस हाईकमान असमंजस में, प्रदेश कांग्रेस सख्त

बीकानेर जिला प्रमुख चुनाव में उनकी बेटी सरिता चौहान ने कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ा था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । बीकानेर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई को लेकर प्रदेश कांग्रेस और पार्टी हाईकमान के सामने असमंजस की स्थिति है। बीकानेर जिला प्रमुख चुनाव में उनकी बेटी सरिता चौहान के कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने के मामले ने पार्टी में विवाद खड़ा कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस इस पूरे प्रकरण की रिपोर्ट तैयार कर दिल्ली हाईकमान को भेज रही है। मेघवाल को नोटिस देकर स्पष्टीकरण भी मांगा गया है, जबकि उनकी बेटी को उसी दिन छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया था।

प्रदेश कांग्रेस के संगठन से जुड़े नेताओं का आरोप है कि जिला प्रमुख चुनाव में मेघवाल की गतिविधियां पार्टी के लिए नुकसानदायक रहीं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सरिता चौहान से नामांकन वापस कराने के लिए मेघवाल से बातचीत की थी।

- **इस पर प्रदेश कांग्रेस ने सरिता चौहान को 6 साल के लिए निलंबित किया; मेघवाल को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा, रिपोर्ट दिल्ली भेजने की तैयारी**

बताया जाता है कि मेघवाल ने बेटी को मनाने का प्रयास करने की बात कही थी, लेकिन साथ ही जिला प्रमुख पद पर उनके परिवार का भी हक बताया था। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी मेघवाल से बातचीत का प्रयास किया, लेकिन बाद में मीडिया से कहा कि उन्होंने उनका फोन नहीं उठाया।

बीकानेर में मेघवाल की राजनीतिक पकड़ भी चुनौती

हालांकि शुक्रवार को पंचायत समिति प्रधान चुनाव में मेघवाल अपने निर्वाचन क्षेत्र की पंचायत समितियों में कांग्रेस के चुने हुए सदस्यों को पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान कराने में सफल रहे। बीकानेर जिला परिषद और पंचायत समितियों के वार्ड सदस्य चुनाव में भी उन्होंने जिन लोगों को टिकट दिलवाया था, उनमें से कई उम्मीदवार चुनाव जीतने में सफल रहे। यही वजह है कि बीकानेर संभाग के बड़े दलित नेता और कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य मेघवाल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करना हाईकमान के लिए आसान नहीं माना जा रहा।

बीकानेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल भी गोविंदराम मेघवाल के खिलाफ सख्त कार्रवाई के पक्ष में बताए जा रहे हैं। शहर कांग्रेस की ओर से भी प्रदेश कांग्रेस को रिपोर्ट भेजे जाने की बात सामने आई है। जिला कांग्रेस का एक बड़ा धड़ा मेघवाल को पार्टी से हटाने की मांग कर रहा है, लेकिन प्रदेश कांग्रेस का मानना है कि उनके खिलाफ अंतिम निर्णय दिल्ली हाईकमान ही करेगा।

8 से 10 दिसंबर तक मनेगा प्रवासी राजस्थानी दिवस

देश-विदेश के 7500 से अधिक लोगों ने पंजीकरण करवा चुके



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेकर प्रवासी राजस्थान दिवस की तैयारियों पर चर्चा की।

जयपुर (कासं)। राजस्थान की विरासत, विकास और निवेश की संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने के लिए इस बार प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन तीन दिवसीय होगा। 8 से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम में देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानियों और निवेशकों में खासा उत्साह है। अब तक 7500 से अधिक लोगों ने इसमें शामिल होने के लिए पंजीकरण कराया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर हो रहे आयोजन की तैयारियों की शुक्रवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शासन सचिवालय में समीक्षा की और सभी विभागों को निर्धारित समय में कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

- **मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अधिकारियों से की तैयारियों पर चर्चा**
- **10 दिसंबर को पर्यटन, उद्योग, ऊर्जा और खनन सहित छह विशेष सत्र होंग**

मुख्य सचिव ने कहा कि आयोजन में विकास भी, विरासत भी की झलक दिखाई देनी चाहिए। राजस्थान की भव्य विरासत और विकास को विभिन्न माध्यमों से प्रदर्शित किया जाए, ताकि प्रवासियों को अपनापन महसूस हो और वे अच्छी यादें लेकर लौटें। उन्होंने मुख्य आयोजन और विशेष सत्रों की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, राजस्थान फाउंडेशन, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी कार्य विभाग, परिवहन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, ऊर्जा, शहरी विकास, पर्यटन, माइंस तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर को छह विशेष सत्र आयोजित होंगे। इनमें पर्यटन, शहरी विकास, उद्योग, ऊर्जा, माइनिंग और प्रवासी राजस्थानी संवाद शामिल हैं। इन सत्रों में विकसित राजस्थान-2027 की थीम के अनुरूप भविष्य की तस्वीर प्रस्तुत की जाएगी। विशिष्ट अतिथियों के वीवीआईपी मूवमेंट, सुरक्षा, प्रोटोकॉल, आवास, परिवहन और अतिथि सत्कार की विशेष व्यवस्थाएं करने के निर्देश भी दिए। जयपुर में सफाई अभियान, सड़कों की मरम्मत, रोशनी और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों के सौंदर्यीकरण का कार्य समय पर पूरा करने को कहा।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में 10 दिसंबर को प्रतिवर्ष प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की थी। इसी क्रम में दूसरा प्रवासी राजस्थानी दिवस आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत 8 दिसंबर को झुंझुनूं के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में शेखावाटी हेरिटेज मीट होगी। 9 दिसंबर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में प्रवासी सांस्कृतिक संध्या और 10 दिसंबर को जयपुर के जेईसीसी में मुख्य आयोजन होगा। प्रवासियों को आमंत्रित करने के लिए कोलकाता, भुवनेश्वर, बेंगलुरु और गुवाहाटी में प्रवासी राजस्थानी मीट आयोजित की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने 16 अक्टूबर को जयपुर में प्रवासियों के साथ संवाद भी किया था, जिसमें देश-विदेश में बसे प्रवासी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

बाल विवाह के खिलाफ धरातल पर एक्शन की जरूरत : दिया कुमारी

बाल विवाह गरीबी का नहीं, मानसिकता और आघात का विषय है : शासन सचिव पूनम

जयपुर । बाल विवाह की कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिए इसे जन-आंदोलन बनाना होगा। अब भाषण नहीं, धरातल पर एक्शन की जरूरत है, जिसकी शुरुआत सरकार के साथ बेटियों ने भी कर दी है। यह केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों और बेटों के सम्मान, अधिकार और राजस्थान के उज्ज्वल भविष्य का संकल्प है। उप मुख्यमंत्री एवं महिला और बाल विकास तथा बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के दो वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में यह बात कही।

भगत सिंह मेहता सभागार, एचसीएम रीपा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दिया कुमारी ने बाल विवाह के खिलाफ संघर्ष करने वाली साहसी बालिकाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" अभियान की तरह बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को भी सफल बनाना है। बाल विवाह दंडनीय अपराध है। इसकी जानकारी मिलने पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर कॉल करें। सभी को इस अभियान का चैंपियन और ब्रांड एंबेसडर बनना होगा।

शासन सचिव पूनम ने कहा कि बाल विवाह गरीबी का नहीं, मानसिकता और आघात का विषय है। बच्चियों को गृहस्थी नहीं, बल्कि डॉक्टर, शिक्षक और वैज्ञानिक बनने का अवसर मिलना चाहिए। राजस्थान को 2030 तक बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य है। बाल अधिकारिता विभाग की नई कार्ययोजना के तहत जनवरी 2026 में ग्राम विकास अधिकारी, पटवारी और संस्था प्रधानों को भी बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी (सीएमपीओ) बनाया गया है तथा निषेधाज्ञा लेना अनिवार्य किया गया है। मिशन वात्सल्य और कवच से पंचायत स्तर पर संरक्षण मजबूत किया गया है। बीवीएमआर पोर्टल को शाला दर्पण से जोड़ने का प्रस्ताव है। राष्ट्रीय स्तर पर 71,842 सीएमपीओ और 42 लाख से अधिक संकल्प प्राप्त हुए हैं।



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और शासन सचिव पूनम ने बाल विवाह रोकथाम मुहिम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में "बचपन बचाएंगे, बाल विवाह मिटाएंगे" संदेश के साथ जागरूकता मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बीवीएमआर पोर्टल एवं आईईसी सामग्री का विमोचन हुआ। अभियान के थीम गीत बचपन को मिले उड़ान, बाल विवाह मुक्त राजस्थान का भी लोकार्पण किया गया।

यूएनएफपीए की चेंज एजेंट बालिकाएं सम्मानित

यूएनएफपीए से जुड़ी मनोज कुमारी, हर्षिता मेघवंशी, मयंक सिंह, अंजू, अरबिया, हर्षिता (ब्यूटीशियन), आयशा और आरुषि बैरवा को सम्मानित किया गया। आयशा ने छह बाल विवाह रुकवाए हैं। बाल विवाह रोकथाम में अनुकरणीय कार्य के लिए यूएनएफपीए को भी प्रशस्ति पत्र दिया गया।

सवाई माधोपुर की कविता मीणा की प्रेरक कहानी

"बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" की ब्रांड एंबेसडर कविता मीणा ने बताया कि 2018 में यूएनएफपीए से जुड़कर उन्होंने अपनी बहन और राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी सहेली का बाल विवाह रुकवाया। उनके प्रयासों से उनकी ग्राम पंचायत बाल विवाह मुक्त है। पंचायत की अनंता और ज्योति जैसी बेटियां कजाकिस्तान में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। कार्यक्रम में शासन सचिव पूनम, सरदार पटेल पुलिस यूनिवर्सिटी जोधपुर के कुलगुरु आलोक त्रिपाठी, आयुक्त बाल अधिकारिता निकया गोहाएन, आयुक्त विशेष योग्यजन इकबाल खान, यूएनएफपीए की त्रिशा पारीक एवं अंतरा त्रिवेदी सहित अधिकारी, गैर सरकारी संगठन प्रतिनिधि, मीडियाकर्मी और बच्चे उपस्थित रहे।

पीटीआई भर्ती में विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट वेबसाइट पर अपलोड करने के आदेश

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने पीटीआई भर्ती-2022 की उत्तर कुंजी को चुनौती देने के मामले में उत्तर कुंजी से संबंधित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही कहा है कि विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के नाम सार्वजनिक नहीं किए जाएं। जस्टिस अनूप कुमार ने यह निर्देश जुबेर खान की याचिका को निस्तारित करते हुए दिए। इस मामले में पूर्व में अदालत ने 19 अप्रैल 2023 को विवादित प्रश्न-उत्तरों की जांच विशेषज्ञ समिति से करवाने का निर्देश दिया था। याचिका से जुड़े अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि याचिका में उत्तर कुंजी में गलत विकल्प निर्धारित करने, प्रश्नों के उत्तर बदलने तथा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं करने का मुद्दा उठाया गया था। याचिका में अदालत से आग्रह किया गया था कि विवादित प्रश्नों एवं उत्तर कुंजी की विशेषज्ञों से निष्पक्ष जांच करवाई जाए और अभ्यर्थियों के हित में विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए। जिस पर हाईकोर्ट ने विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए कहा है।

शातिर नकबजन पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। वैशाली नगर थाना पुलिस ने नकबजनी की वारदातों का खुलासा करते हुए आधा दर्जन से अधिक मामलों में वांछित शातिर आरोपी पवन मीणा को कोटा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पूछताछ में आरोपी ने जयपुर पश्चिम के साथ जयपुर पूर्व और जयपुर दक्षिण जिलों में भी कई चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है। पुलिस अब आरोपी से चोरी का माल बरामद करने और अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशान्त किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पवन मीणा (30) पुत्र स्वर्गीय गोवर्धन मीणा मूल रूप से गांव बमोर, थाना टोंक सदर का निवासी है। वह वर्तमान में कोटा शहर के भीमगंज मंडी थाना क्षेत्र में डडवाड़ा स्थित इमानुअल स्कूल के सामने राजेन्द्र होटल में किराए पर रह रहा था।

कैंसर की नई उपचार तकनीकों पर जयपुर में होगा मंथन

जयपुर। कैंसर के उपचार में हो रहे नवीनतम शोध, विकसित हो रही दवाओं और आधुनिक चिकित्सा पद्धितयों पर चर्चा के लिए जयपुर में दो दिवसीय 'बेस्ट ऑफ ईएसएमओ इंडिया 2026' कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। एचसीजी कैंसर सेंटर जयपुर की ओर से ग्लोबल हेल्थकेयर एकेडमी के माध्यम से 28 और 29 नवंबर को आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में कैंसर रोग विशेषज्ञों और ऑन्कोलॉजी क्षेत्र से जुड़े करीब 300 चिकित्सा पेशेवर हिस्सा ले रहे हैं। कॉन्फ्रेंस में नए उपचारों और पद्धितयों को भारतीय चिकित्सा दिशानिर्देशों में शामिल करने की संभावनाओं पर भी मंथन होगा।

आयोजन अध्यक्ष डॉ. नरेश सोमानी और सचिव डॉ. जितेंद्र पहलजानी के नेतृत्व में हो रही इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य कैंसर उपचार के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही वैज्ञानिक प्रगति और आधुनिक तकनीकों से चिकित्सा विशेषज्ञों को अवगत कराना है।

कैंसर पैथोलॉजी कार्यशाला की आयोजन सचिव डॉ. इशिता गुप्ता ने एनजीएस (नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग) जैसी अत्याधुनिक जांच पद्धितयों में हो रही प्रगति की जानकारी दी। वहीं, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ और रेडियोथेरेपी कार्यशाला की सचिव डॉ. मीतू जैन की टीम नई तकनीकों से रेडियोथेरेपी करने के तरीकों पर जानकारी देगी। कैंसर सर्जन डॉ. कपिल देव ने बताया कि एडवांस्ड ओवेरियन और आंतों के कैंसर में एचआईपीईसी (हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी) जैसी जटिल सर्जरी पर पार्क अस्पताल, मानसरोवर में कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

चौथ का बरवाड़ा में प्रधान का जीता हुआ चुनाव हारी कांग्रेस

इस पंचायत समिति में 21 में से 14 सीटों पर जीती थी कांग्रेस ने, लेकिन प्रत्याशी राजी देवी को सिर्फ ख़ुद का वोट मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सवाईमाधोपुर की चौथ का बरवाड़ा पंचायत समिति में प्रधान पद के लिए कांग्रेस प्रत्याशी राजी देवी को उनकी ही पार्टी के नेताओं ने जीता हुआ चुनाव हरवा दिया। राजी देवी ने पूर्व विधायक अशोक बैरवा पर साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि कुल 21 वार्डों वाली इस पंचायत समिति में 14 सीटों पर कांग्रेस ने फतह हासिल की थी, पार्टी ने राजी देवी को प्रधान के लिए प्रत्याशी बनाया था। यहाँ पर पार्टी की एक तरफ़ा जीत तय थी, परंतु शुक्रवार को हुए मतदान में कांग्रेस से बागी होकर प्रधान का चुनाव लड़ने वाले शंकर लाल गुर्जर को 14 वोट मिल गए। यानी कि कांग्रेस के 14 सदस्यों में से 13 वोट और एक अन्य वोट शंकर के पक्ष में पड़े।

- **प्रधान प्रत्याशी राजी देवी ने कांग्रेस के पूर्व विधायक अशोक बैरवा पर साज़िश रचकर चहेते शंकर गुर्जर को बागी चुनाव जितवाने का आरोप लगाया**

कांग्रेस उम्मीदवार राजी देवी का आरोप है कि पूर्व विधायक अशोक बैरवा ने साजिश रचकर कांग्रेस के साथ गद्दारी की है और उन्हें चुनाव हरवाया है। उनका कहना है कि अशोक बैरवा अपने चहेते शंकर गुर्जर को ही प्रधान का टिकट दिलवाना चाहते थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दी। इस पर उन्होंने कांग्रेस की पीठ में छुरा भोंकने का काम करते हुए चहेते शंकर गुर्जर को निर्दलीय चुनाव लड़ाने का काम कराया और कांग्रेस के सदस्यों पर दबाव डालकर शंकर गुर्जर के पक्ष में वोट डलवाए। शंकर गुर्जर पिछली बार उप प्रधान थे, इस बार कांग्रेस के सिंबल पर ही चुनाव लड़ा था।

राजी देवी का आरोप है कि पूर्व विधायक अशोक बैरवा की पत्नी आशा बैरवा को इसी चुनाव में पार्टी ने जिला प्रमुख बनाया है, उनके बेटे मयंक को खंडार पंचायत समिति से प्रधान बनाया है। इन दोनों में चुनाव में कांग्रेस के सदस्यों ने कोई क्रॉस वोटिंग नहीं की, सिर्फ़ चौथ का बरवाड़ा पंचायत समिति में शंकर गुर्जर को प्रधान का प्रत्याशी नहीं बनाने पर उन्होंने पार्टी के साथ ही ग़द्दारी कर डाली।

जिस परिवार को कांग्रेस ने जिला प्रमुख और प्रधान की कुर्सी सौपी, वो ही इस तरह से पार्टी से गद्दारी करेंगे, इसकी उम्मीद नहीं थी। राजी देवी ने बताया कि कुल 21 वार्डो में से उन्हें सिर्फ ख़ुद का एक वोट मिला, जबकि बीजेपी को छह वोट मिले। ज्ञात रहे कि चौथ का बरवाड़ा पंचायत समिति में कांग्रेस को 14, बीजेपी को 3, बसपा और निर्दलीय 2-2 सीटों पर जीत मिली थी।





दूसरे टेस्ट के पहले दिन लंच के बाद अनुशासन और धैर्य के साथ गेंदबाजी करने से भारतीय टीम को वापसी करने में मदद मिली।

– आकाशदीप

भारतीय गेंदबाज, न्यूजीलैंड के खिलाफ दो विकेट लेने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



मोहम्मद सिराज

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का पत्ता एक बार फिर कट गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में जारी दूसरे टेस्ट में भी उन्हें मौका नहीं मिला। सिराज को एक बार फिर नजरअंदाज करने के बाद क्रिकेट पंडित टीम मैनेजेंट पर सवाल उठा रहे हैं। इस बीच सिराज की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें वह रोते हुए नजर आ रहे हैं। कृष्णा की तो टीम से छुट्टी हुई, मगर सिराज को नहीं बल्कि गुरनूर बराड़ को डेब्यू का मौका मिल गया। गुरनूर बराड़ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके बाद उन्हें कुलदीप यादव से टेस्ट टीम में रिप्लेस कर दिया गया।

क्या आप जानते हैं ?... भारत टी-20 इंटरनेशनल में 200 मैच जीतने वाली पहली टीम बना और एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया।

रोहित शर्मा बने मुंबई इंडियंस के कप्तान



नई दिल्ली, 27 नवंबर। मुंबई इंडियंस ने शुक्रवार को रोहित शर्मा को आईपीएल 2027 के लिए टीम का कप्तान नियुक्त किया है। रोहित इससे पहले भी फ्रेंचाइजी के लिए बतौर कप्तान 10 साल तक खेल चुके हैं लेकिन तीन साल पहले फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह हार्दिक पांड्या को टीम का कप्तान बना दिया था लेकिन उनकी कप्तानी में टीम खिताब नहीं जीत सकी और अब वह ट्रेड डील के जरिए पंजाब किंग्स का हिस्सा बन गए हैं। मुंबई की टीम पिछले सत्र में 14 मैच में केवल चार में ही जीत हासिल कर पाई थी। चोटिल होने के कारण हार्दिक अंतिम चरण के मैचों में नहीं खेल पाए थे।

रोहित की कप्तानी में जीते 5 ट्रॉफी

रोहित शर्मा ने 2013 से 2023 तक मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी और फ्रेंचाइजी को पांच खिताब दिलाए। उन्होंने 2013 में रिकी पोंटिंग की जगह ली थी और उसी साल टीम को आईपीएल ट्रॉफी दिलाई थी। रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस की टीम 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में चैंपियन बनी थी। रोहित 2011 से मुंबई की टीम का हिस्सा रहे हैं और दूसरी बार टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे।

जोदार के दम पर स्पेन डेविस कप के सेमीफाइनल में, ब्रिटेन से होगा मुकाबला

बोलोग्ना, 27 नवंबर। राफेल जोदार ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्पेन को ऑस्ट्रिया के खिलाफ जीत दिलाई। इस जीत के साथ स्पेन ने डेविस कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली, जहां गुरुवार को उसका मुकाबला ब्रिटेन से होगा। बोलोग्ना में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन ने 1-0 की बढ़त बना रखी थी। इसके बाद जोदार को ऑस्ट्रिया के यूरी रोडियोनोव के खिलाफ पहला सेट गंवाना पड़ा लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले दो सेट में केवल एक गेम गंवाया और 2-6, 6-0, 6-1 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ स्पेन ने क्वार्टर फाइनल भी जीत लिया। 20 वर्षीय जोदार ने मैच के बाद एक आधिकारिक बयान में कहा, "मेरे लिए यह मुकाबला काफी मुश्किल था क्योंकि किसी भी टूर्नामेंट में शुरुआती मैच आसान नहीं होते। मैं अपनी लय हासिल नहीं कर पा रहा था। दूसरे सेट की शुरुआत में मैंने बेहतर, अधिक आक्रामक और बेसलाइन से अधिक मजबूत खेलना शुरू किया। मुझे लगता है कि इसी से मुझे मुकाबले में वापसी करने में मदद मिली।"

नाथन न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से हो सकते हैं बाहर



नई दिल्ली, 27 नवंबर। अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन को पर्थ में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम से बाहर किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 9 दिसंबर से पर्थ में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक नाथन शनिवार को घोषित होने वाली टीम में शामिल नहीं होंगे। एडिलेड में पिछले सीजन की एशेज के तीसरे टेस्ट में लगी गंभीर हैमस्ट्रिंग चोट से वापसी के बाद से लियोन ने 41.20 की औसत से 10 विकेट लिए हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल स्पिनर में से एक हैं। ये पहली बार नहीं है, जब उन्हें किसी मैच से बाहर रखा जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया उतारेगा तेज गेंदबाज

नाथन लियोन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 145 मैचों में 577 टेस्ट विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता शनिवार को घरेलू सीरीज के लिए टीम का ऐलान करने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मुकाबले में चार तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और स्कॉट बोलैंड के साथ उतरने का मन बना रही है और इस वजह से नाथन के प्लेइंग इलेवन में चुने जाने की संभावना कम है।

वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप का तीसरा गेम भी ड्रॉ

नई दिल्ली, 27 नवंबर। स्विट्जरलैंड के जेनेवा में चल रही वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप 2026 का तीसरा गेम भी ड्रॉ रहा। गुरुवार को मौजूदा चैंपियन भारत के डी गुकेश ने काले मोहरों से खेलते हुए चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव को कई मौकों पर दबाव में रखा, लेकिन 60 चालों के बाद मुकाबला बराबरी पर छूटा। तीन गेम के बाद स्कोर 1.5-1.5 है। शुक्रवार को रेस्ट डे रहेगा, जबकि शनिवार को चौथे गेम में गुकेश सफेद मोहरों से खेलेंगे। तीसरे गेम में गुकेश ने शतरंज की शुरुआत में ऐसी चालें चलीं, जिनका इस्तेमाल 1980 और 1990 के दशक में ज्यादा किया जाता था। इस रणनीति से उन्होंने सिंदारोव को चौंका दिया। इस तरीके से खेलते हुए पूर्व वर्ल्ड चैंपियन बोरिस स्पैस्की ने भी 1988 में मुकाबले खेले थे। उनके दोनों मैच ड्रॉ रहे थे। मैच के बाद गुकेश से स्पैस्की के पुराने मुकाबले के बारे में पूछा गया।

पहले दिन न्यूज़ीलैंड ने 5 विकेट पर बनाए 246 रन, लैथम और ब्लंडेल के अर्धशतक

क्राइस्टचर्च टेस्ट



क्राइस्टचर्च, 27 नवंबर। आकाश दीप की शानदार गेंदबाजी के बावजूद टॉम लैथम और टॉम ब्लंडेल के अर्धशतकों की मदद से न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 246 रन बना लिए। लैथम ने शीर्ष क्रम में संयमित बल्लेबाजी करते हुए पारी की नींव रखी, जबकि दोपहर के सत्र में भारत के लगातार तीन विकेट लेने के बाद ब्लंडेल ने पारी को संभाला। ब्लंडेल और ग्लेन फिलिप्स के बीच छठे विकेट के लिए हुई 62 रन की अटूट साझेदारी दिन की तीन अर्धशतकीय साझेदारियों में से एक रही। उतार-चढ़ाव भरे दिन के अंत में न्यूजीलैंड ने अच्छी स्थिति हासिल कर ली।

न्यूजीलैंड ने अपनी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने की कोशिश की, लेकिन उनके मिडिल ऑर्डर में कुछ लड़खड़ाहट देखने को मिली। रचिन रवींद्र बिना खाता खोले आउट हो गए, जबकि हेनरी निकोल्स ने 16 रन बनाए। इसके अलावा, डेरिल मिशेल ने 31 रन जोड़े। एक समय ऐसा लग रहा था कि भारत मैच में हावी हो रहा है, लेकिन ग्लेन फिलिप्स और टॉम ब्लंडेल की साझेदारी ने न्यूजीलैंड को फिर से मुकाबले में वापस ला खड़ा किया। मैच के पहले दिन इन दोनों बल्लेबाजों ने क्रमशः 36 और 53 रन बनाए, जिससे दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड का स्कोर 246/5 हो गया।

भारत की ओर से आकाश दीप सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने दो विकेट लिए। वहीं, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़ और वाशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट हासिल किया। पांच विकेट गिर जाने के बाद, न्यूजीलैंड को उम्मीद होगी कि ब्लंडेल और फिलिप्स दूसरे दिन लंबी पारी खेलें। मैच में अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए, ब्लैक कैप्स (न्यूजीलैंड) को भारतीय टीम पर दबाव बनाए रखना होगा और पहली पारी में 350 से ज्यादा रन बनाने होंगे। दूसरी ओर, भारतीय टीम जल्द से जल्द कुछ विकेट चटकाना चाहेगी, और उनका पहला काम ब्लंडेल और फिलिप्स के बीच की साझेदारी को तोड़ना होगा। पहले दिन जसप्रीत बुमराह को कोई विकेट नहीं मिला था।

रविंद्र जडेजा को नहीं खिलाकर भारतीय टीम ने की बड़ी गलती : सुनील गावस्कर



नई दिल्ली, 27 नवंबर। टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में जारी दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम ने एक गलती। गावस्कर के मुताबिक, रविंद्र जडेजा को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखकर भारत ने बहुत बड़ी गलती की। सुनील गावस्कर का मानना है कि इस ऑलराउंडर की स्पिन गेंदबाजी मैच के अंतिम दो दिनों में महत्वपूर्ण साबित हो सकती थी। मैनेजमेंट ने रविंद्र जडेजा की जगह वॉशिंगटन सुंदर को तरजीह दी। भारत ने लगातार दूसरे टेस्ट मैच में जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को प्लेइंग इलेवन में नहीं रखा, जबकि तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को पदार्पण का मौका दिया। इस पर क्रिकेट से काफी समय पहले कमेंटेटर बन चुके सुनील गावस्कर ने होस्ट ब्रॉडकास्टर से कहा, आप सिराज की बात कर रहे हैं। जडेजा के बारे में आपकी क्या राय है? मेरा मानना है कि चौथे और पांचवें दिन उनकी स्पिन काफी उपयोगी साबित होती, क्योंकि वह गेंद को अच्छा खासा टर्न कराते हैं। पूर्व महान क्रिकेटर ने सिराज को लेकर कहा, मुझे लगता है कि उनके साथ-साथ मोहम्मद सिराज के लिए भी मुश्किल हालात होंगे। मोहम्मद सिराज फिर से बता दें कि वह इस दौर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में से एक हैं। देखते हैं आगे क्या होता है। पहले दिन के खेल में भारत को सिर्फ पांच विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह भी खाली हाथ लौटे, जबकि न्यूजीलैंड ने 85 ओवर में 246 रन बनाए।

पाक ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से 12 खिलाड़ियों को किया बाहर, सिर्फ 8 महिला खिलाड़ी को मिला अनुबंध

नई दिल्ली, 27 नवंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पिछले एक साल में राष्ट्रीय महिला टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद केंद्रीय अनुबंध हासिल करने वाली महिला खिलाड़ियों की संख्या घटाकर 20 से महज आठ कर दी है। पीसीबी ने शुक्रवार को नए केंद्रीय अनुबंधों की घोषणा की जिसमें केवल आठ महिला खिलाड़ियों को जगह मिली है। इनमें कप्तान फातिमा सना भी शामिल हैं जिन्हें शीर्ष श्रेणी ए में रखा गया है। स्पिन गेंदबाज सादिया इकबाल को भी ए अनुबंध दिया गया है।

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में में तीन कैटेगरी - मुनीबा अली सिद्दीकी, नशरा संधू और सिदरा अमीन को श्रेणी बी में रखा गया है जबकि आयशा जफर, गुल फिरोजा और सदफ शमास को श्रेणी सी में जगह मिली है। ये अनुबंध 30 जून 2027 तक प्रभावी रहेंगे। पीसीबी ने कहा कि खिलाड़ियों की फिटनेस का नियमित आकलन किया जाएगा। केंद्रीय अनुबंध हासिल करने वाली खिलाड़ियों को अनुबंध की अवधि के दौरान निर्धारित फिटनेस मानकों को बनाए रखना होगा। फातिमा सना और सादिया इकबाल को ए कैटेगरी अनुबंध दिया गया है। 24 वर्षीय फातिमा को बल्ले और गेंद दोनों से उनके शानदार और निरंतर प्रदर्शन का इनाम मिला है। वह हाल ही में इंग्लैंड के द हंड्रेड और ऑस्ट्रेलिया की महिला बिग बैश लीग में खेलने वाली पहली पाकिस्तानी महिला क्रिकेटर बनी थी। यह पिछले चक्र में किए गए अनुबंध से 20 खिलाड़ियों से काफी कम है। 30 जून 2027 तक चलने वाले अनुबंध में तीन कैटेगरी हैं, जिसमें मुनीबा अली सिद्दीकी, नशरा सुंधू और सिदरा अमीन को बी कैटेगरी में रखा गया है। आयशा जफर, गुल फिरोजा और सदफ शमास को सी कैटेगरी में शामिल किया गया है।

कल जयपुर में जुटेंगे सेलिब्रिटी, ओलंपिक पदक विजेता और खेल जगत की दिग्गज हस्तियां

जयपुर, 27 नवंबर। खेल, मनोरंजन, उद्योग और नेतृत्व जगत की कई प्रमुख हस्तियां रविवार को जयपुर में एक मंच पर नजर आएंगी। रविवार 29 नवंबर को 'गेम चेंजर्स विजन 2026-नेशनल स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव एंड लीडरशिप समिट' का आयोजन किया जा रहा है। कॉन्क्लेव में ओलंपिक पदक विजेता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि होंगे। आयोजन में देश के खेल भविष्य, कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 और भारत की ओलंपिक 2036 की मेजबानी की महत्वाकांक्षा को लेकर चर्चा भी होगी। कई खेल और मनोरंजन जगत की हस्तियां शामिल होंगी।

ऑस्ट्रेलिया का 13 साल बाद फिर टूटा गाबा का घमंड, इंग्लैंड ने सीरीज में बनाई बढ़त

नई दिल्ली, 27 नवंबर। इंग्लैंड ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया को बारिश से प्रभावित तीसरे टी20 मैच में 7 विकेट से हराया। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहले बैटिंग करते हुए 16.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 108 रन ही बना सकी। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम ने दमदार शुरुआत की। हालांकि बारिश के कारण मैच को दो बार रोकना पड़ा और दो बार टारगेट भी बदला। डकवर्थ लुईस नियम से इंग्लैंड ने 93 रन के लक्ष्य को नौवें ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है।

ऑस्ट्रेलिया को गाबा में मिली दूसरी हार - ऑस्ट्रेलिया की टीम का गाबा में टी20 इंटरनेशनल में रिकॉर्ड अच्छा रहा है। अब तक खेले गए 9 मैचों में टीम को सिर्फ दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने लगातार पांच मुकाबले जीते थे। इससे पहले 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की टीम को 2013 में हार मिली थी।

हैरी ब्रूकी कप्तानी में इंग्लैंड का दबदबा - हैरी ब्रूक की कप्तानी में इंग्लैंड का टी20 रिकॉर्ड लगातार अच्छा चल रहा है, उनकी कप्तानी में खेले गए 30 मैचों में से इंग्लैंड सिर्फ चार मैच हारा है। मेलबर्न में सीरीज के पहले मैच में थोड़े अंतर से हारने के बाद, इंग्लैंड ने ज़ोरदार वापसी की है, अगले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया को हराकर पाँच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है।

कल होगा द महाराजा ऑफ मैसूर कप का एग्जीबिशन पोलो मैच

टीम जयपुर और टीम विमल एरियन अचीवर्स के बीच आज होगा फाइनल मुकाबला



जयपुर, 27 नवंबर। जयपुर पोलो सीजन के तहत 'द ग्वालियर कप' (06 गोल) टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला शुक्रवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला गया। यह मुकाबला टीम रामबाग/स्वराज और टीम जयपुर के बीच हुआ। इस कांटे की टक्कर में टीम जयपुर ने टीम रामबाग/स्वराज को 7.5 - 6 के स्कोर से शिकस्त देते हुए फाइनल में अपनी जगह बना ली। मुकाबले में विजेता टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 5 गोल दागे। वहीं, विश्वराज सिंह राठौड़ और डीनो धनखड़ ने 1-1 गोल किया। टीम से विशाल सिंह भी खेले। टीम जयपुर को आधे गोल का एडवांटेज भी मिला। दूसरी ओर, टीम रामबाग/स्वराज से जुआन जोस डियाज अल्बर्डी ने 5 गोल किए, जबकि हुर्र अली ने 1 गोल किया। टीम में दिव्यमान सिंह दुजोद और रणशेय पुरोहित भी शामिल रहे। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शनिवार, 28 नवंबर (कल) को टीम जयपुर और टीम विमल एरियन अचीवर्स के बीच खेला जाएगा। यह मैच आरपीसी ग्राउंड पर शाम 4 बजे से आयोजित होगा।

राजस्थान ने उत्तराखंड को पारी और 101 रन से हराया



जयपुर, 27 नवंबर। बीसीसीआई अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तराखंड को पारी और 101 रन से पराजित किया। लखनऊ में खेले गए मुकाबले के तीसरे और अंतिम दिन राजस्थान के गेंदबाजों ने उत्तराखंड की दूसरी पारी 122 रन पर समेटकर बड़ी जीत दर्ज की। उत्तराखंड ने पहली पारी में 215 रन बनाए, जिसके जवाब में राजस्थान ने 9 विकेट पर 438 रन बनाकर पारी घोषित की। दूसरी पारी में उत्तराखंड की ओर से त्यागी ने 40 और साकेत ने 36 रन बनाए। राजस्थान की ओर से लवमीत गुर्जर ने 15 रन देकर 4 विकेट तथा आंजनेय शर्मा ने 38 रन देकर 3 विकेट लिए। आदित्य राज ने 2 और हर्षित यादव ने 1 विकेट हासिल किया।

कूच बिहार ट्रॉफी : रजत बघेल का शतक, राजस्थान के 360 रन

बीसीसीआई अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी में अम्तर (हिमाचल प्रदेश) में राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के बीच खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन राजस्थान ने पहली पारी में 360 रन बनाए। राजस्थान की ओर से रजत बघेल ने शानदार 126 रन की शतकीय पारी खेली। आदित्य भाम्भू ने 69, अभय शर्मा ने 53, कुशाग्र ओझा ने 32, प्रखर शर्मा ने 28 और यथार्थ भारद्वाज ने 27 रन बनाए। हिमाचल के नौनिहाल ने 93 रन देकर 5 विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक हिमाचल ने पहली पारी में 3 विकेट पर 207 रन बना लिए थे। टीम की ओर से दिव्यांश ने 58 और अमनदीप ने 54 रन बनाए। राजस्थान की ओर से सुमित तेजी और सौभाग्य भाटी ने 1-1 विकेट लिया।

अजय सिंह कूकना राजस्थान सीनियर टीम में शामिल

सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबलों के लिए राजस्थान की सीनियर टीम में बदलाव किया गया है। राहुल चाहर की जगह अजय सिंह कूकना को टीम में शामिल किया गया है। नागपुर में 30 नवंबर से खेले जाने वाले नॉकआउट मुकाबलों के लिए कूकना 28 नवंबर को टीम से जुड़ेंगे।

20वीं सीनियर एवं सब जूनियर राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता का शुभारंभ



जयपुर, 27 नवंबर। राजस्थान वुशू संघ एवं जयपुर वुशू संघ के संयुक्त तत्वावधान में 20वीं सीनियर एवं सब जूनियर राज्य स्तरीय बालक-बालिका वुशू प्रतियोगिता का शुक्रवार को श्रीजगमहल पैलेस, लालचंदपुरा में शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता 30 नवंबर तक आयोजित होगी।

राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के 24 जिलों के कुल 723 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें सीनियर वर्ग में 203 बालक और 100 बालिकाएं तथा सब जूनियर वर्ग में 235 बालक और 185 बालिकाएं शामिल हैं।

उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि राजस्थान बीजेपी महिला मोर्चा की अध्यक्ष राखी राठौड़ रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में खेल अधिकारी मालती चौहान, चिरायु हॉस्पिटल के डायरेक्टर मोहित चौधरी, श्रीजगमहल पैलेस के डायरेक्टर जगदीश रूंथला, प्रिंस स्कूल के डायरेक्टर दीपाराम जाट, रामेश्वरम स्कूल के डायरेक्टर जितेंद्र शर्मा, राजकुमार रूंथला, विजय सिंह शेखावत एवं भारतीय वुशू टीम के कोच राजेश कुमार टेलर उपस्थित रहे।

आयोजन अध्यक्ष हीरानंद कटारिया ने अतिथियों एवं खिलाड़ियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि राखी राठौड़ ने प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा करते हुए कहा कि खेल खिलाड़ियों को जीवन में नई ऊंचाइयां हासिल करने का सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर दिल्ली से आए नाडा टीम के ओमप्रकाश शर्मा एवं भरत सिंह ने खिलाड़ियों को वाडा द्वारा जारी प्रतिबंधित दवाओं की सूची और डोपिंग के दुष्परिणामों की जानकारी दी।

एलबीएस ने जयपुरिया एकेडमी को हराया

जयपुर 27 नवंबर । राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित यूथ कप अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता में खेले गए मैच में एल बी एस एकेडमी जयपुरिया एकेडमी को 55 रनो से हराया। आज प्रातः जयपुरिया ग्राउंड पर एल बी एस एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मोहम्मद सऊद खान के 93 रन, कुणाल के 27 रन व हर्ष के 26 रनो से 35.1 ओवर में 223 रन बनाए। जयपुरिया एकेडमी के लिए आरव अरोड़ा ने 68 पर 4, यश चौधरी ने 35 पर 2, राजवीर, रितुल व अनुरुद्ध ने एक - एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में जयपुरिया एकेडमी की टीम अगम कौशिक के 28 रन, अर्जुन सिंह के 21 रन, अमय पारीक के 33 रन, भाविक पारवानी के 22 रन व आरव अरोड़ा के 23 रन से 10 ओवर में 168 रन बनाकर आउट हो गई। एल बी एस एकेडमी के लिये मोहम्मद सऊद खान ने 34 पर 5, कुणाल कुमार साहू ने 14 पर 3 विकेट लिए।

शिवा क्लब के 3 खिलाड़ियों ने बनाए इंडिया-एशिया रिकॉर्ड



जयपुर, 27 नवंबर। शिवा क्लब के तीन खिलाड़ियों ने मार्शल आर्ट्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड बनाए। 16 वर्षीय गिर्राज मीणा ने एक मिनट में 466 फुल-कॉन्टैक्ट पंच लगाकर इंडिया रिकॉर्ड बनाया। वहीं, 14 वर्षीय पूर्वा श्री ने 220 नी स्ट्राइक्स और 14 वर्षीय भविष्य धनोपिया ने 311 डबल स्लैप किक्स लगाकर इंडिया और एशिया रिकॉर्ड अपने नाम किए। तीनों खिलाड़ियों ने यह प्रदर्शन दो किलोग्राम तक के अतिरिक्त वजन के साथ किया। खिलाड़ियों के प्रशिक्षक एवं शिवा क्लब के संस्थापक प्रदीप सिंह राघव ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई।

दक्ष और रौनक के ऑलराउंड प्रदर्शन से कैंडलविक एकेडमी जीती, देवांश शतक से चूके



जयपुर, 27 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांचवीं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में कैंडलविक क्रिकेट एकेडमी ने मदौरिया क्रिकेट एकेडमी को 23 रन से हराकर दो अंक अर्जित किए। जीत में दक्ष कासलीवाल और रौनक सैन ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कैंडलविक एकेडमी ने दक्ष कासलीवाल के 50 रन (20 गेंद, 9 चौके, 2 छक्के) और आदित्य जोशी के 47 रन की बदौलत 20 ओवर में 9 विकेट पर 181 रन बनाए। जवाब में मदौरिया एकेडमी की टीम देवांश सिंह की शानदार 97 रन (66 गेंद, 9 चौके, 3 छक्के) की पारी के बावजूद 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन ही बना सकी। कैंडलविक की ओर से रौनक सैन ने 39 रन देकर 3 विकेट और दक्ष कासलीवाल ने 19 रन देकर एक विकेट लिया। दक्ष कासलीवाल को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

समृद्धि व्यास ने जीते तीन खिताब, अरिन्जय कुच्छल बने अंडर-19 बॉयज चैम्पियन

राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जयपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

भरतपुर, 27 नवंबर। भरतपुर में आयोजित राजस्थान राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के अंतिम दिन जयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई खिताब अपने नाम किए। जयपुर की प्रतिभाशाली खिलाड़ी समृद्धि व्यास ने तिहरे खिताब जीतकर प्रतियोगिता में विशेष उपलब्धि हासिल की। समृद्धि ने अंडर-17 गर्ल्स, अंडर-19 गर्ल्स तथा वुमेंस सिंगल्स तीनों वर्गों के फाइनल मुकाबलों में जयपुर की ही राधिका सोनी को पराजित कर राजस्थान चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं अंडर-19 बॉयज सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में जयपुर के अरिंजय कुच्छल ने जयपुर के ही सौरभ कपूर को 4-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया और राजस्थान चैंपियन बने। जयपुर के खिलाड़ियों की इस शानदार सफलता पर जयपुर जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष किशन महेश्वरी एवं सचिव सचित गुप्ता ने सभी विजेता खिलाड़ियों सहित पूरी जयपुर टीम और कोचिंग स्टाफ को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने टीम के कोच विवेक भार्गव, जो स्वयं पूर्व अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी रह चुके हैं, के मार्गदर्शन एवं मेहनत की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और कोच के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है।

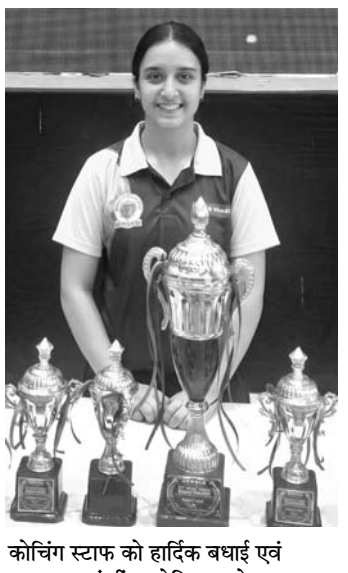



महिला एशियन हॉकी चैम्पियंस ट्रॉफी : जापान को 1-0 से हराकर फाइनल में पहुंचा चीन

भोपाल, 27 नवंबर। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चल रही महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में शुक्रवार को खेले गए पहले सेमीफाइन मुकाबले में चीन ने जापान को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मुकाबले का फैसला आखिरी मिनट में हुआ। वहीं, कोरिया ने थाईलैंड को 4-1 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया।

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2026 के सेमीफाइनल में भारत-मलेशिया की भिड़ंत आज

राजधानी की हॉकी को आज एक और बड़ी रात का इंतजार है। मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2026 में मेजबान और मौजूदा चैंपियन भारत शुक्रवार को सेमीफाइनल में मलेशिया से भिड़ेगा। नाथू बरखेड़ा के इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शाम 7 बजे शुरू होने वाला यह मुकाबला जीतने पर भारतीय बेटियां फाइनल में पहुंच जाएंगी। यानी खिताब से बस दो कदम की दूरी रह जाएगी। लीग चरण में पांचों मैच जीतकर 15 अंकों के साथ शीर्ष पर रही टीम इंडिया अब लगातार दूसरी बार खिताब बचाने और रिकॉर्ड चौथी बार चैंपियन बनने की दहलीज पर है। घरेलू दर्शकों का समर्थन, आक्रामक खेल और मजबूत रक्षापंक्ति उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने यमुना जल समझौता व ''रामजल सेतु लिंक'' की समीक्षा की

उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी निर्धारित अंतराल पर मौके पर पहुँचें व निरंतर कार्य प्रगति की मॉनिटरिंग करें

जयपुर, 27 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में यमुना जल समझौता एवं रामजल सेतु लिंक परियोजना को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली। मुख्यमंत्री ने दोनों परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करते हुए जनता को लाभान्वित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी निर्धारित अंतराल पर मौके पर पहुंचें और धरातल पर हो रही कार्य प्रगति की निरंतर मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं से संबंधित भूमि अवाप्ति, विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित, सभी संबंधित कार्यों को लेकर विभाग समन्वय के साथ कार्य करें और काम में तेजी लाएं, ताकि प्रदेश जल्द से जल्द जल आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सके।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि परियोजना से संबंधित भूमि अवाप्ति, विद्युत लाइन शिफ्टिंग आदि कार्य के लिए विभाग के साथ समन्वय बना कर काम करें।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

डीजे बंद करवा रही पुलिस से मारपीट करने वाले गिरफ्तार

जयपुर, 27 नवम्बर। खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में अवैध रूप से डीजे बजाने से रोकने पहुंची पुलिस टीम के साथ मारपीट, अभद्रता और राजकार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करने के साथ, सरकारी वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया था। इस घटना के बाद से सभी आरोपी फरार चल रहे थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों की इलाके में परेड निकाली। इस दौरान आरोपी कान पकड़कर माफी मांगते नजर आए। इस मामले में एसआई रामफूल की रिपोर्ट पर खोह नागोरियान थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए कदीर खान (44), शौकीन उर्फ मिश्रा (35), बाबू खान (45), सद्दाम खान (32) और इकराम खान (46) को खोह नागोरियान स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के फरारी के दौरान इस्तेमाल किए गए दो वाहन भी जब्त किए हैं। इसके अलावा, घटना के समय बजाए जा रहे डीजे उपकरण भी जब्त किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनकी संपत्तियों की जांच कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों की इलाके में परेड निकाली गई, जिसमें वे कान पकड़कर माफी मांगते दिखाई दिए।

माँ-बहन की हत्या कर युवक ने फांसी लगाई

पुलिस जाँच के अनुसार, परिवार के तीनों सदस्य ऑटिज़्म स्पैक्ट्रम डिसऑर्डर से जुड़े लक्षणों से प्रभावित थे

- पुलिस के अनुसार, गुरुवार को माँ और बहन के बीच झगड़ा हो रहा था। युवक ने बीच-बचाव का प्रयास किया, पर विवाद नहीं रुका।

जयपुर, 27 नवम्बर। राजधानी जयपुर के भट्टा बस्ती थाना क्षेत्र की रामनगर कॉलोनी में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत का मामला सामने आया है। यहां 27 वर्षीय युवक ने मां और बहन की हत्या करने के बाद, फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान सरोज तिवारी (50), उनके बेटे लकी (27) और बेटी शिवांगी (25) के रूप में हुई है। तीनों के शव शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे घर में मिले। प्रारंभिक पुलिस जांच में सामने आया है कि परिवार के तीनों सदस्य ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से जुड़े लक्षणों से प्रभावित थे। पुलिस को घटनास्थल पर मिले कागज और युवक के मोबाइल फोन में मिले नोट से घटना के कारणों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) बजरंग सिंह शेखावत के अनुसार, शुक्रवार सुबह सरोज तिवारी के पिता दीप तिवारी ने पड़ोसियों को फोन कर बताया कि परिवार के सदस्य फोन नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने पड़ोसियों से घर जाकर जानकारी लेने का आग्रह किया। इसके बाद पड़ोसी घर पहुंचे तो तीनों के शव देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर भट्टा बस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटना गुरुवार 26 नवंबर की बताई जा रही है।

पुलिस जांच के अनुसार, गुरुवार को मां और बहन के बीच झगड़ा हो रहा था। लकी ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन विवाद नहीं रुका। पुलिस को मिले युवक के नोट में उल्लेख है कि मां और बहन के बीच झगड़े और मारपीट से परेशान होकर उसने दोनों की हत्या कर दी और इसके बाद खुद आत्महत्या कर ली। घटनास्थल पर युवक के शव वाले कमरे के पास दीवार पर एक कागज चिपका मिला था। उस पर लिखा था कि उसका सुसाइड नोट मोबाइल फोन में है। कागज पर मोबाइल का पिन भी लिखा हुआ था। पुलिस ने मोबाइल की जांच की तो उसमें घटना के कारणों का उल्लेख मिला। नोट में युवक ने लिखा कि परिवार के तीनों सदस्य ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर नामक न्यूरो-विकास संबंधी स्थिति से प्रभावित थे। उसने यह भी उल्लेख किया कि कुछ साल पहले परिवार की जांच कराई गई थी, जिसमें इस तरह के लक्षण सामने आए थे।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि परिवार में पहले भी आत्महत्या की घटना हो चुकी है। युवक के पिता ने करीब 26 साल पहले आत्महत्या कर ली थी। परिवार के सदस्य ज्यादातर घर में ही रहते थे। लकी ऑनलाइन काम करता था और उसका भी घर से बाहर आना-जाना कम था। घटना के बाद कॉलोनी में सनसनी फैल गई।

पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। सरोज तिवारी के पिता दिल्ली में रहते हैं। उन्हें घटना की सूचना दे दी गई है। उनके जयपुर पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

टाटा ग्रुप के कंट्रोल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार की बार-बार अपील के बावजूद, देश में एक मजबूत और विविधतापूर्ण मैनुफैक्चरिंग आधार बनाने की दिशा में अब तक बहुत कम प्रगति हुई है।

ऐसे हालात में टाटा समूह की मैनुफैक्चरिंग कंपनियों के समूह को होने वाला कोई भी बड़ा नुकसान, भारतीय अर्थव्यवस्था और उसके वास्तविक औद्योगिक आधार के लिए एक बड़ा झटका साबित होगा। एक तरह से देखा जाए तो समूह के प्रबंधन और नियंत्रण को लेकर इस विवाद की नींव खुद रतन टाटा ने कई साल पहले रख दी थी। रतन टाटा ने उत्तराधिकार को लेकर कई प्रयोग किए, लेकिन इनमें से कोई भी वास्तव में सफल नहीं हुआ। इनमें एक प्रयोग यह भी था कि किसी दूसरे संबंधित पारसी परिवार- शापुरजी पालोनजी मिस्त्री परिवार- के किसी युवा सदस्य को शामिल किया जाए। इस परिवार की टाटा समूह की कंपनियों में काफी बड़ी हिस्सेदारी है। नोएल टाटा का विवाह भी शापुरजी परिवार की एक बेटी से हुआ है। रतन टाटा ने कभी अपने सौतेले भाई नोएल को संबंधित कंपनियों के प्रबंधन में पूरी तरह से शामिल नहीं होने दिया। इसके बजाय, उन्होंने नोएल को केवल उपभोक्ता वस्तुओं से जुड़ी एक छोटी कंपनी का प्रबंधन सौंपा। बड़े कारोबार वाली टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, टाटा केमिकल्स और यहां तक कि अब एयर इंडिया जैसी कंपनियों को संभालने के लिए जिस अनुभव और प्रशिक्षण की जरूरत होती है, वह नोएल को नहीं मिल पाया। टाटा परिवार के बाकी सदस्य, यानी नोएल टाटा और उनके बच्चे, टाटा समूह की कंपनियों का नियंत्रण फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि वहाँ पहले से ही पेशेवर प्रबंधक नियुक्त हैं। अंततः, चूँकि परिवार के पास सबसे बड़ी हिस्सेदारी है और उनका प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष नियंत्रण भी है, ऐसे में संभव है कि वे जीत जाएं और पेशेवर प्रबंधकों को बाहर होना पड़े। हालांकि, इस बीच चलने वाले इन विवादों की वजह से कुछ समय के लिए इन बड़ी कंपनियों पर संकट के बादल छा सकते हैं।

बाँग्लादेश के स्पीकर की बयानबाजी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डालने का आरोप लगाया। उनकी ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब अगस्त 2024 में हसीना के सत्ता से हटने और उनके भारत चले जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए हैं।

स्पीकर ने कहा कि अगर हसीना बांग्लादेश लौटती हैं तो उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। उन्होंने उनके लौटने की मंशा को समर्थकों का मनोबल बढ़ाने की कोशिश बताया और कहा कि वे कम से कम अगले 10 साल तक बांग्लादेश वापस नहीं आएंगी। पत्रकारों के साथ उनकी बातचीत की खबरों के अनुसार, उन्होंने अवामी लीग को एक आतंकवादी संगठन भी बताया।

ढाका ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। अहमद ने चेतावनी दी कि अगर नई दिल्ली उन्हें बांग्लादेश को सौंपने से इनकार करती है तो उनका देश इंटरनैशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आई.सी.जे.) का रुख कर सकता है। हालांकि, उन्होंने इसके पीछे के किसी कानूनी आधार का उल्लेख नहीं किया। आईसीजे देशों के बीच विवादों की सुनवाई करता है और इसका अधिकार क्षेत्र किसी संधि के प्रावधान या संबंधित देशों की सहमति पर निर्भर करता है।

भारत ने कहा है कि प्रत्यर्पण के अनुरोध की जाँच सक्षम अधिकारियों द्वारा, लागू कानूनों और प्रक्रियाओं के तहत, की जा रही है।

कश्मीर के मुद्दे पर अहमद ने पाकिस्तान के रुख का समर्थन करते हुए कहा कि इस विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के तहत होना चाहिए। यह बयान इस मुद्दे पर ढाका की पारंपरिक सावधानी से अलग है। भारत का कहना है कि जम्मू-कश्मीर देश का अभिन्न अंग है और वह इस मामले में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करता।

यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अहमद का व्यक्तिगत इतिहास दोनों देशों से जुड़ा हुआ है। बांग्लादेश की आज़ादी की लड़ाई, मुक्ति संग्राम, में शामिल होने से पहले, वे पाकिस्तानी सेना में कैप्टन थे। ऐसे में भारत के हस्तक्षेप को लेकर उनकी टिप्पणी विशेष मायने रखती है।

नई दिल्ली के लिए 1971 से जुड़ी टिप्पणियां, कश्मीर का उल्लेख और हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर दी गई चेतावनी, तीन अलग-अलग संवेदनशील मुद्दों से जुड़ी हैं। ये सभी बातें, द्विपक्षीय संबंधों की ऐतिहासिक नींव, लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय विवाद और एक अनसुलझे कानूनी मुद्दे से जुड़ी हैं।

अहमद पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। यह बांग्लादेश की संसद के किसी मौजूदा स्पीकर की पाकिस्तान की पहली आधिकारिक यात्रा है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के स्पीकर सरदार अयाज सादिक के निमंत्रण पर आयोजित इस यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात करेगा।

अहमद की पृष्ठभूमि इस मामले को एक नया आयाम देती है। उन्होंने पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी में प्रशिक्षण लिया था और 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में शामिल होने से पहले पाकिस्तानी सेना में सेवा दी थी। बाद में उन्हें वीरता के लिए ''बीर बिक्रम'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह यात्रा ढाका और इस्लामाबाद के बीच संसदीय स्तर पर करीबी संसदीय जुड़ाव का संकेत देती है, खासकर ऐसे समय में, जब भारत के साथ बांग्लादेश के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। दोनों पड़ोसी देशों की सीमाएं आपस में जुड़ी हुई हैं और उनके बीच व्यापार, संपर्क तथा सुरक्षा से जुड़े व्यापक हित हैं। ढाका के रुख में लगातार सख्ती आने का असर केवल बयानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अहमद के बयान बांग्लादेश की विदेश नीति में किसी बड़े बदलाव का संकेत हैं या फिर ये उनके अपने विचार हैं। प्रतिनिधिमंडल के लौटने के बाद ढाका की प्रतिक्रिया और प्रत्यर्पण के अनुरोध पर भारत का रुख यह तय करने में अहम होगा कि दोनों देशों के संबंध किस दिशा में आगे बढ़ेंगे।

घर के बाहर धूप सेक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कच्ची बस्ती, जवाहर नगर की मौत हुई है। परिजनों ने उन्हें धूप सेकने के लिए घर के बाहर सड़क किनारे कुर्सी पर बैठाया था। इसी दौरान, दोपहर करीब 4:30 बजे शांति पथ की ओर से तेज रफ्तार में आई कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

गंभीर रूप से घायल मोहन लाल को परिजन एसएमएस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद जवाहर नगर थाना पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है। फुटेज में कार से बुजुर्ग को टक्कर मारने और ठेले को क्षतिग्रस्त करने की घटना कैद हुई है। पुलिस फुटेज के आधार पर कार और फरार चालक की पहचान कर तलाश में जुटी है।

एसआई पेपर लीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को परीक्षा से पहले लीक हल प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहे श्रीराम विश्नोई के खिलाफ न्यायालय ने 22 अप्रैल 2025 को स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके बाद एसओजी ने उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया। एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुसंधान अधिकारी चिरंजीलाल मीणा ने कार्रवाई करते हुए, आरोपी को को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे 30 नवंबर तक पुलिस अभिरक्षा रिमांड पर लिया गया है। एसओजी के अनुसार, इस प्रकरण में अब तक कुल 158 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

अमेरिका में भारी तूफान से नौ लाख घरों में बिजली गुल रही

वाशिंगटन (अमेरिका) 27 नवंबर। संयुक्त राज्य अमेरिका में थैंक्सगिविंग डे के अवसर पर आए भीषण तूफान ने पूर्वी तट और मिडवेस्ट के कई इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। भारी बारिश, तेज हवाओं और बाढ़ के कारण बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हुई। छुट्टियों के दौरान यात्रा करने वाले लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। खराब मौसम के कारण न्यूयॉर्क की मशहूर मेसीज थैंक्सगिविंग डे परेड को भी शनिवार तक के लिए टालना पड़ा।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बिजली आपूर्ति पर नजर रखने वाली वेबसाइट पावरआउटेज डॉट यूएस के अनुसार, गुरुवार शाम तक अमेरिका के मिडवेस्ट और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में नौ लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं के घरों की बिजली गुल रही।

- दो हजार से अधिक उड़ानें देर से चलीं व चार सौ उड़ानें रद्द भी हुईं।

उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के मुताबिक, गुरुवार शाम तक अमेरिका आने-जाने वाली दो हजार से अधिक उड़ानें देरी से चल रही थीं, जबकि 420 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल ने बुधवार रात पूरे राज्य में आपातकाल घोषित कर दिया। न्यूयॉर्क के कुछ हिस्सों में भी गवर्नर कैथी होचुल ने आपातकाल लागू किया।

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोरान ममदानी ने गुरुवार सुबह बताया कि बाढ़ के पानी में फंसी दो कारों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पानी से भरी सड़कों पर पैदल चलने, साइकिल चलाने या वाहन ले जाने का जोखिम न उठाएं।

शहर की आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, थैंक्सगिविंग के दिन न्यूयॉर्क में करीब डेढ़ से दो इंच बारिश हुई, जबकि कुछ इलाकों में बारिश का आंकड़ा तीन इंच तक पहुंच गया। समुद्र में ज्वार का स्तर बढ़ने से स्टेटन आइलैंड और लॉन्ग आइलैंड समेत शहर के कई तटीय इलाकों में पानी भर गया।

पंजाब में आईएसआई का जासूस गिरफ्तार

बठिंडा, 27 नवंबर। पंजाब पुलिस की खुफिया शाखा और सैन्य खुफिया विभाग ने संयुक्त कार्रवाई में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उस पर बठिंडा सैन्य छावनी से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के गुर्गों के साथ साझा करने का आरोप है। उसका एक संदिग्ध साथी फरार होने में कामयाब रहा, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक फिरोजपुर जिले के गांव जखरावां निवासी 26 वर्षीय सतनाम सिंह उर्फ सत्तू को गिरफ्तार किया गया है। वह पाकिस्तान में बैठे राणा नामक एक खुफिया एजेंट के संपर्क में था और उसके निर्देशों पर सैन्य प्रतिष्ठानों से संबंधित गोपनीय जानकारी साझा कर रहा था।

महादेव सट्टा ऐप में ईडी ने रायपुर, दुर्ग व दिल्ली में छापे मारे

जांच एजेंसी की टीमों ने होटल, व्यापारिक प्रतिष्ठानों व निजी आवासों पर मिले दस्तावेजों की गहन पड़ताल की

रायपुर, 27 नवंबर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप से अर्जित अवैध कमाई और मनी लॉन्ड्रिंग के नेटवर्क को खंगालने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार तड़के छत्तीसगढ़ के तीन प्रमुख जिलों, रायपुर, दुर्ग-भिलाई और धमतरी में एक साथ बड़ी छापेमारी की। सुबह करीब 6 बजे केन्द्रीय सुरक्षा बलों के साथ पहुंची ईडी की अलग-अलग टीमों ने सरकारी अधिकारियों, होटल कारोबारियों और निजी प्रतिष्ठानों पर दबिश दी। इस दौरान निवेश, संपत्ति, बैंक खातों और डिजिटल रिकॉर्ड से जुड़े दस्तावेजों की गहन पड़ताल की गई।

- छापे से पहले ईडी ने रायपुर की वीआईपी रोड पर स्थित सात बड़े होटलों व पंडरी के एक क्लब में जांच की। एजेन्सी को जानकारी मिली कि सौरभ चन्द्राकर ने रायपुर के होटल, क्लब व मनोरंजन कारोबार में 200 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमों ने होटल, कारोबारी प्रतिष्ठानों और निजी आवासों पर पहुंचकर निवेश, संपत्ति, बैंक खातों और डिजिटल रिकॉर्ड से जुड़े दस्तावेजों की गहन पड़ताल की। धमतरी जिले में महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर के एक रिश्तेदार के घर और उससे जुड़े अन्य ठिकानों पर ईडी की टीम ने जांच-पड़ताल की।

छत्तीसगढ़ के साथ-साथ, ईडी ने दिल्ली में भी समानांतर कार्रवाई की। दिल्ली के लग्जरी कैटरर राहुल मक्कर, रियल एस्टेट कारोबारी शेली ग्रोवर और उनके बेटे माधव ग्रोवर के ठिकानों पर छापे मारे गए।

अखिलेश यादव इतनी जल्दबाजी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कारण 2024 का लोकसभा चुनाव माना जा सकता है। उत्तर प्रदेश में सपा ने 37 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस को छह सीटें मिली थीं। इस नतीजे ने राज्य में भाजपा को बड़ा झटका दिया था।

इंडिया गठबंधन का चुनाव प्रचार आंशिक रूप से इस मुद्दे पर आधारित था कि ''संविधान खतरे में है।'' इस संदेश का मतदाताओं पर असर पड़ा था। चुनाव परिणामों से सपा की राजनीतिक स्थिति भी मजबूत हुई और अखिलेश यादव का यह विश्वास बढ़ा कि सही सामाजिक गठबंधन और चुनावी रणनीति के साथ सपा भाजपा को प्रभावी चुनौती दे सकती है।

ऐसा लगता है कि यही आत्मविश्वास 2027 के चुनाव की तैयारियों में भी दिखाई दे रहा है।

अखिलेश यादव ने यह भी समझ लिया है कि चुनावी तैयारियां आखिरी समय तक नहीं छोड़ी जा सकतीं।

2022 में सपा प्रमुख ने अक्टूबर महीने में ही चुनाव प्रचार शुरू कर दिया था, जबकि पार्टी ने 13 जनवरी तक अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। उस चुनाव में सपा और कांग्रेस ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। दोनों के अपने अलग उम्मीदवार, चुनाव प्रचार और रणनीति थी।

लेकिन इस बार सपा कांग्रेस के साथ संभावित गठबंधन की तैयारी कर रही है। सीटों के बंटवारे को लेकर अनिश्चितता के कारण, जल्दी ही योजना बनाना और भी जरूरी हो गया है।

सूत्रों का कहना है कि अखिलेश आखिरी समय में उम्मीदवारों के चयन और गठबंधन की बातचीत के कारण पैदा होने वाली उलझन और देरी को दोहराना नहीं चाहते।

इंडिया गठबंधन के बिहार के अनुभव को भी एक महत्वपूर्ण कारण माना जा रहा है।

बिहार में आरजेडी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत में हुई देरी और उसके बाद गठबंधन के चुनावी प्रदर्शन ने कथित तौर पर अखिलेश के इस विश्वास को और मजबूत किया है कि लंबी खिंचने वाली बातचीत से गठबंधन की संभावनाओं को नुकसान पहुंच सकता है।

सपा ने कांग्रेस के लिए 26 सीटों का प्रस्ताव बार-बार सामने रखा है। इसे अपने सहयोगी दल पर दबाव बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, तकि समय रहते कोई समझौता हो सके।

सूत्रों का कहना है कि अखिलेश यादव चुनाव की तैयारियों के दौरान तेजी बनाए रखना चाहते है। वे नहीं चाहते कि कांग्रेस के फैसले लेने की धीमी प्रक्रिया के कारण सपा की तैयारियाँ प्रभावित हों।

इसके पीछे एक बड़ी राजनीतिक रणनीति भी है। अखिलेश को उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के प्रमुख चेहरे के रूप में देखा जाता है। वे जानते हैं कि गठबंधन के किसी सहयोगी दल की देरी या गलत फैसले का असर अंततः सत्ता में उनकी वापसी की संभावनाओं पर भी पड़ सकता है।

कांग्रेस के साथ सीटों के बंटवारे पर बातचीत अभी अधूरी है, फिर भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पांच सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। यह फैसला विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस कदम के जरिए दो संदेश देने की कोशिश दिखाई देती है।

पहला संदेश अपनी ही पार्टी के लिए है। उम्मीदवारों की पहले घोषणा करके अखिलेश पार्टी संगठन को सक्रिय करना चाहते हैं, संभावित उम्मीदवारों को पहले से तैयारी का मौका देना चाहते हैं और सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पार्टी कार्यकर्ता चुनावी जंग की तैयारी में जुट जाएं।

दूसरा संदेश कांग्रेस के लिए है। एकतरफा उम्मीदवारों की घोषणा करके सपा ने संकेत दिया है कि वह बातचीत जारी रहने के नाम पर अपनी चुनावी तैयारियों को अनिश्चितकाल तक रोककर रखने के लिए तैयार नहीं है।

इससे सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत में अखिलेश की स्थिति भी मजबूत हो सकती है। खासकर उनका जोर यह है कि कांग्रेस को उन्हीं सीटों पर दावा करना चाहिए, जहां उसके जीतने की वास्तविक संभावना है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता इमरान मसूद के बीच तनाव भी मौजूदा असहजता का एक कारण है।

महिला आईएएस को अश्लील संदेश भेजने वाला विधायक गिरफ्तार

चेन्नई, 27 नवंबर। महिला आईएएस अधिकारी के उत्पीड़न से जुड़े मामले में शुक्रवार को कल्लाकुरिची विधानसभा क्षेत्र के तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) विधायक अरुल विग्नेश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर जिले की महिला कलेक्टर को अश्लील संदेश भेजने का आरोप है।

बडोदरा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुजरात एटीएस के डीवाईएसपी हर्ष उपाध्याय को मिली सूचना के आधार पर विभिन्न टीमें सक्रिय की गईं। आरोपी के सयाजीगंज रेलवे स्टेशन के पास स्थित होटल मिलन में ठहरे होने की जानकारी मिलने पर टीम वहां पहुंची, लेकिन वह बिना चेक-आउट किए फरार हो चुका था। इसके बाद दाहोद से वडोदरा लौटते समय हालोल-वडोदरा रोड पर नाकाबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

भाजपा ने बड़ी होशियारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस अध्यक्ष ने आम सहमति बनाने के लिए शनिवार को इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है, लेकिन विभिन्न दलों के रुख अभी स्पष्ट नहीं हैं। डीएमके नेता एम.के. स्टालिन ने फिर दोहराया है कि लोकसभा की कुल सीटों में तमिलनाडु की मौजूदा हिस्सेदारी, जो लगभग 7.18 प्रतिशत है, कम नहीं होनी चाहिए। सूत्रों के अनुसार, यदि इस आश्वासन को पक्का कर दिया जाता है तो उनकी पार्टी संशोधित प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए तैयार है।

शरद पवार की एनसीपी के नेताओं, जिनमें सुप्रिया सुले भी शामिल हैं, ने कहा है कि वे कोई फैसला लेने से पहले विधेयक के मसौदे की जांच करेंगे। हालांकि, ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी इसका समर्थन कर सकती है। आम आदमी पार्टी के नेता अमन अरोड़ा ने कहा है कि पार्टी का समर्थन इस बात पर निर्भर करेगा कि विधेयक सभी राज्यों के लिये समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है या नहीं। बीजेडी ने जोर देकर कहा है कि ओडिशा के आनुपातिक प्रतिनिधित्व की सुरक्षा होनी चाहिए। पार्टी प्रस्तावित विधेयक का पूरा ब्योरा देखने के बाद ही अंतिम फैसला करेगी।

विपक्ष सैद्धांतिक रूप से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का समर्थन करता है, लेकिन उसका जोर है कि यह आरक्षण लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों पर भी लागू होना चाहिए। इसे लोकसभा की सीटें बढ़ाने या नए परिसीमन से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

इससे पहले अप्रैल 2026 में सरकार द्वारा लाया गया संविधान (131वां संशोधन) विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो पाया था। इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा की अधिकतम सीटों की संख्या बढ़ाकर करीब 850 करना और 2011 की जनगणना के आधार पर, परिसीमन के जरिए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना था।

इस बार सरकार को अधिक भरोसा है। इसका कारण एक संशोधित फॉर्मूला है, जो आनुपातिक बढ़ोतरी और सीटों के अनुपात को लंबे समय तक यथावत् रखकर दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करता है। इसके अलावा, सरकार ने गैर एन.डी.ए. दलों से संपर्क साधा है। साथ ही दलबदल, (जिसमें टीएमसी से अलग हुए सांसद भी शामिल हैं) और राजनीतिक गठबंधनों में बदलाव, जैसे शिरोमणि अकालीदल का भाजपा के साथ फिर से जुड़ना, ने संसद में संख्या- गणित को बदल दिया है।

दक्षिण भारत के राज्यों की मुख्य चिंता यह है कि केवल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन करने से उन्हें नुकसान होगा, क्योंकि परिवार नियोजन के सफल क्रियान्वयन के कारण उनकी जनसंख्या कम हुई है, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में जनसंख्या में उतनी कमी नहीं आई है। इससे संसद में उनकी हिस्सेदारी (सीटें) घट सकती है और संघीय व्यवस्था में राज्यों के बीच संतुलन उत्तर भारत की ओर झुक सकता है। दक्षिण भारत के नेता लंबे समय से यह तर्क देते रहे हैं कि इस तरह की व्यवस्था प्रगतिशील राज्यों को ''दूसरे दर्जे'' का मानती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908